ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

दशम् दीक्षान्त समारोह

दिनांक – 14 अक्टूबर, 2025

अध्यक्षता

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

माननीय राज्यपाल महोदया, उत्तर प्रदेश,
एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति

मुख्य अतिथि

पद्मश्री श्री मुज़फ़र अली

भारतीय फिल्म निर्माता,
फैशन डिजाइनर, कवि, कलाकार,
सांस्कृतिक पुनरुत्थानवादी
और सामाजिक कार्यकर्ता,
नई दिल्ली

अति विशिष्ट अतिथि

श्री योगेंद्र उपाध्याय

माननीय मंत्री, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश

विशिष्ट अतिथि

श्रीमती रजनी तिवारी

माननीय राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा विभाग,
उत्तर प्रदेश सरकार

कुलपति

प्रो0 अजय तनेजा

विषय सूची

- सन्देश 02
- प्रशासन एवं समितियाँ 15
- विश्वविद्यालय पृष्ठभूमि 20
- विश्वविद्यालय की उपलब्धियाँ 28
- विभागों का परिचय 33
- सांस्कृतिक गतिविधियाँ 75
- महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा की गयी गतिविधियाँ 78
- राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा की गयी गतिविधियाँ 82
- राष्ट्रीय कैडेट कोर द्वारा की गयी गतिविधियाँ 84
- क्रीड़ा परिषद् द्वारा आयोजित की गयी गतिविधियाँ 88
- रोवर्स एण्ड रेंजर्स द्वारा की गयी गतिविधियाँ 90
- राजभवन द्वारा आयोजित गतिविधियाँ 91
- दीक्षोत्सव 92
- स्थापना दिवस कार्यक्रम 93
- स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 94
- उपाधि/पदक सूची 95

दीक्षान्त स्मारिका समिति

प्रो0 तनवीर ख़दीजा – अध्यक्ष/संयोजक
प्रो0 शालिनी त्रिपाठी – सह–संयोजक
प्रो0 सौबान सईद – सदस्य
डॉ0 नीरज शुक्ल – सह–संयोजक
डॉ0 दोआ नक़वी – सदस्य
डॉ0 ज़ैबुन निसा – सदस्य
डॉ0 योगेन्द्र सिंह – सदस्य
डॉ0 शुभम रस्तोगी – सदस्य
श्री एहतेशाम अहमद – सदस्य
श्री मो0 आक़िब फ़ुरक़ान – सदस्य
श्री नितेश मौर्या – सदस्य

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

राज भवन
लखनऊ - 226 027
19 सितम्बर, 2025

संदेश

मुझे यह जानकर अतीव प्रसन्नता हुई कि ख्वाजा मईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ 14 अक्टूबर, 2025 को अपना 10वा दीक्षांत समारोह आयोजित कर रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा एक स्मारिका का प्रकाशन भी किया जाएगा।

दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों की उपलब्धियों, ज्ञान, अनुशासन तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का उत्सव है। यह दिवस विश्वविद्यालय की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसे उसने भाषा, संस्कृति और विचार–विनिमय के क्षेत्र में संवाद, नवाचार एवं समावेशन को समर्पित किया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि नवदीक्षित विद्यार्थी अपने आचरण, सेवा तथा प्रतिभा के माध्यम से समाज और राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय योगदान देंगे। इस अवसर पर प्रकाश्य स्मारिका विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुसंधान कार्यों, भाषिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों तथा सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़ी प्रेरक पहलों का प्रतिबिंब प्रस्तुत करेगी, जो विद्यार्थियों के लिए न केवल प्रेरणा का स्रोत बनेगी, अपितु उनके सर्वांगीण विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ दीक्षांत समारोह के आयोजन और स्मारिका के प्रकाशन की सफलता हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

आनंदीबेन
(आनंदीबेन पटेल)

दूरभाष : 0522-2236497 फैक्स : 0522-2239488 ईमेल : hgovup@gov.in वेबसाइट : www.upgovernor.gov.in

अमित शाह

सत्यमेव जयते

गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

संदेश

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा 10वें **दीक्षांत समारोह** दिनांक 15 अक्टूबर, 2025 को आयोजित किया जा रहा है और इस अवसर पर स्मारिका का प्रकाशन अत्यंत प्रशंसनीय है।

ज्ञान आधुनिक विश्व का वह अमूल्य धन है, जिसकी महत्ता भारत में रची बसी है। संपूर्ण विश्व, विद्या और विवेक के महत्व को भली-भाँति पहचानता है। एक शिक्षित विद्यार्थी अपने विश्वविद्यालय के साथ-साथ समाज और राष्ट्र की भी निधि होते हैं।

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ एक ऐसा प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान है जो भाषायी, सांस्कृतिक और बौद्धिक विविधता को प्रोत्साहित करने हेतु समर्पित रहा है। विभिन्न भाषाओं और साहित्य के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, संवाद और समरसता को बढ़ावा देने वाला यह विश्वविद्यालय न केवल अकादमिक उत्कृष्टता का केंद्र है, बल्कि सांस्कृतिक चेतना और मानवीय मूल्यों का भी सशक्त संवाहक है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश के उच्च शिक्षण संस्थानों के चहुँमुखी विकास के लिए **'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020'** लाकर उच्च शिक्षा के आधुनिकीकरण तथा सशक्तीकरण के रास्ते प्रशस्त किये हैं । राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ज्ञान-अर्जन को केवल अकादमिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना से भी जोड़ने की दिशा में एक प्रभावी पहल सिद्ध हो रही है।

मैं दीक्षा पूर्ण कर चुके सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए स्मारिका के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

(अमित शाह)

प्रो. अजय तनेजा,
कुलसचिव, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

कार्यालय : गृह मंत्रालय, नॉर्थ ब्लाक, नई दिल्ली-110001
दूरभाष : 23092462, 23094686, फैक्स : 23094221
ई-मेल : hm@nic.in

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शिक्षा मंत्री
भारत सरकार
Minister of Education
Government of India

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि **ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ** 14 अक्टूबर, 2025 को अपना 10वाँ दीक्षान्त समारोह आयोजित करने जा रहा है और इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा एक स्मारिका का भी प्रकाशन किया जा रहा है। दीक्षान्त समारोह में उपाधि ग्रहण करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई !

शिक्षा केवल ज्ञान का अर्जन नहीं और भाषा केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं, बल्कि ये जीवन मूल्यों के संवाहक और राष्ट्र निर्माण के भी आधार हैं। विश्वविद्यालय ने मूल्यपरक भाषायी शिक्षा के माध्यम से समाज और राष्ट्र की प्रगति में जो उल्लेखनीय योगदान दिया है, वह सराहनीय है। मुझे विश्वास है कि विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में नित नये कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा और अपने युवा छात्रों को ज्ञान, भाषायी उत्कृष्टता और नवाचार के माध्यम से भारत की समावेशी भाषिक संस्कृति को और मजबूत करने के लिए प्रेरित करेगा।

मैं इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सतत प्रगति एवं उपाधि प्राप्तकर्ता विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। स्मारिका के सुरूचिपूर्ण प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ !

(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
E-mail : minister.sm@gov.in

सं.-632/सी.एम./यू.पी./25

योगी आदित्यनाथ

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

लोक भवन,
लखनऊ - 226001

दिनांक : 14.09.2025

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ का दशम् दीक्षान्त समारोह दिनांक 14 अक्टूबर, 2025 को आयोजित किया जा रहा है।

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, छात्र–छात्राओं को गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा सुलभ कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुझे विश्वास है कि यह संस्थान भविष्य में भी इसी प्रकार विद्यार्थियों को शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु प्रतिबद्ध रहेगा।

दीक्षान्त समारोह एक युवा के लिए नये जीवन के प्रति आश्वस्ति है। दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त करना विद्यार्थी को गौरवान्वित करता है और पूर्ण लगन एवं समर्पण से निरन्तर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इसके दृष्टिगत विद्यार्थी जीवन में दीक्षान्त समारोह का विशिष्ट महत्व होता है।

दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले समस्त छात्र–छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए मैं आशा करता हूं कि यह समस्त विद्यार्थीगण अपनी उपलब्धियों से प्रदेश व संस्थान का गौरव बढ़ाएंगे।

दीक्षान्त समारोह के सफल आयोजन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं।

(योगी आदित्यनाथ)

दूरभाष : 0522-2289017 / 2289010 / 2289167 **फैक्स** - 0522-2239234 **ईमेल** - cmup@nic.in

सतीश महाना
अध्यक्ष
उ०प्र० विधान सभा

पत्र संख्या:- प्रि.प्रो. अ०वि०स०/ 2025 दिनांकः

विधान भवन, लखनऊ
फोन नं०-0522-2238161 (कार्या०)

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ का दशम दीक्षान्त समारोह सत्र 2024-25 का आयोजन किया जा रहा है और इस अवसर पर एक स्मारिका का प्रकाशन भी हो रहा है।

दीक्षान्त समारोह केवल डिग्री प्राप्त करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह जीवन के नए चरण में प्रवेश का प्रतीक भी है। यह वह क्षण है जब विद्यार्थी अपने अर्जित ज्ञान, अनुशासन और संस्कारों को समाज व राष्ट्र की सेवा में समर्पित करने का संकल्प लेते हैं।

मुझे विश्वास है कि इस विश्वविद्यालय से शिक्षा पूरी कर निकलने वाले छात्र-छात्राएँ अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होंगे और राष्ट्र निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

स्मारिका का प्रकाशन इस समारोह को और अधिक ऐतिहासिक एवं स्मरणीय बनाएगा। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी सिद्ध होगा।

मैं इस शुभ अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार, कुलपति प्राध्यापकों तथा सभी छात्र-छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

(सतीश महाना)

प्रो० अजय तनेजा
कुलपति।

ब्रजेश पाठक
उप मुख्यमंत्री

कार्यालय कक्ष संख्या–99, 100, मुख्य भवन,
विधान सभा सचिवालय
दूरभाष– 0522–2238088 (का0)
0522–2239999 (आ0)

लखनऊः दिनांक 01-09-2025

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि को ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ अपना दसवां दीक्षान्त समारोह दिनॉक 14 अक्टूबर, 2025 को आयोजित कर रहा है। जिसमें सत्र 2024–25 में उत्तीर्ण छात्र–छात्राओं को उपाधि एवं पदक प्रदान किये जायेंगे।

मुझे आशा ही नहीं वरन् पूर्ण विश्वास है कि यहां के छात्र–छात्राएं विश्वविद्यालय से उपाधि प्राप्त कर देश–विदेश में उत्तर प्रदेश का नाम रौशन करेंगे। दीक्षान्त समारोह के इस शुभ अवसर पर विश्वविद्यालय एक स्मारिका भी प्रकाशित कर रहा है।

मैं ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ को उनके दशम् दीक्षान्त समारोह के सफल आयोजन तथा स्मारिका के सफल प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(ब्रजेश पाठक)

सुरेश कुमार खन्ना
मंत्री
वित्त एवं संसदीय कार्य विभाग

कार्यालय मुख्य भवन
कक्ष संख्या–84/85
दूरभाष (का0) 0522–2238061
0522–2213304
(आ0) 0522–2239753
ई–मेल : mofup2019@gmail.com
दिनांक: 12/09/2025

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती विश्वविद्यालय, लखनऊ दिनांक 14 अक्टूबर, 2025 को अपना दशम् दीक्षान्त समारोह आयोजित करने जा रहा है तथा इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा स्मारिका का प्रकाशन भी किया जा रहा है।

दीक्षान्त समारोह किसी भी शैक्षणिक संस्थान तथा वहाँ से उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिये अत्यन्त महत्वपूर्ण होता है।

मुझे विश्वास है कि यह स्मारिका विश्वविद्यालय के अतीत से वर्तमान तक की उपलब्धियों एवं कीर्तिमानों को अभिलेखित करते हुये भावी पीढ़ी के भविष्य निर्माण एवं मार्गदर्शन में प्रकाश स्तम्भ का कार्य करेगी।

मैं इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव, शिक्षकों, अधिकारियों/कर्मचारियों, पदक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों तथा सम्पादक मण्डल के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई देता हूँ तथा स्मारिका के सफल एवं उद्देश्यपरक प्रकाशन के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(सुरेश कुमार खन्ना)

प्रो0 अजय तनेजा,
कुलपति,
ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती
भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ।
मो0–7007076124

दयाशंकर सिंह
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
परिवहन विभाग

राज्यमंत्री (स्व०प्र०) उत्तर प्रदेश

आज़ादी का अमृत महोत्सव

संख्या: ५६८(क्र)/वी.आई.पी./रा.मं.(स्व.प्र.)परि./202
कक्ष सं.- 63A - 63C, विधान भवन, लखनऊ
दूरभाष सं. : 0522-2238071, 2213259

दिनांक : 11-09-2025

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकार हार्दिक प्रसन्नता हुई है कि ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के दशम् दीक्षान्त समारोह का आयोजन किया जा रहा है। दशम् दीक्षात समारोह में डिग्री एवं पदक प्राप्त करने वाले विद्यायर्थियों को और विश्वविद्यालय के शिक्षकों को मै अपनी तरफ से बधाई देता हूँ।

यह विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को उत्तम गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करते हुए देश व प्रदेश के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है। मुझे विश्वास है कि यह विश्वविद्यालय भविष्य में भी इसी प्रकार विद्यार्थियों को शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु तत्पर रहेगा।

मैं दशम् दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन हेतु सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

शुभकामनाओं सहित।

दयाशंकर सिंह

(दयाशंकर सिंह)

आवास : 9 - कालीदास मार्ग, लखनऊ । ☎: 0522- 2235033 📱: 9415026384
dayashankar4bjp@gmail.com, psparivahan2022@gmail.com dayashankarsingh dayashankar4bjp

योगेन्द्र उपाध्याय
मंत्री
उच्च शिक्षा विभाग

कक्ष सं0–63बी/डी, मुख्य भवन
विधान भवन, लखनऊ।
दूरभाष– 0522–2238051(कार्या0)
0522–2238112(आवास)

दिनाँक– 04.10.2025

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष का अनुभव हो रहा है कि ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ अपना 10वाँ दीक्षान्त समारोह दिनांक 14 अक्टूबर, 2025 को आयोजित करने जा रहा है। मैं अपनी ओर से दीक्षान्त समारोह में उपाधि ग्रहण करने वाले सभी छात्र–छात्राओं को बधाई देता हूँ।

शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का साधन नहीं है और न ही भाषा मात्र सम्प्रेषण का माध्यम है, बल्कि ये दोनों जीवन मूल्यों के संवाहक तथा राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं। विश्वविद्यालय ने मूल्यनिष्ठ भाषायी शिक्षा के माध्यम से समाज और राष्ट्र की प्रगति में जो महत्वपूर्ण योगदान दिया है, वह निःसंदेह प्रशंसनीय है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में नये कीर्तिमान स्थापित करेगा और अपने युवा विद्यार्थियों को ज्ञान, भाषायी उत्कृष्टता तथा नवाचार के माध्यम से भारत की समावेशी भाषिक संस्कृति को सुदृढ़ करने के लिए सतत प्रेरित करता रहेगा।

मैं इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सतत प्रगति एवं उपाधि प्राप्तकर्ता विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

(योगेन्द्र उपाध्याय)

रजनी तिवारी
राज्य मंत्री
उच्च शिक्षा विभाग,
उत्तर प्रदेश

कार्या. : जी-2/3, तृतीय तल, बापू भवन,
उत्तर प्रदेश सचिवालय, लखनऊ।
दूरभाष कार्या. : 0522-2238980
सी.एच. : 0522-2214808

''शुभकामना संदेश''

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा दिनांक 14 अक्टूबर 2025 को दशम् दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा एक **स्मारिका** प्रकाशित की जा रही है।

मैं आशा करती हूँ कि इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली **स्मारिका** विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के दर्शन के साथ ही साथ विद्यार्थियों के लिए भी लाभप्रद होगी।

विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ ही मैं **दीक्षांत** समारोह के अवसर पर प्रकाशित होने वाली **स्मारिका** के सफल प्रकाशन हेतु विश्वविद्यालय परिवार को अपनी हार्दिक शुभकामनायें प्रेषित करती हूँ।

रजनी तिवारी

(रजनी तिवारी)
राज्य मंत्री,
उच्च शिक्षा विभाग,
उत्तर प्रदेश सरकार।

आवास : 1- डालीबाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
दूरभाष : 0522-2205445

कैम्प कार्यालय : हरदोई, उत्तर प्रदेश
दूरभाष : 05852-222100

असीम अरुण
राज्य मंत्री
(स्वतंत्र प्रभार)
समाज कल्याण
उत्तर प्रदेश सरकार

सितम्बर 24, 2025

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ 14 अक्टूबर, 2025 को अपना दशम दीक्षांत समारोह आयोजित करने जा रहा है जिसकी अध्यक्षता श्री राज्यपाल महोदया, उत्तर प्रदेश एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी करेंगी और इसमें विश्वविद्यालय के वर्ष 2024-25 के सत्र में उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को उपाधि एवं पदक प्रदान किए जाएंगे व इस अवसर पर स्मारिका का भी प्रकाशन किया जाएगा।

दीक्षांत समारोह किसी भी शिक्षण संस्था का महत्वपूर्ण आयोजन है जिसकी सभी को उत्सुकता से प्रतीक्षा रहती है। यह एक ऐसा अवसर है जो न केवल विश्वविद्यालय परिवार को अपनी उपलब्धियों/ क्रिया-कलापों को सभी के साथ साझा करने का सुअवसर प्रदान करता है अपितु वहाँ से विद्यार्जन कर चुके छात्र/ छात्राओं को गणमान्य एवं प्रतिष्ठित आगंतुकों की गरिमामयी उपस्थिति में प्रतिष्ठित मंच से उपाधि प्राप्त करने और शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित होने का अवसर भी सुलभ कराता है।

स्थापना काल से ही शैक्षणिक सुविधाओं में निरंतर सुधार के प्रयासों से यह विश्वविद्यालय आज राजधानी का एक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान बन चुका है जो विविध क्षेत्रों में गुणवत्त शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है।

दीक्षांत समारोह की सफलता, स्मारिका के सफल एवं उद्देश्यपरक प्रकाशन के साथ-साथ विश्विद्यालय की उत्तरोत्तर प्रगति के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(असीम अरुण)

सं0 044 VIP / रा.मं.(स्वा0प्र0)स.क. / 2025

पता: जी 1/4, पांचवा तल, बापू भवन, उत्तर प्रदेश शासन
फोन नंबर - 05222235292 (कार्यालय), 9219483294, 9793641114 | ईमेल- contact@asimarun.in

दानिश आज़ाद अंसारी
राज्य मंत्री
अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम
वक्फ एवं हज।

कार्यालय कक्ष सं0: जी–2/3
बापू भवन, उ0प्र0 सचिवालय,
लखनऊ
दूरभाष कार्यालय: 0522–2239277
सी0एच0: 0522–2214796

दिनांक: 23 सितम्बर, 2025

शुभकामना सन्देश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई है कि ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती विश्वविद्यालय, लखनऊ, दिनांक 14 अक्टूबर, 2025 को अपना दशम् दीक्षान्त समारोह आयोजित करने जा रहा है। दीक्षान्त समारोह किसी भी शैक्षणिक संस्थान तथा वहाँ से उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण एवं चिरस्मरणीय क्षण होता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा स्मारिका का भी प्रकाशन किया जाना अच्छा प्रयास है।

मेरा पूर्ण विश्ववास है कि यह स्मारिका विश्वविद्यालय के अतीत से वर्तमान तक की उपलब्धियों एवं कीर्तिमानों को अभिलेखित करते हुए भावी पीढ़ी के भविष्य निर्माण एवं मार्गदर्शन में प्रकाश स्तम्भ का कार्य करेगी।

इस अवसर पर मैं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 अजय तनेजा, कुलसिचव, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, पदक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों तथा संपादक मंडल के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई देता हूँ। स्मारिका के सफल प्रकाशन हेतु अपनी मंगलकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित।

भवदीय,

(दानिश आज़ाद अंसारी)

प्रो. टी. जी. सीताराम
अध्यक्ष
Prof. T. G. Sitharam
FNAE, DGE, FASCE, FICE (UK)
Ph.D. (Univ of Waterloo, Canada), D.Sc
Post Doc (Univ of Texas, @Austin USA)
Chairman

सत्यमेव जयते

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्
(भारत सरकार का एक सांविधिक निकाय)
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
नेल्सन मंडेला मार्ग, वसंत कुंज, नई दिल्ली–110070
दूरभाष : 011–26131498
ई–मेल : chairman@aicte-india.org

ALL INDIA COUNCIL FOR TECHNICAL EDUCATION
(A STATUTORY BODY OF THE GOVT. OF INDIA)
(Ministry of Education, Govt. of India)
Nelson Mandela Marg, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Phone : 011-26131498
E-mail : chairman@aicte-india.org

संदेश

प्रिय विद्यार्थियों,

मुझे यह जानकर काफी प्रसन्नता हो रही है कि ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ अपना 10वां दीक्षांत समारोह आयोजित कर रहा है। दीक्षांत समारोह केवल एक औपचारिक अवसर नहीं, बल्कि यह आपके कठिन परिश्रम, समर्पण और उपलब्धियों का उत्सव है। इस दिन आप सभी न केवल डिग्री और पदक प्राप्त कर रहे हैं, बल्कि अपने जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत भी कर रहे हैं। अपने ज्ञान, आत्मविश्वास और अपने सपनों को व्यक्त करने के लिए भी यह एक आदर्श अवसर है। गुरु-शिष्य, दोनों के हृदय में इस गौरवपूर्ण क्षण की स्मृतियां सदैव बनी रहती हैं।

मुझे विश्वास है कि इस विश्वविद्यालय से प्राप्त शिक्षा और अनुभव आपको राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित करेंगे। संकल्प लीजिए कि आपने जितना भी ज्ञान और अनुभव यहां से अर्जित किया है, इस देश और समाज को उससे अधिक वापस करेंगे।

आप सभी अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करें, समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनें और भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर करने में अपनी भूमिका निभाएँ।

मुझे विश्वास है कि इस अवसर पर प्रकाशित स्मारिका अपने उद्देश्यों को पूरा करेगी। आप सभी के सफल व उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए, मैं एक बार पुनः आपको दीक्षांत समारोह की बधाई देता हूं।

टी. जी. सीताराम.

(प्रो. टी. जी. सीताराम)

विश्वविद्यालय प्रशासन

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

कुलाधिपति एवं
माननीय राज्यपाल, उ0प्र0

प्रो0 अजय तनेजा

कुलपति

श्री संजीव गुप्ता
वित्त अधिकारी

डॉ0 महेश कुमार
कुलसचिव

श्री विकास
परीक्षा नियंत्रक

श्री मो0 साहील
उप–कुलसचिव

श्री विनायक धर दूबे
सहायक कुलसचिव

कार्य-परिषद्

सदस्य का नाम	पद
प्रो0 अजय तनेजा, माननीय कुलपति	अध्यक्ष
प्रो0 सौबान सईद, संकायाध्यक्ष–कला एवं मानविकी संकाय	सदस्य
डॉ0 तन्हीर फात्मा, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय	सदस्य
प्रो0 मसऊद आलम, आचार्य, अरबी विभाग, सदस्य– अ0पि0वर्ग	सदस्य
प्रो0 तनवीर खदीजा, आचार्य, अंग्रेजी विभाग	सदस्य
प्रो0 मुशीर अहमद, आचार्य–व्यवसास प्रशासन	सदस्य
प्रो0 मुनेश कुमार, शिक्षाशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय	सदस्य
प्रो0 गौतम जैसवार, सहायक विज्ञान विभाग, डॉ0 भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा	सदस्य
डॉ0 दोआ नक़वी, सहायक आचार्य–व्यवसाय प्रशासन विभाग	सदस्य
डॉ0 नलिनी मिश्रा, सहायक आचार्य–शिक्षाशास्त्र	सदस्य
डॉ0 महेश कुमार, कुलसचिव	सदस्य सचिव

विश्वविद्यालय कोर्ट

सदस्य का नाम

प्रो0 अजय तनेजा, माननीय कुलपति
श्री संजीव गुप्ता, वित्त अधिकारी
प्रो0 मसऊद आलम, विभागाध्यक्ष, अरबी विभाग
प्रो0 मुशीर अहमद, विभागाध्यक्ष, व्यवसाय प्रशासन विभाग
प्रो0 फ़ख़रे आलम, विभागाध्यक्ष, उर्दू विभाग
प्रो0 चन्दना डे, विभागाध्यक्ष, शिक्षा शास्त्र / DSW
प्रो0 तनवीर ख़दीजा, विभागाध्यक्ष, अंग्रेज़ी विभाग
डॉ0 तन्हीर फ़ातिमा, विभागाध्यक्ष, गृह विज्ञान / प्रोवोस्ट – रानी लक्ष्मी बाई महिला छात्रावास
डॉ0 उद्धम सिंह, प्रोवोस्ट – नेताजी सुभाष चन्द्र पुरूष छात्रावास
प्रो0 सैय्यद हैदर अली, संकायाध्यक्ष, वाणिज्य संकाय
डॉ0 अब्दुल हफ़ीज़, सहायक आचार्य, अरबी विभाग
डॉ0 मज़हर ख़ालिक़, सहायक आचार्य, CSIT
डॉ0 नीरज शुक्ल, सहायक आचार्य, वाणिज्य विभाग
डॉ0 मोहम्मद अकमल शादाब, सहायक आचार्य, उर्दू विभाग

(श्रेणी–VI कुलपति के नाम निर्देशिती – विधान परिषद् सदस्य)

श्री अंगद कुमार सिंह
श्री मुकेश शर्मा
श्री योगेश वर्मा
श्री हरिवन्दर कुमार साहनी 'रोमी साहनी'
श्री अनिल कुमार सिंह
श्री अरमान ख़ान
श्री फ़रीद महफ़ूज़ क़िदवई

विद्या-परिषद्

सदस्य का नाम	पद
प्रो0 अजय तनेजी, माननीय कुलपति	अध्यक्ष
प्रो0 बलराज चौहान, पूर्व कुलपति, डॉ0 राम मनोहर लोहिया, राष्ट्रीय लॉ विश्वविद्यालय, ल0।	सदस्य
प्रो0 एस0पी0 शुक्ला, आचार्य सिविल इंजीनियरिंग, आई0आई0टी0 एवं निदेशक, राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, बांदा।	सदस्य
प्रो0 अब्बास रज़ा नैय्यर, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष उर्दू विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदस्य
प्रो0 हरिशंकर सिंह, संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष शिक्षाशास्त्र विभाग, बी0बी0ए0यू0 केन्द्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ।	सदस्य
प्रो0 आद्या प्रसाद पाण्डेय, पूर्व आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग, बी0एच0यू0 वाराणसी एवं पूर्व कुलपति, मणिपुर विश्वविद्यालय।	सदस्य
प्रो0 मसऊद आलम, संकायाध्यक्ष, विधि अध्ययन संकाय।	सदस्य
प्रो0 सैय्यद हैदर अली, संकायाध्यक्ष, वाणिज्य	सदस्य
प्रो0 चंदना डे, संकायाध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान	सदस्य
प्रो0 सौबान सईद, संकायाध्यक्ष, कला एवं मानविकी संकाय।	सदस्य
प्रो0 फ़ख़रे आलम, विभागाध्यक्ष, उर्दू विभाग	सदस्य
प्रो0 तनवीर ख़दीजा, विभागाध्यक्ष, अंग्रेज़ी विभाग	सदस्य
प्रो0 मुशीर अहमद, आचार्य / विभागाध्यक्ष, व्यवसाय प्रशासन विभाग	सदस्य
डॉ0 तन्हीर फ़ातिमा, सह–आचार्य / विभागाध्यक्ष गृह विज्ञान विभाग	सदस्य
डॉ0 मो0 अकमल, सहायक आचार्य, उर्दू विभाग	सदस्य
डॉ0 वसी अहमद आज़म अंसारी, सहायक आचार्य, उर्दू विभाग	सदस्य
डॉ0 पूनम चौधरी, सहायक आचार्य, इतिहास विभाग / प्रतिनिधि SC/ST	सदस्य
डॉ0 महेश कुमार, कुलसचिव	सदस्य सचिव

वित्त समिति

सदस्य का नाम	पद
प्रो0 अजय तनेजा, माननीय कुलपति	अध्यक्ष
डॉ0 महेश कुमार, कुलसचिव	सदस्य
श्री विकास, परीक्षा नियंत्रक	सदस्य
श्री संजीव गुप्ता, वित्त अधिकारी	सदस्य सचिव
श्री प्रेम कुमार पाण्डेय, संयुक्त सचिव, उच्च शिक्षा अनुभाग–4	सदस्य
श्री विवेक कुमार सिंह, अपर निदेशक, कोषागार पेंशन निदेशालय	सदस्य
नामित प्रतिनिधि, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय, उ0प्र0 शासन	सदस्य

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

सदस्य का नाम	पद
प्रो0 अजय तनेजा, माननीय कुलपति	अध्यक्ष
प्रो0 मुशीर अहमद, व्यवसाय प्रशासन विभाग **डॉ0 नीरज शुक्ल,** वाणिज्य विभाग **डॉ0 दोआ नक़वी,** व्यवसाय प्रशासन विभाग **डॉ0 अताउर रहमान आजमी,** प्रशासन विभाग **डॉ0 रुचिता सुजय चौधरी,** पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग	सभी स्तरों का प्रतिनिधित्व करने वाले शिक्षक (3 से 8)
वित्त अधिकारी, भाषा विश्वविद्यालय **कुलसचिव,** भाषा विश्वविद्यालय, **परीक्षा नियंत्रक,** भाषा विश्वविद्यालय	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
प्रो0 अरुण कुमार तिवारी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, आई0 ई0 टी0, लखनऊ (लोकल सोसाइटी) **मो0 नसीम,** शोधार्थी, उर्दू (छात्र) **डॉ0 शिप्रा शुक्ला,** (एल्युमिनाई)	स्थानीय समाज, छात्र एवं एल्युमिनाई से एक नामित सदस्य
सुश्री स्नेहा शुक्ला, ब्लू बुक कम्पनी (नियोत्का) **श्री अनिल अग्रवाल,** अध्यक्ष, आर0आर0 ग्रुप ऑफ इन्स्टीटयूशन **डॉ0 अजय सिंह,** हेड जोनल ऑपरेशन एण्ड सीएसआर, टीसीएस (स्टेकहोल्डर)	नियोत्का / उद्योगपति / हितधारकों से एक नामित सदस्य
प्रो0 सौबान सईद, उर्दू विभाग	को–आर्डिनेटर / निदेशक, IQAC

प्रवेश समिति

सदस्य का नाम	पद
प्रो0 अजय तनेजा, माननीय कुलपति	अध्यक्ष
प्रो0 मसऊद आलम, संकायाध्यक्ष, विधि अध्ययन संकाय	सदस्य
सैय्यद हैदर अली, संकायाध्यक्ष, वाणिज्य संकाय	सदस्य
प्रो0 चंदना डे, संकायाध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान	सदस्य
प्रो0 सौबान सईद, संकायाध्यक्ष, कला एवं मानविकी	सदस्य
डॉ0 तत्हीर फातमा, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय	सदस्य
प्रो0 फ़ख़रे आलम, विभागाध्यक्ष–उर्दू विभाग	सदस्य
प्रो0 तनवीर ख़दीजा, विभागाध्यक्ष–अंग्रेजी विभाग	सदस्य
डॉ0 नीरज शुक्ल, सहायक आचार्य–वाणिज्य विभाग	सदस्य
डॉ0 मो0 शारिक़, सहायक आचार्य–शारीरिक शिक्षा	सदस्य
डॉ0 बुशरा अलवेरा, सहायक आचार्य–शिक्षा शास्त्र	सदस्य
डॉ0 रूचिता सुजय चौधरी, सहायक आचार्य, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग	सदस्य
डॉ0 नलिनी मिश्रा, सहायक आचार्य–शिक्षाशास्त्र	सदस्य
डॉ0 वसी अहमद आज़म अन्सारी, सहायक आचार्य, उर्दू विभाग	सदस्य
श्री विकास, परीक्षा नियंत्रक	सदस्य
श्री संजीव गुप्ता, वित्त अधिकारी	सदस्य
डॉ0 महेश कुमार, कुलसचिव	सदस्य सचिव

परीक्षा समिति

सदस्य का नाम	पद
प्रो0 अजय तनेजा, माननीय कुलपति	अध्यक्ष
प्रो0 सौबान सईद, संकायाध्यक्ष, कला एवं मानविकी संकाय	सदस्य
डॉ0 तत्हीर फातिमा, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय	सदस्य
प्रो0 चंदना डे, अधिष्ठाता छात्र कल्याण	सदस्य
प्रो0 तनवीर ख़दीजा, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग	सदस्य
प्रो0 मुशीर अहमद, विभागाध्यक्ष, व्यवसाय प्रशासन विभाग	सदस्य
डॉ0 मनीष कुमार, सहायक आचार्य वाणिज्य / प्रतिनिधि अनुसूचित जाति / जनजाति	सदस्य
डॉ0 नलिनी मिश्रा, सदस्य कार्यपरिषद्	सदस्य
प्रो0 हरि शंकर सिंह, सदस्य विद्यापरिषद्	सदस्य
डॉ0 नीरज शुक्ला, कुलानुशासक	सदस्य
श्री संजीव गुप्ता, वित्त अधिकारी	सदस्य
डॉ0 महेश कुमार, कुलसचिव	सदस्य
श्री विकास, परीक्षा नियंत्रक	सदस्य सचिव

संकायाध्यक्ष / निदेशक

संकायाध्यक्ष का नाम	संकाय का नाम
प्रो0 सौबान सईद	कला एवं मानविकी संकाय
प्रो0 चन्दना डे	सामाजिक विज्ञान संकाय व भेषजी संकाय
प्रो0 सैय्यद हैदर अली	वाणिज्य संकाय
डॉ0 तत्हीर फ़ातिमा	विज्ञान संकाय
प्रो0 मसऊद आलम	विधि अध्ययन संकाय
निदेशक का नाम	**संकाय का नाम**
डॉ0 आर0के0 त्रिपाठी	अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय
प्रो0 शालिनी त्रिपाठी	भेषजी संकाय

राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद् समिति

नैक क्राइटेरिया प्रभारी	पद
प्रो0 सौबान सईद, आचार्य, उर्दू विभाग	नैक समन्वयक
डॉ0 दोआ नक़वी, व्यवसाय प्रशासन विभाग	क्राइटेरिया इंचार्ज–1
डॉ0 बुशरा अल्वेरा, शिक्षा शास्त्र विभाग	क्राइटेरिया इंचार्ज–2
प्रो0 तनवीर ख़दीजा, अंग्रेज़ी विभाग	क्राइटेरिया इंचार्ज–3
डॉ0 नीरज शुक्ल, वाणिज्य विभाग	क्राइटेरिया इंचार्ज–4
डॉ0 रूचिता सुजय चौधरी, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग	क्राइटेरिया इंचार्ज–5
डॉ0 ज़ैबुन निसा, वाणिज्य विभाग	क्राइटेरिया इंचार्ज–6
डॉ0 नलिनी मिश्रा, शिक्षा शास्त्र विभाग	क्राइटेरिया इंचार्ज–7

भवन समिति

सदस्य का नाम	पद
प्रो0 अजय तनेजा, माननीय कुलपति	अध्यक्ष
श्री संजीव गुप्ता, वित्त अधिकारी	सदस्य
प्रो0 मसऊद आलम, आचार्य, अरबी।	सदस्य
डॉ0 तत्हीर फ़ातिमा, संकायाध्यक्ष	सदस्य
ई0 कौशलेश कुमार शाह, सहायक आचार्य, नोडल अधिकारी, सिविल	सदस्य
ई0 विवेक कुमार बाजपेयी, सहायक आचार्य, नोडल अधिकारी, विद्युत	सदस्य
ई0 गौरव सिंह, सहायक आचार्य, फ़ैकल्टी ऑफ आर्किटेक्चर एण्ड प्लानिंग, ए0के0टी0यू0, लखनऊ	सदस्य
अधिशासी अभियंता, निर्माण खण्ड–1, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ।	सदस्य
डॉ0 महेश कुमार, कुलसचिव	सदस्य सचिव

इन्टरनल कम्प्लेन्ट्स कमेटी

पदाधिकारी का नाम	पद
प्रो0 तनवीर ख़दीजा, आचार्य, अंग्रेज़ी विभाग	पीठासीन अधिकारी
डॉ0 नीरज शुक्ल, सहायक आचार्य, वाणिज्य विभाग **डॉ0 दोआ नक़वी,** सहायक आचार्य, व्यवसाय प्रशासन विभाग	02 सदस्य (शिक्षकों से)
श्री शबीह हैदर, लेखाकार	03 सदस्य (शिक्षणेत्तर कर्मी)
श्री दीपक मौर्या, बी0टेक0 **सुश्री साक्षी बरनवाल,** बी0सी0ए0 **सुश्री राधिका,** एम0ए0 अंग्रेज़ी	03 सदस्य विद्यार्थी (यदि प्रकरण विद्यार्थियों से सम्बंधित हो)
डॉ0 सुधा बाजपेयी, अध्यक्षा, सरस्वती एजुकेशनल फॉउण्डेशन, लखनऊ	01 सदस्य (गैर सरकारी संगठन)

कुलानुशासक मण्डल

सदस्य का नाम	पद
डॉ0 नीरज शुक्ल, सहायक आचार्य, वाणिज्य विभाग	कुलानुशासक
डॉ0 नलिनी मिश्रा, सहायक आचार्य, शिक्षा शास्त्र विभाग	उप–कुलानुशासक
डॉ0 अताउर रहमान आज़मी, सहायक आचार्य, व्यवसाय प्रशासन विभाग	उप–कुलानुशासक
डॉ0 (ले0) बुशरा अलवेरा, सहायक आचार्य, शिक्षा शास्त्र विभाग	सहायक कुलानुशासक
डॉ0 मनीष कुमार, सहायक आचार्य, वाणिज्य विभाग (वार्डेन, पुरूष छात्रावास)	सहायक कुलानुशासक
डॉ0 श्वेता अग्रवाल, सहायक आचार्य, शिक्षा शास्त्र विभाग (वार्डेन, महिला छात्रावास)	सहायक कुलानुशासक
डॉ0 सुमन कुमार मिश्रा, सहायक आचार्य, कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	सहायक कुलानुशासक

क्रीड़ा परिषद्

सदस्य का नाम	पद
प्रो0 अजय तनेजा, माननीय कुलपति	पदेन अध्यक्ष
प्रो0 संजीव गुप्ता, वित्त अधिकारी	पदेन कोषाध्यक्ष
डॉ0 महेश कुमार, कुलसचिव	पदेन सदस्य
डॉ0 नीरज शुक्ल, कुलानुशासक	सदस्य(उपाध्यक्ष)
डॉ0 मोहम्मद शारिक, सहायक आचार्य, शारीरिक शिक्षा विभाग	सदस्य सचिव
प्रो0 सौबान सईद, अधिष्ठाता शैक्षणिक	सदस्य
डॉ0 नलिनी मिश्रा, समन्वयक, एन0एस0एस0	सदस्य
डॉ0 बुशरा अलवेरा, ए0एन0ओ0–एन0सी0सी0	सदस्य
सुश्री मानसी गौतम, महिला खिलाड़ी	छात्रा सदस्य
श्री जतिन रावत, पुरूष खिलाड़ी	छात्र सदस्य
डॉ0 मोहम्मद तारिक, लखनऊ विश्वविद्यालय	आमंत्रित सदस्य

छात्र शिकायत निवारण समिति

सदस्य का नाम	पद
प्रो0 नवीन खरे, आचार्य (से0नि0), रसायन विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ	लोकपाल
प्रो0 तनवीर ख़दीजा, विभागाध्यक्ष–अंग्रेजी विभाग	अध्यक्ष
प्रो0 सैय्यद हैदर अली, विभागाध्यक्ष–व्यवसाय प्रशासन विभाग	सदस्य
प्रो0 एहतेशाम अली, विभागाध्यक्ष–वाणिज्य विभाग	सदस्य
प्रो0 चन्दना डे, विभागाध्यक्ष–शिक्षा शास्त्र विभाग	सदस्य
प्रो0 सौबान सईद, आचार्य–उर्दू विभाग	सदस्य
सुश्री प्रियांजलि, बी0एड0	सदस्य

राष्ट्रीय सेवा योजना

सदस्य का नाम	पद
डॉ0 नलिनी मिश्रा, सहायक आचार्य, शिक्षा शास्त्र विभाग	समन्वयक
डॉ0 पूनम चौधरी, सहायक आचार्य, इतिहास विभाग	कार्यक्रम अधिकारी
डॉ0 राम दास, सहायक आचार्य, शिक्षा शास्त्र विभाग	कार्यक्रम अधिकारी
डॉ0 ज़फ़रून नक़ी, सहायक आचार्य, उर्दू विभाग	कार्यक्रम अधिकारी
डॉ0 श्वेता अग्रवाल, सहायक आचार्य, शिक्षा शास्त्र विभाग	कार्यक्रम अधिकारी
डॉ0 अभय कृष्णा, सहायक आचार्य, बी0टेक0	कार्यक्रम अधिकारी

एन0आई0आर0एफ0 रैंकिंग

सदस्य का नाम	पद
डॉ0 ज़ैबुन निसा, सहायक आचार्य, वाणिज्य विभाग	नोडल अधिकारी
ओवर ऑल श्रेणी (Category : Overall)	
प्रो0 तनवीर ख़दीजा, आचार्य, अंग्रेजी विभाग	इंचार्ज
डॉ0 अशीष शाही, सहायक आचार्य, विधि अध्ययन संकाय	सदस्य
डॉ0 शुभम रस्तोगी, सहायक आचार्य, भेषजी संकाय	सदस्य
डॉ0 ज़ैनब इफ्तिख़ार, सहायक आचार्य, विधि अध्ययन संकाय	सदस्य
श्री यूसुफ़ अयाज़, आचार्य, अंग्रेजी विभाग	सदस्य
राज्य विश्वविद्यालय श्रेणी (Category : State University)	
डॉ0 मूसी रज़ा, सहायक आचार्य, उर्दू विभाग	इंचार्ज
डॉ0 सायमा अलीम, सहायक आचार्य, कम्प्यूटर विज्ञान अभियांत्रिकी	सदस्य
अभियांत्रिकी श्रेणी (Category : Engineering)	
डॉ0 सैय्यद असग़र रिज़वी, सहायक आचार्य, यांत्रिकी अभियांत्रिकी	इंचार्ज
ई0 कौशलेश कुमार शाह, सहायक आचार्य, सिविल अभियांत्रिकी	सदस्य
एस0डी0जी0 श्रेणी (Category : SDGs)	
डॉ0 नलिनी मिश्रा, शिक्षा शास्त्र विभाग	इंचार्ज
डॉ0 बुशरा अल्वेरा, शिक्षा शास्त्र विभाग	सदस्य
डॉ0 दीक्षा मिश्रा, विधि अध्ययन संकाय	सदस्य
डॉ0 अनामिका सिंह, व्यवसाय प्रशासन विभाग	सदस्य

रोवर्स एण्ड रेंजर्स

सदस्य का नाम	पद
डॉ0 उधम सिंह, सहायक आचार्य, अर्थ शास्त्र विभाग	नोडल अधिकारी
डॉ0 मानवेन्द्र, सहायक आचार्य, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय	रोवर्स
डॉ0 आस्था सिंह, सहायक आचार्य, समाज शास्त्र विभाग	रेंजर्स

सांस्कृतिक समिति

सदस्य का नाम	पद
डॉ0 नलिनी मिश्रा, शिक्षा शास्त्र विभाग	अध्यक्ष
डॉ0 बुशरा अल्वेरा, शिक्षा शास्त्र विभाग	सदस्य
डॉ0 मो0 शारिक़, शारीरिक शिक्षा विभाग	सदस्य
डॉ0 राम दास, शिक्षा शास्त्र विभाग	सदस्य
डॉ0 आफ़रीन फ़ातिमा, वाणिज्य विभाग	सदस्य
डॉ0 तान्या सागर, विधि अध्ययन संकाय	सदस्य
डॉ0 विभा सिंह, शिक्षा शास्त्र विभाग	सदस्य

क्यू0एस0 वर्ल्ड रैंकिंग

सदस्य का नाम	पद
डॉ0 दोआ नक़वी, सहायक आचार्य, व्यवसाय प्रशासन विभाग	नोडल अधिकारी
डॉ0 अताउर रहमान आज़मी, सहायक आचार्य, व्यवसाय प्रशासन विभाग	इंचार्ज
डॉ0 तसलीम जमाल, सहायक आचार्य, कम्प्यूटर विज्ञान अभियांत्रिकी	सदस्य
श्री एहतेशाम अहमद, सहायक आचार्य, भेषजी संकाय	सदस्य
सुश्री तान्या सागर, सहायक आचार्य, विधि अध्ययन संकाय	सदस्य
डॉ0 हिनादी अकबर, सहायक आचार्य, व्यवसाय प्रशासन विभाग	सदस्य

राष्ट्रीय कैडट कोर

सदस्य का नाम	पद
डॉ0 (ले0) बुशरा अलवेरा, सहायक आचार्य, शिक्षा शास्त्र विभाग	ए0एन0ओ0

ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल

सदस्य का नाम	पद
प्रो0 सैय्यद हैदर अली, विभागाध्यक्ष, व्यवसाय प्रशासन विभाग	अध्यक्ष
प्रो0 चन्दना डे, संकायाध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान संकाय	नामित संकायाध्यक्ष
डॉ0 सुमन कुमार मिश्रा, सह–आचार्य(संविदा), कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सदस्य

महिला अध्ययन केन्द्र

सदस्य का नाम	पद
डॉ0 नलिनी मिश्रा, सहायक आचार्य, शिक्षा शास्त्र विभाग	समन्वयक

छात्रवृत्ति समिति

सदस्य का नाम	पद
डॉ0 मोहम्मद अकमल, सहायक आचार्य, उर्दू विभाग	नोडल अधिकारी
डॉ0 राहुल कुमार मिश्रा, सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग	सदस्य, सामान्य वर्ग
डॉ0 अभय कृष्ण यादव, सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग	सदस्य, अ0पि0 वर्ग
डॉ0 मनीष कुमार, सहायक आचार्य, वाणिज्य विभाग	सदस्य, एस.सी./एस.टी. वर्ग
डॉ0 मूसी रज़ा, सहायक आचार्य, उर्दू विभाग	सदस्य, अल्पसंख्यक वर्ग

विश्वविद्यालय पृष्ठभूमि

सन् 2009 में जवाहर भवन के एक कक्ष से विश्वविद्यालय की शुरूआत प्रथम कुलपति डॉ0 अनीस अंसारी (सेवानिवृत्त–आई0ए0एस0) के नेतृत्व में की गयी। विश्वविद्यालय की स्थापना मूल रूप से 'उत्तर प्रदेश उर्दू, अरबी–फारसी विश्वविद्यालय' के नाम से 1 अक्टूबर 2009 को उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम –1973 के अन्तर्गत की गई थी, जिसे वर्ष 2012 में एक संशोधन द्वारा अजमेर के प्रसिद्ध सूफी संत ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती के नाम पर 'ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी–फ़ारसी विश्वविद्यालय' का नाम दिया गया। उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन की अधिसूचना द्वारा 12 मार्च, 2020 को विश्वविद्यालय का नाम 'ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय' कर दिया गया।

सीतापुर–हरदोई बाईपास रोड पर स्थित ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य भाषा, शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में उत्कृष्टता प्राप्त करना है, जो शिक्षार्थियों को समाज के उत्पादक, नैतिक, रचनात्मक और जिम्मेदार सदस्य बनने के लिए तैयार करता है।

कुल 16 विभाग में लगभग 400 विद्यार्थियों के साथ अगस्त 2013 में, विश्वविद्यालय ने उर्दू, अरबी, फ़ारसी, अंग्रेज़ी, हिंदी, भूगोल, इतिहास, अर्थशास्त्र, गृह विज्ञान, शारीरिक शिक्षा, राजनीति विज्ञान, शिक्षा, वाणिज्य, कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी, व्यवसाय प्रशासन, पत्रकारिता और जनसंचार का अध्ययन करने वाले छात्रों के साथ अपना पहला शैक्षणिक सत्र प्रारम्भ किया।

विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति के नये आयाम स्थापित कर रहा है। इसका आंकलन इस तथ्य से किया जा सकता है कि जहाँ 2013 में प्रथम सत्र की शुरुआत लगभग 400 विद्यार्थियों से हुई थी। विश्वविद्यालय ने नैक ग्रेडिंग में B++ श्रेणी प्राप्त करके शिक्षा के क्षेत्र में अपना विशिष्ट स्थान प्राप्त किया, जिसके फलस्वरूप आज 07 संकायों के साथ 31 विभागों में 2025–26 में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संख्या बढ़कर लगभग 5500 हो गई है, जिनमें 230 शोधार्थी भी सम्मिलित हैं। 53 शोधार्थियों को शोध उपाधि प्रदान की जा चुकी है एवं आगामी दीक्षान्त में 31 शोधार्थियों को शोध उपाधि प्रदान की जायेगी।

अपनी स्थापना के बाद से विश्वविद्यालय ने अपने दायरे में काफी विस्तार किया है। परम्परा और व्यवसायिकता के एक अनूठे संयोजन के साथ इस विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के निदेशानुसार स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रम, AICTE अनुमोदित B.Tech (सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिगं, बायोटेक्नोलॉजी, कम्प्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग–आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आरै मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डाटा साइंस एवं ऑटोमेशन एण्ड रोबोटिक्स), बार काउन्सिल ऑफ इण्डिया द्वारा अनुमोदित विधि अध्ययन संकाय के अन्तर्गत बी0ए0 एल0एल0बी0–05 वर्षीय एवं एल0एल0बी0–03 वर्षीय एवं फार्मेसी काउन्सिल ऑफ इण्डिया द्वारा अनुमोदित भेषजी संकाय के अन्तर्गत डी0फ़ार्मा एवं बी0फ़ार्मा की शुरूआत की गयी।

विश्वविद्यालय एक भाषा विश्वविद्यालय के रूप में अपनी पहचान स्थापित करने के लिए लगातार नए प्रयास कर रहा है। इस प्रकार, विश्वविद्यालय हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, अरबी और फ़ारसी में पाठ्यक्रम प्रदान करने के अलावा अन्य भारतीय और विदेशी भाषाओं में विशेष पाठ्यक्रम शुरू करने की प्रक्रिया में है ताकि छात्रों को उनके नियमित शैक्षणिक कार्यक्रमों के अलावा एक नई भाषा सीखने में मदद मिल सके। विश्वविद्यालय ने भाषा के इतिहास और संस्कृति से संबंधित पाठ्यक्रम प्रदान करने का भी निर्णय लिया है।

अध्ययन के साथ–साथ खेल और शारीरिक गतिविधियों के महत्व को देखते हुए, विश्वविद्यालय स्नातक स्तर पर शारीरिक शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम प्रदान करता है और विश्वविद्यालय परिसर में नियमित रूप से खल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। विश्वविद्यालय में इस वर्ष मेजर ध्यानचन्द स्पोर्टस् कॉम्प्लेक्स, हर्बल वाटिका, योग वाटिका, चंदन वाटिका, ग्रीन हाउस एवं ओपन जिम स्थापित किये गये हैं।

इसके साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट की सुविधा हेतु कैरियर मेडिकल कॉलेज के साथ एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित किया गया है।

इसके साथ ही भाषा विश्वविद्यालय द्वारा डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिये न केवल विद्यार्थियों काs SWAYAM एवं NPTEL से शिक्षा ग्रहण करायी जा रही है बल्कि यहाँ के शिक्षकों द्वारा e-PG Paathshala, SWAYAM एवं SWAYAM PRABHA जैसे राष्ट्रीय स्तर के डिजिटल प्लेटफार्म के लिये कोर्स विकसित किये गये हैं।

विश्वविद्यालय का तकनीकी विकास

विश्वविद्यालय डिजिटलीकरण की दिशा में लगातार प्रयास कर रहा है। यहां डिजीलॉकर की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें विद्यार्थियों के अंकपत्र और उपाधियाँ डी0जी0 लॉकर पर अपलाडे की गई हैं। परिसर में वाई–फाई की सुविधा भी मौजूद है। पठन–पाठन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए वर्चुअल क्लासरूम, लैंग्वेज लैब, ए0आई0 लैब, पाइथन लैब, थ्रीडी प्रिन्टिंग लैब, मीडिया स्टूडियो और स्मार्ट क्लासरूम की स्थापना की गई है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों एवं प्रक्रियाओं को स्वाचालित एवं सुव्यवस्थित करने हेतु समर्थ पोर्टल का पूर्ण रूप से क्रियान्वयन किया जा चुका है।

अवध इन्क्यूबेशन फाउण्डेशन

अवध इन्क्यूबेशन फाउण्डेशन, ए0आई0एफ0 की स्थापना मूल रूप से एक ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देती है जो बौद्धिक संपदा के माध्यम से रचनात्मकता और नवाचार को प्रोत्साहित करता है साथ ही उद्यमिता, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, कला और संस्कृति, पारंपरिक ज्ञान और जैव विविधता संसाधनों में प्रगति को बढ़ावा देता है। ए0आई0एफ0 नए और उभरते स्टार्ट–अप को कार्यालय सुविधा, विशेषज्ञ मार्गदर्शन, व्यावसायिक सलाह और अन्य सहायता सेवाएं प्रदान करता है। वर्तमान में ए0आई0एफ0 के अन्तर्गत 08 स्टार्ट–अप्स का रजिस्ट्रेशन कराया जा चुका है।

अबुल कलाम आज़ाद शैक्षणिक भवन

विश्वविद्यालय का शैक्षणिक भवन छात्रों की शैक्षणिक गतिविधियों के लिए एक प्रमुख केन्द्र है। इस भवन में छात्रों के लिए व्यवस्थित कक्षाएं, सेमिनार हॉल, अटल सभागार और संकाय कक्ष उपलब्ध हैं। इसके अलावा, इसमें मल्टीपरपज़ कॉन्फ्रेंस हॉल और विभिन्न भाषाओं तथा इंजीनियरिंग के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं भी स्थित हैं।

विश्वविद्यालय ने इस सत्र से मुख्यमंत्री अभ्युदय याजे ना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति/जनजाति एवं गरीब वर्ग के विद्यार्थियों हेतु अभ्युदय कोचिंग की स्थापना की जा चुकी है।

राम प्रसाद बिस्मिल पुस्तकालय

विश्वविद्यालय का पुस्तकालय छात्रों, शिक्षकों और आगंतुकों के लिए एक आदर्श अध्ययन वातावरण प्रदान करता है। पुस्तकालय में उर्दू, अरबी–फारसी, फ्रेंच और कई अन्य भाषाओं में वैज्ञानिक, तकनीकी और कई अन्य क्षेत्रों से संबंधित साहित्य का एक व्यापक संग्रह है। पत्रिकाओं सहित पुस्तकों की कुल संख्या 28123 है। इसके अलावा, पुस्तकालय विभिन्न प्रकार के प्रकाशनों और पत्रिकाओं की सदस्यता रखता है, जिससे छात्रों को अध्ययन के अपने–अपने क्षेत्रों में नवीनतम विकास के बारे में जानकारी मिलती है। पुस्तकालय 71,692,382 लेखों, 58,817 पत्रिकाओं और लगभग 15,000 प्रकाशनों सहित संसाधनों के विशाल सग्ं ह तक पहुचं प्रदान करते हुए जे–गेट सदस्यता प्रदान करता है। विश्वविद्यालय में लाइब्रेरी ऑटोमेषन के अन्तर्गत आर0एफ0आई0डी0 की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही विद्यार्थियों की सुविधा हेतु एक अतिरिक्त रीडिंग रूम, E-Library एवं INFLIBNET की व्यवस्था भी की गयी है। पुस्तकालय में उर्दू, अरबी एवं फ़ारसी की 60 दुर्लभ पुस्तकों (Rare Books) के लिये एक अलग सेक्शन बनाया गया है।

छात्र सुविधा केन्द्र

छात्र सुविधा केन्द्र में कई छात्र सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिनमें एक कैंटीन, एक प्रिंट आरै फोटोकॉपी की दुकान और एक स्टेशनरी की दुकान, आर्ट गैलेरी, डिस्पेंसरी एवं म्यूज़िएम शामिल हैं। विश्वविद्यालय की छात्राओं को मनोरंजन के संसाधन प्रदान करने के लिए, इस भवन में इनडोर खेलों का हॉल भी शामिल है। छात्र सुविधा केन्द्र के प्रथम तल पर आई0के0एस0 एवं अवधी शोधपीठ की स्थापना की गयी है।

गणेश शंकर विद्यार्थी अध्ययन केन्द्र

गणेश शंकर विद्यार्थी अध्ययन केन्द्र की स्थापना रूसा के अनुदान से की गयी है। यह अध्ययन केन्द्र विद्यार्थियों को अपने विकास हेतु उचित वातावरण प्रदान करता है। यह भाषा अध्ययन एवं उच्च स्तरीय शोध को बढ़ावा देने का कार्य करता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सिद्धांत के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने एवं समाज के अंतिम पायदान के व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाने हेतु विश्वविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ की भी स्थापना इसी अध्ययन केंद्रे के परिसर में की गई है। इसी क्रम में इस भवन में सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस योजना के अन्तर्गत सेन्टर फॉर ओडियो विज्यूएल एक्सीलेंस की स्थापना की गयी है। यह केन्द्र उत्तर प्रदेश के लोक नृत्य एवं लोक गीतों के सृजन का कार्य कर रहा है, जो उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वित्तपोषित है।

मीडिया स्टूडियो

विश्वविद्यालय में स्थापित मीडिया स्टूडियो विद्यार्थियों के लिए एक प्रमुख आकर्षण है। इस स्टूडियो के ज़रिए शिक्षकों के लेक्चर रिकॉर्ड कर विश्वविद्यालय के यूट्यूब चैनल/पोर्टल पर विद्यार्थियों तक पहुंचाए जाते हैं। यह स्टूडियो पत्रकारिता और जनसंचार विभाग में पंजीकृत छात्रों को मीडिया के क्षेत्र में उच्च स्तरीय प्रशिक्षण भी प्रदान कर रहा है। स्टूडियो में हाई डेफिनिशन इनडोर–आउटडोर कैमरे, टेलीप्रॉम्पटर, इंटरएक्टिव स्क्रीन और एडिटिंग सिस्टम उपलब्ध है। इसके अलावा, स्टूडियो में विद्यार्थियों के लिए वीडियो शूटिंग, ऑडियो रिकॉर्डिंग और एडिटिंग से सबंधित विभिन्न कार्यशालाएं नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं।

मूट कोर्ट

विश्वविद्यालय के विधि अध्ययन संकाय के अंतर्गत शैक्षणिक भवन में मूट कोर्ट स्थापित किया गया है, जिसका लोकार्पण हिमाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल द्वारा किया गया। मूट कोर्ट एक काल्पनिक न्यायालय के रूप में जाना जाता है। इस मूट कोर्ट में विद्यार्थियों के लिये प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं, जो उनकी कानूनी कौशल, अनुसंधान क्षमताओं और संवाद कौशल को विकसित करने में मदद करती हैं।

चन्द्र शेखर आज़ाद व्यायामशाला

चंद्रशेखर आजाद व्यायमशाला समग्र छात्र विकास के लिए ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का एक अभिन्न अंग है। यह व्यायामशाला शारीरिक स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपने आधुनिक बुनियादी ढांचे और उपकरणों की व्यापक श्रृंखला के साथ व्यायामशाला छात्रों और शिक्षकों को उनके स्वास्थ्य और फिटनेस लक्ष्यों को प्राथमिकता देने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करती है।

अशफ़ाक़ उल्ला ख़ाँ अतिथि गृह

विश्वविद्यालय में आयोजित सेमिनार, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं में भाग लेने वाले सम्मानित आगंतुकों के ठहरने के लिए परिसर में एक आधुनिक सुविधाओं से युक्त अतिथि गृह की स्थापना की गई है। यहां विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने वाले देश–विदेश से आए अतिथियों के रहने के लिए अच्छी व्यवस्था की गई है। विश्वविद्यालय द्वारा इस वर्ष 02 वी0आई0पी0 कक्ष भी अतिथि गृह में स्थापित किये गये हैं।

रानी लक्ष्मी बाई महिला छात्रावास एवं नेता जी सुभाषचन्द्र बोस पुरुष छात्रावास

विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए मेस सहित अलग–अलग छात्रावासों की व्यवस्था है, जहाँ विभिन्न शहरों से आए विद्यार्थी साथ रहकर अकादमिक श्रेष्ठता, नैतिक मूल्यों, संस्कारों और राष्ट्रीय एकता की भावना को प्रबल बनाने का निरंतर प्रयास करते हैं।

परिसर में प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधायें

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय अपने छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय परिसर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उपलब्ध है, जहाँ आवश्यक दवाइयाँ और उपकरण मौजूद रहते हैं तथा प्रतिदिन सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्राथमिक चिकित्सा और परामर्श सेवाएँ दी जाती हैं। गंभीर मामलों के लिए विश्वविद्यालय ने हिंद इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, अटरिया तथा करियर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकलध्डेंटल साइंसेज एवं हॉस्पिटल से एमओयू किए हैं। आपातकाल की स्थिति में त्वरित चिकित्सा सहायता हेतु 24×7 एम्बुलेंस सुविधा भी उपलब्ध है। इन सुविधाओं के माध्यम से विश्वविद्यालय सुरक्षित व सहयोगी वातावरण प्रदान करने का प्रयास करता है।

डे केयर सेंटर

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय शिक्षण एवं गैर–शिक्षण कर्मचारियों के 18 माह से 3 वर्ष तक के बच्चों के लिए डे केयर सेंटर उपलब्ध कराता है। यहाँ बच्चों के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, संज्ञानात्मक और भावनात्मक विकास हेतु सुरक्षित व सहयोगी वातावरण प्रदान किया जाता है। प्रशिक्षित कर्मचारी बच्चों की आयु अनुसार देखभाल व गतिविधियाँ सुनिश्चित करते हैं, जिससे अभिभावक अपने पेशेवर और पारिवारिक दायित्वों में संतुलन बना सकें।

ग्रीन हाउस

विश्वविद्यालय परिसर में ग्रीन हाउस की सुविधा उपलब्ध है, जो पौध विज्ञान और सतत कृषि में व्यावहारिक अध्ययन एवं शोध को प्रोत्साहित करती है। यहाँ छात्रों और शिक्षकों को विभिन्न पौधों की प्रजातियों के अध्ययन तथा नई खेती तकनीकों पर प्रयोग करने का अवसर मिलता है। यह केंद्र पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने और हरित प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने में सहायक है। ग्रीन हाउस अंत:विषयक परियोजनाओं का समर्थन करता है और जैव विविधता को प्रोत्साहित करता है। यह केएमसीएलयू की सतत विकास और शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

संग्रहालय

संग्रहालय का मुख्य उद्देश्य ऐतिहासिक वस्तुओं और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करना तथा ज्ञान और शिक्षा को बढ़ावा देना है। यह शोध को प्रोत्साहित करता है और प्राचीन सिक्कों, पांडुलिपियों, मूर्तियों, हथियारों और चित्रों जैसी विविध वस्तुओं के माध्यम से मानव इतिहास के अध्ययन को आसान बनाता है। संग्रहालय में साँची, सारनाथ, बृहदेश्वर, कोणार्क जैसे प्रसिद्ध स्मारकों की झलकियाँ तथा अजंता और एलोरा की प्राचीन गुफा चित्रकला प्रदर्शित की जाती है। साथ ही यह महान ऐतिहासिक व्यक्तित्वों के चित्र और प्रसिद्ध इतिहासकारों की जानकारी प्रस्तुत कर छात्रों को प्रेरित करता है। इन धरोहरों को सुरक्षित और प्रदर्शित करके संग्रहालय हमारी समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परंपरा के प्रति गहरी सराहना विकसित करता है।

वर्षा जल संचयन

विश्वविद्यालय सतत जल प्रबंधन के लिए परिसर में वर्षा जल संचयन प्रणाली लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। कई इकाइयाँ स्थापित की गई हैं जो वर्षा जल एकत्रित कर उसे छानकर भूजल रिचार्ज और अन्य आवश्यकताओं में उपयोग करती हैं। साथ ही समर्पित जल आपूर्ति ग्रिड और नियमित रखरखाव से जल संरक्षण सुनिश्चित किया जाता है। ये प्रयास समुदाय में पर्यावरणीय जिम्मेदारी और जल संरक्षण की भावना को बढ़ावा देते हैं।

भारतीय ज्ञान प्रणाली कार्यालय

विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) का कार्यालय स्थापित है, जो शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है। यह कार्यालय भारत की समृद्ध पारंपरिक ज्ञान धरोहर के संरक्षण, संवर्धन और प्रसार के लिए समर्पित है तथा कला, साहित्य, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और कृषि जैसे विविध क्षेत्रों में अंत:विषयक शोध एवं शैक्षणिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करता है।

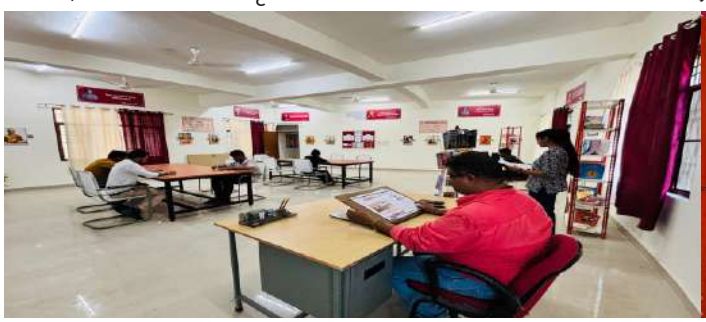

कैंटीन

कैंपस स्थित कैंटीन स्वच्छ और पौष्टिक भोजन विकल्प उचित मूल्य पर उपलब्ध कराती है। यह छात्रों और स्टाफ के लिए एक आरामदायक एवं स्वागतपूर्ण वातावरण प्रदान करती है, जहाँ वे विश्राम कर सकते हैं, अनौपचारिक चर्चाओं में शामिल हो सकते हैं और सामाजिक संवाद को बढ़ावा दे सकते हैं, जिससे परिसर जीवन में सकारात्मक योगदान होता है।

बैंक विस्तार केन्द्र

सुविधा बढ़ाने के लिए छात्र सुविधा केंद्र में आईसीआईसीआई बैंक की एक शाखा स्थापित की गई है। इस सुविधा से छात्र और विश्वविद्यालय कर्मचारी परिसर के अंदर ही आवश्यक बैंकिंग सेवाएँ जैसे खाता संचालन और वित्तीय लेन–देन आसानी से कर सकते हैं, जिससे उनके वित्तीय कार्य सरल हो जाते हैं।

कला दीर्घा

केंद्र में स्थित कला दीर्घा छात्रों, शिक्षकों और आगंतुक कलाकारों की रचनात्मक कृतियों को प्रदर्शित करने का विशेष स्थान है। यहाँ नियमित रूप से प्रदर्शनी, कार्यशालाएँ और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे विश्वविद्यालय समुदाय में कला अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक सराहना को बढ़ावा मिलता है।

ओपन जिमनैजियम

विश्वविद्यालय ने स्वास्थ्य और फिटनेस को प्रोत्साहित करने हेतु आधुनिक ओपन जिमनैजियम स्थापित किया है। इसमें ट्रेडमिल, साइकिल, डम्बल व मल्टी–जिम जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। योग व स्ट्रेचिंग के लिए अलग क्षेत्र भी बनाया गया है। यह जिमनैजियम छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों सभी के लिए सुलभ है। यह तनाव–निवारण, स्वस्थ जीवनशैली और सामूहिक सहयोग को बढ़ावा देता है।

भविष्य की कार्ययोजनाएं

1– विज्ञान संकाय में जन्तु विज्ञान, सूक्ष्मजैविकी एवं जैव–प्रौद्योगिकी में परास्नातक पाठ्यक्रम का प्रारम्भ करना।
2– कम्पैक्ट साइबर शील्ड, अहमदाबाद के सहयोग से विश्वविद्यालय में बी.टेक. (कम्प्यूटर साइंस एडं इंजीनियरिंग) के अन्तर्गत साइबर सिक्योरिटी पाठ्यक्रम का प्रारम्भ करना।
3– अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय के अन्तर्गत जैव–प्रौद्योगिकी एवं सिविल इंजीनियरिंग में एम0टेक0 पाठ्यक्रम का प्रारम्भ करना।
4– भेषजी संकाय के अन्तर्गत एम0फार्म पाठ्यक्रम की शुरूआत करना।
5– भाषाविज्ञान विभाग की स्थापना।
6– हिन्दू अध्ययन विभाग के अन्तर्गत संस्कृत तथा भारतीय ज्ञान प्रणाली (आई.के.एस.) केन्द्र में स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रम का प्रारम्भ करना।
7– विज्ञान संकाय एवं भेषजी संकाय के विभागां में रिसर्च एवं इनोवशन को बढ़ावा देने हेतु लाइफ़ ऐक्टिवस प्रा. लि., हैदराबाद के सहयोग से अकादमिक सहभागिता।
8– रामपुर रज़ा पुस्तकालय के साथ समझौता ज्ञापन कर अकादमिक सहयोग।
9– शिक्षा में स्नातकोत्तर (एम.एड.) को प्रारम्भ करना।
10– बी.पी.एड. (शारीरिक शिक्षा में स्नातक) को प्रारम्भ करना।
11– बी.कॉम. (रिटेल मार्केटिगं में एम्बेडेड प्रोग्राम) को प्रारम्भ करना।
12– संचालित पाठ्यक्रमों में नये षिक्षकों की नियुक्ति।
13– स्वदेशी फ़ाउंडेशन के सहयोग से कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में आई.ओ.टी. प्रयोगशाला।
14– विश्वविद्यालय में इनोवेशन एवं इंक्यूबेशन ई–को सिस्टम एवं कल्चर को प्रोत्साहित करना।

विश्वविद्यालय की उपलब्धियाँ

1. सत्र 2025–26 में अब तक सर्वाधिक छात्र छात्राओं ने प्रवेश लिया है जो पिछले सत्र की तुलना में 750 अधिक है। विश्वविद्यालय में भारत के 21 राज्यों एवं 6 धर्मों को मानने वाले विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इस प्रकार से यह परिसर भारत की **Unity in Diversity** को प्रस्तुत करता है। शिक्षा में **''सबका विकास''** का विज़न रखते हुए विश्वविद्यालय में अनुसूचित जनजाति समेत 36% OBC, 13% SC, 46%Minority वर्ग के विद्यार्थी पढ़ रहे हैं, जिनमें कुल मिलाकर 35: बालिकाएँ हैं। छात्राओं का प्रतिशत बढ़ाने के लिए हम लगातार कोशिश कर रहे हैं।

2. विश्वविद्यालय में M.A. Political Science, B.Com Travel and Tourism के नये कोर्स शुरू करने के साथ–साथ भारतीय ज्ञान परंपरा पर शोध करने वाले अध्यापकों एवं विद्यार्थियों को 20 हजार रुपए की सलाना प्रोत्साहन राशि, प्रत्येक विभाग द्वारा हर सत्र में कम से कम एक सेमिनार किए जाने व वार्षिक वर्क प्लान का कलैण्डर जारी करने के नियम को लागू करवाया जा रहा है। इस वर्ष पीएच.डी. की 100 सीटों पर प्रवेश की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है तथा पहले से शोध कर रहे 57 शोधार्थियों ने कोर्स वर्क की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। समाज कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, गरीब एवं कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए **मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना** द्वारा प्रतियोगिक परीक्षा हेतु निःशुल्क कोचिंग प्रारम्भ की गयी है तथा **सत्र 2024–25 में कुल 2736 (94.44%)** विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी गयी है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय में कैम्पस प्लेसमेन्ट द्वारा 308 विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतिष्ठित कम्पनियों में Service प्राप्त हुई हैं एवं विद्यार्थियों के चयन प्रक्रिया लगातार चल रही है।

3. विश्वविद्यालय में **SAMARTH ERP** के सभी MODULES पहले से ही चल रहे हैं एवं यह गर्व का विशय है कि उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों में यह अग्रणी भूमिका भी निभा रहा है। Commissioner of Collegiate Education, Government of Andhra Pradesh, SAMARTH के लिए प्रशिक्षण ले चुका है एवं U.P. University of Medical Science, Etawah द्वारा SAMARTH के कियान्वयन हेतु इस विश्वविद्यालय को आदर्श मानते हुए सहायता की अपेक्षा की गयी है।

4. भाषा विश्वविद्यालय द्वारा डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिये न केवल विद्यार्थियों को SWAYAM एवं NPTEL से शिक्षा ग्रहण करायी जा रही है बल्कि यहाँ के शिक्षकों द्वारा e-PG Paathshala, SWAYAM एवं SWAYAM PRABHA जैसे राष्ट्रीय स्तर के डिजिटल प्लेटफार्म के लिये कोर्स विकसित किये गये हैं।

5. शैक्षणिक विकास की दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा Innovation and Incubation Centre के तहत 09 Startup पंजीकृत किये गये हैं। विधि संकाय को BCI से, फार्मेसी विभाग को PCI से, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी विभाग को AICTE से मान्यता प्राप्त होने के साथ–साथ, इसी विभाग में AI LAB, Python LAB शुरू कर दी गयी है। अवधी भाषा व साहित्य के विकास हेतु अवधी शोध पीठ, भारतीय ज्ञान परंपरा अध्ययन केंद्र, इतिहास विभाग में संग्रहालय एवं कला दीर्घा (Art Gallery) स्थापित की गयी हैं।

6. पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी ने भाषा को संवाद के साथ–साथ व्यक्ति की पहचान का माध्यम माना था। चूंकि यह भाषा विश्वविद्यालय है। इसलिए उनके द्वारा कहे गये **''स्व भाषा''** से **''सुभाषा''** के लक्ष्य को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय में अलग–अलग भाषाओं की लैब बनाई गयी हैं, जिनमें संस्कृत और हिन्दी भाषा की भाषा लैब (Language Labs) बहुत ही जल्द शुरू कर दी जाएंगी।

7. विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों तथा संस्थानाओं के साथ कुल 60 MoU हस्ताक्षरित हुए हैं। इनमें नेपाल की Nobel Academy, Pokhra एवं Bhutan की N.R. Royal University से हुए International व Gandhinagar, Gujarat के INFLIBNET से हुए Library Automation, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री युवा मिशन और Career Medical College के साथ विद्यार्थियों हेतु अंतर्राष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट स्टेडियम उपलब्ध करवाने, स्वदेशी NGO के साथ छात्रों के शोध, नवाचार एवं उद्योग के लिए सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस हेतु समझौता ज्ञापन हुए हैं। स्वदेशी NGO ने महिला छात्रावास हेतु 50 बेड भी दान किये हैं। विधि अध्ययन संकाय में मूट कोर्ट का उद्घाटन हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल माननीय श्री शिव प्रताप शुक्ला द्वारा किया गया तथा इस अवसर पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन हुआ।

8. जैसा कि माननीया कुलाधिपति महोदया का मानना है, ''सृजन का कोई भी काम हो उसमें युवाओं से रचनात्मक और नई कोशिशें की अपेक्षा की जाती है। जब देश के युवा आगे बढ़ते हैं, तो वह सिर्फ अपना ही भाग्य नहीं बनाते बल्कि देश का भी भाग्य बनाते हैं।'' इसी आदर्श को मानते हुए यहाँ छात्र–छात्राओं ने विभिन्न क्षेत्रों में सहभागिता की हैं, राज भवन में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जयंती पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता सहित नुक्कड़ नाटक, QUIZ, Debate, मिशन शक्ति के अंतर्गत Women Centric विषयों पर विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता की गई है।

9. विश्वविद्यालय के शिक्षकों को 05 सेंटर ऑफ़ एक्सिलेंस प्रोजेक्ट एवं 09 रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के लिए कुल रू0 36,04,700/– की धनराशि प्राप्त हुई है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में सम्मान अर्जित किए गए हैं। जिनमें प्रो. फख़रे आलम को International Award of Excellence in Poetry and Criticism in Urdu Languages, प्रो0 मसऊद आलम को डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन राष्ट्रीय

शिक्षक सम्मान, डॉ0 नीरज शुक्ला को पृथ्वी सम्मान, डॉ0 लक्ष्मण सिंह को उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार, डॉ0 सुमन कुमार मिश्र को शिक्षक सम्मान पत्र आदि प्राप्त हुए हैं। स्ववित्तपोषित योजना के तहत चल रहे भेषजी, विधि, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग में संविदा के आधार पर 01 निदेशक, 05 सह–आचार्य एवं 26 सहायक आचार्यों की नियुक्ति की गयी है।

10. परिसर को ई–को फ्रेंडली बनाने और प्रदूषण रहित करने के लिए हम लोग सोलर एनर्जी पर अपनी निर्भरता बढ़ा रहे हैं। इस समय 300 KVA के सोलन पैनल परिसर में लगा हुआ है। पिछले तीन साल में लगभग 70 लाख रूपये की बचत की गयी है। छात्रों में पेड़ पौधों की जानकारी बढ़ाने के लिए प्रत्येक वृक्ष पर QR कोड, योग वाटिका, हर्बल वाटिका, ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान में चंदन वाटिका, ग्रीन हाउस की स्थापना की गयी है।

11. विश्वविद्यालय में संस्थागत विकास की दृष्टि से पार्किंग का विस्तार, Open Gym, Selfie Point, Pharmacy Block, Library Automation and RFID तथा Extra Reading Room, Guest House में VIP Room की स्थापना की गयी है। परिसर में Dispensary व 24 घंटे एंबुलेंस की सुविधा के साथ–साथ पहली बार विकास कार्यों के लिए 50 लाख रूपये के Corpus Fund का प्राविधान किया गया है। टेनिस कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, पार्किंग, Microbiology Lab, Biotechnology Lab and Zoology Lab, दिव्यांगजन की सुगमता के लिए 06 रैम्प, 01 लिफ्ट, 04 शौचालय शिलान्यास भी किया जाना है। विकास के आगामी प्रयासों में Computer Science and Information Technology विभाग हेतु चार मंजिला इमारत, परिसर में खेल मैदान का विस्तार, विश्वविद्यालय आने की सड़क के चौड़ीकरण का प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है।

12. योग दिवस पर छात्र–छात्राओं, शिक्षकों और आंगनबाड़ी केंद्रों पर विभिन्न कार्यक्रमों सहित एक साथ सूर्य नमस्कार, ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। लोक ज्ञान के विकास हेतु साइकिल यात्रा सहित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दहेज मुक्त एवं नशा मुक्त भारत के लिए प्रतिज्ञा करवाई गई। पढ़े विश्वविद्यालय–बड़े विश्वविद्यालय अभियान, संविधान दिवस व लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 148वीं जयंती पर विभिन्न उत्सव आयोजित किये गये।

13. नैतिक मूल्यों के विकास के लिए सामाजिक सेवा के विशेष प्रयास विश्वविद्यालय द्वारा लगातार जारी है। राजभवन से Cervical Cancer से बचाव एवं जागरूकता हेतु टीकाकरण की प्रेरणा प्राप्त कर विश्वविद्यालय द्वारा भी 36 बालिकाओं का HBV Vaccination कराया गया है। इसी क्रम में आंगनबाड़ी किट वितरण किए जाने का संकल्प, विश्वविद्यालय द्वारा 5 गांवों को गोद लेकर उनमें परंपरागत खेल, कविता, निबंध लेखन, चित्रकला, देशभक्ति गीत, लोक नृत्य, भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन, महिला सम्मेलन व शैक्षिक विषयों पर संगोष्ठियों का आयोजन, आंगनबाड़ी केन्द्रों पर सफाई अभियान एवं कपड़ा एवं साड़ी बैंक की स्थापना कर ''बापू बाजार में वस्त्रों का वितरण'' किया गया है। आपको अवगत कराना है कि विश्वविद्यालय में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत मातृ सम्मेलन, आंगनबाड़ी केंद्रों, कस्तूरबा गांधी विद्यालय, कारागार, वृद्धाश्रम व अनाथालय का भ्रमण, वृक्षारोपण तथा प्रदर्शनियों का आयोजन हुआ। इसी क्रम में आस–पास के गांवों के बच्चों द्वारा हस्तलिखित कहानी एवं भाषण तथा चित्रकला की पुस्तक तैयार कर ली गयी है।

14. ''शिक्षा और खास तौर से उच्च शिक्षा, समाज में परिवर्तन लाने का महत्वपूर्ण घटक रहा है।'' उसे मानते हुए हम सब शिक्षण में निरन्तर अलग–अलग तरह की गतिविधियों को समाज के विविध क्षेत्रों में करते हैं। इससे विश्वविद्यालय की छवि और बेहतर हो रही है तथा छात्रों के बीच इस विश्वविद्यालय का आकर्षण भी बढ़ रहा है। इस समय Facebook, Youtube, Instagram पर विश्वविद्यालय के 8000 से अधिक Followers हैं। हर रोज विश्वविद्यालय की गतिविधियों और उपलब्धियों की खबरें हिन्दी, अंग्रेजी और उर्दू भाषा के प्रतिष्ठित समाचार–पत्रों में प्रकाशित होती हैं।

15. अच्छे भविष्य के लिए ठोस योजनाओं का होना आवश्यक है। इसके लिए विश्वविद्यालय के समग्र विकास हेतु भविष्य की कार्य योजना बनाई गई हैं। इनमें Zoology, Microbiology एवं Biotechnology में P.G. Course, Combat Cyber Shield Pvt. Ltd. Ahmedabad की सहयोग से बी0टेक0 कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग में Cyber Security, बायोटेक्नोलॉजी एण्ड सिविल इंजीनियरिंग में एम0टेक0, फॉर्मेसी विभाग में एम0 फार्मा, बी0पी0एड0, एम0एड0, बी0कॉम रिटेल मॉर्केटिंग में एमबेडेड प्रोग्राम, हिन्दु अध्ययन विभाग में संस्कृत तथा इंडियन नॉलेज सिस्टम सेन्टर में ग्रेजुऐशन एवं पी0जी0 शुरू करने की योजना है। स्वदेशी फाउण्डेशन के सहयोग से कम्प्यूटर सांइस एण्ड इंजीनियरिंग विभाग में धनराशि रू014.73 लाख की वित्तीय सहायता से IOT प्रयोगशाला, संचालित पाठ्यक्रमों में नये शिक्षकों की नियुक्ति साइंस एण्ड फार्मेसी विभाग में रिसर्च एवं इनोवेशन को बढ़ावा देने हेतु लाइफ एक्टिवस प्राइवेट लि0 हैदराबाद से एकेडमिक सहभागिता, रामपुर राजा लाइब्रेरी से एकेडमिक क्वापोरेशन हेतु एम0ओ0यू0 के साथ–साथ एनोवेशन एवं इक्यूबेशन ई–को सिस्टम एवं कल्चर को प्रोत्साहित करना शामिल है।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) के निरीक्षण की झलकियाँ

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) के निरीक्षण की झलकियाँ

नैक प्रत्यायन

माननीय कुलाधिपति, श्रीमती आनंदीबेन पटेल, एवं माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में ख्वाजा मुईनद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय ने वर्ष 2024–25 में NAAC प्रत्यायन (Accreditation) हेतु आवेदन किया। यह विश्वविद्यालय के लिए प्रथम चक्र का प्रत्यायन था, जिसमें संस्था की शैक्षणिक, अनुसंधान एवं प्रशासनिक उपलब्धियों को प्रमाणिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर मिला।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) ने विश्वविद्यालय में NAAC टीम के भ्रमण के दौरान समन्वयक की भूमिका निभाई। IQAC का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, अनुसंधान एवं प्रशासनिक गुणवत्ता को प्रमाणित साक्ष्यों सहित प्रस्तुत करना था।

भ्रमण से पूर्व IQAC ने स्व–अध्ययन रिपोर्ट (SSR) एवं आवश्यक दस्तावेजों को तैयार कर डिजिटल एवं भौतिक संग्रहालय में संग्रहीत किया। संकाय, कर्मचारी, छात्र एवं पूर्व छात्रों को अभिमुखीकरण (orientation) दिया गया। विश्वविद्यालय की आधारभूत सुविधाओं, भाषा प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय एवं ई–संसाधनों को प्रदर्शित करने हेतु विशेष तैयारी की गई। NAAC पीयर टीम भ्रमण की बेहतर तैयारी एवं प्रस्तुति के लिए विश्वविद्यालय को नियमित रूप से राजभवन से मार्गदर्शन एवं परामर्श प्राप्त होता रहा।

भ्रमण के दौरान IQAC ने सातों मानदंडों पर संक्षिप्त प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें पाठ्यचर्या, अध्यापन–सीखने की प्रक्रिया, अनुसंधान, विद्यार्थी प्रगति, शासन–प्रशासन एवं श्रेष्ठ प्रथाओं को प्रमाणित साक्ष्यों सहित दिखाया गया। टीम ने छात्रों, संकाय, पूर्व छात्रों एवं नियोक्ताओं से भेंट की।

NAAC टीम ने SSR की स्पष्टता, सुव्यवस्थित दस्तावेज़ीकरण एवं विद्यार्थियों की सक्रियता की सराहना की। सुधार हेतु शोध वित्तीय प्रबंधन, उद्योग–संस्थान सहयोग और विस्तार गतिविधियों के प्रभाव मूल्यांकन पर बल दिया।

IQAC ने तत्परता से अतिरिक्त दस्तावेज उपलब्ध कराए और सुझावों के आधार पर कार्ययोजना तैयार की। इस भ्रमण ने विश्वविद्यालय की गुणवत्ता संस्कृति को सुदृढ़ किया और निरंतर सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाने का मार्ग प्रशस्त किया।

माननीय कुलाधिपति महोदया द्वारा भाषा विश्वविद्यालय को B++ ग्रेडिंग प्राप्त पर नैक टीम को सम्मानित करने की झलकियाँ

कला एवं मानविकी संकाय

अंग्रेजी तथा आधुनिक यूरोपीय एवं एशियाई भाषा विभाग

सन् 2013 में स्थापित, अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय और एशियाई भाषाओं का विभाग विभिन्न स्तरों पर कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों की विविध श्रृंखला प्रदान करता है, ताकि छात्र अंग्रेजी तथा फ्रांसीसी में साहित्यिक और भाषाई अध्ययन के विभिन्न पहलुओं का अन्वेषण कर सकें। छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रेरित करने और प्रोत्साहित करने के लिए विभाग 'लिटरेरी लेन' नामक एक ऑनलाइन साहित्यिक पत्रिका भी प्रकाशित करता है (https://kmclu.ac.in/literary-lane/)। शैक्षणिक कक्षाओं से परे, छात्र राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित सेमिनारों, सम्मेलनों, नाट्य तथा भाषा कार्यशालाओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों से समृद्ध एक जीवंत शैक्षणिक वातावरण का लाभ उठाते हैं। उपकरणों से सुसज्जित भाषा प्रयोगशालाएं अंतःक्रियात्मक अधिगम को बढ़ावा देती हैं, जिससे छात्रों को समग्र शिक्षा सुनिश्चित होती है।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- यू.जी. (इंग्लिश, फ्रेंच),
- पी.जी. (इंग्लिश),
- पीएच.डी. (इंग्लिश),
- सर्टिफिकेट ऑफ प्रोफिशिएंसी इन फ्रेंच

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

Name	Position	Qualification	Specialisation	Experience
Prof. Tanveer Khadija	Professor and Head	Ph.D., M.Phil.	Scientific Romances	38 years
Dr. Haroon Rasheed	Assistant Professor	Ph.D., M.Phil.	Diaspora Studies	15 years
Dr. Shipra Singh	Assistant Professor	Ph.D.	Canadian Feminism	4 years
Ms. Sadaf Fatima	Assistant Professor	UGC NET	Archetypal Criticism	5 years
Ms. Shikha Singh	Assistant Professor	UGC NET	Environmental Humanities	4 years
Mr. Yusuf Ayaz	Assistant Professor	UGC NET	Literary Theory and Medical Humanities	1 year

विगत दीक्षांत समारोह के पश्चात प्राप्त उपलब्धियाँ (शिक्षकवार) –

Faculty	Papers Published	Presentations/Lectures
Prof. Tanveer Khadija	2	3 (Invited Lectures)
Dr. Haroon Rasheed	-	-
Dr. Shipra Singh	-	1 (Paper Presentation)
Ms. Sadaf Fatima	2	2 (Paper Presentation)
Ms. Shikha Singh	2	5 (Paper Presentation)
Mr. Yusuf Ayaz	1	1 (Paper Presentation)

विभागीय गतिविधियाँ –

अंग्रेजी तथा आधुनिक यूरोपीय एवं एशियाई भाषा विभाग में नैक विज़िट।

छात्रों ने 'पढ़े लखनऊ, बढ़े लखनऊ' अभियान को बढ़ावा देने के लिए पठन सत्र में भाग लिया।

अंग्रेज़ी एवं एम.ई.ए.एल. विभाग ने ''साहित्य समाज का दर्पण है'' विषय पर एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया।

विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम के रोमांचक उत्सव की एक छोटी–सी झलक।

''वर्ल्ड यूरोपियन डे'' के विभागीय उत्सव की एक छोटी–सी झलक।

अंग्रेजी तथा आधुनिक यूरोपीय एवं एशियाई भाषा विभाग में दिनांक 26 सितम्बर 2025 को यूरोपियन डे मनाया गया।

अरबी विभाग

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ का अरबी विभाग विश्वविद्यालय की स्थापना के समय से ही विश्वविद्यालय के एक घटक के रूप में स्थापित और संचालित किया गया था। इसका उद्देश्य शास्त्रीय साहित्य की भाशा और एक गतिशील आधुनिक भाषा, दोनों के रूप में अरबी का एक जीवंत केन्द्र बनना है। यह विभाग भारत की शैक्षणिक विरासत पर केंद्रित है और अरब जगत के साथ संबंधों को मजबूत करता है। यह बाजार की माँगों को पूरा करने के लिए छात्रों के प्रभावी और कुशल प्रशिक्षण पर जोर देता है।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- बी.ए. (एन.ई.पी. 2020)
- एम.ए. (एन.ई.पी. 2020)
- पी.एच.डी
- वैल्यू एडेड कोर्स
- यू.जी. एलिमेंट्री फॉर ऑल
- डिप्लोमा

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
प्रो० मसऊद आलम	प्रोफेसर / विभागाध्यक्ष	बी.एड, एम.ए., नेट, एम0फिल0, पीएच.डी.	–	13 वर्ष
डॉ० अब्दुल हफीज़	असिस्टेंट प्रोफेसर	बी.एड, एम.ए.(अरबी), एम.ए.(अंग्रेजी), पीएच.डी.	–	13 वर्ष
डॉ० आयशा शहनाज़ फातिमा	असिस्टेंट प्रोफेसर	बी.एड, एम.ए., नेट, एम0फिल0, पीएच.डी.	–	09 वर्ष
डॉ० मुज्जमिल करीम	असिस्टेंट प्रोफेसर	बी.एड, एम.ए., नेट, जे0आर0एफ0, पीएच.डी.	–	05 वर्ष
डॉ० मो मुद्दस्सिर	असिस्टेंट प्रोफेसर	एम.ए., नेट, पीएच.डी.	–	04 वर्ष

विगत दीक्षांत समारोह के पश्चात प्राप्त उपलब्धियाँ (शिक्षकवार) –

प्रो० मसऊद आलम एवं डॉ० मो मुद्दस्सिर "al-mara'wa adaboha fil asr al jahili" अलास्मा मैग्ज़ीन दिसम्बर 2024।

विभागीय गतिविधियाँ –

"Learning Methods of Arabic Language" पर प्रसार व्याख्यान डॉ० रियाज़ अहमद रियाज़ी, असिस्टेंट प्रोफेसर अरबी विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा 05 दिसम्बर 2024 को दिया गया।

"Development of Arabic Language in modern period" पर प्रसार व्याख्यान प्रो० मोहम्मद हसान खान, पूर्व विभागाध्यक्ष अरबी विभाग बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा 21 अप्रैल 2025 को दिया गया।

"Arabic for Non Native Speakers" पर प्रसार व्याख्यान प्रो० फैय्याज अहमद नदवी, प्रोफेसर अरबी विभाग दुबई UAE द्वारा 12 अगस्त 2025 को दिया गया।

उर्दू विभाग

उर्दू विभाग विश्वविद्यालय के प्रथम शैक्षणिक सत्र 2013–14 से कार्यरत् है। विश्वविद्यालय का यह विभाग पारम्परिक ज्ञान परम्परा के इतर नवीन ज्ञान–शैली को भी समाहित करता है। यह विभाग समसामायिक शिक्षा के सन्दर्भ में महत्वपूर्ण शैक्षणिक कार्यों का सम्पादन करता है। उर्दू भाषा विश्व की प्रमुख भाषाओं में से एक अहम भाषा की हैसियत रखती है। उर्दू विभाग समसामायिक वैशविक एवं आंचलिक परिवेश में भाषा एवं साहित्य के शिक्षण का एक अनुकूल वातावरण प्रदान करती है, जो कि छात्रों के समग्र बौद्धिक विकास में सहायक होता है। उर्दू में पत्रकारिता, अनुवाद, भाषा–शास्त्र और मूल्य वर्धित पाठ्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को कौशल विकास एवं रोज़गार योग्यता के अवसर प्रदान करता है। विभागीय पुस्तकालय, कम्प्यूटर लैब एवं स्मार्ट क्लासरूम की सुविधा प्रदान करता है, जो छात्रों के तकनीकी कौशल के विकास में सहायक होता है।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- ❖ स्नातक (उर्दू)
- ❖ परास्नातक (उर्दू)
- ❖ पीएच0डी0 (Ph.D.) डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (उर्दू)
- ❖ पी0जी0 डिप्लोमा – पत्रकारिता एवं जनसंचार (उर्दू)

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
प्रो0 फख़रे आलम	आचार्य	एम0ए0, एम0फिल, पीएच0डी0	Poetry, Criticism	25 वर्ष
प्रो0 सौबान सईद	आचार्य	एम0ए0, एम0फिल, पीएच0डी0	Prose	27 वर्ष
डॉ0 मो0 अकमल	सहायक आचार्य	एम0ए0, एम0फिल, पीएच0डी0	Textual Criticism	17 वर्ष
डॉ0 मुर्तज़ा अली अतहर	सहायक आचार्य	पीएच0डी0, नेट	Modern Poetry	13 वर्ष
डॉ0 वसी अहमद आजम अंसारी	सहायक आचार्य	पीएच0डी0	dalit Issues In Prem Chand Writing	13 वर्ष
डॉ0 ज़फरून नक़ी	सहायक आचार्य	पीएच0डी0	Urdu Poetry	04 वर्ष
डॉ0 मुनव्वर हुसैन	सहायक आचार्य	पीएच0डी0	Urdu & Persian Similarity & Differences	04 वर्ष
डॉ0 सिद्धार्थ सुदीप	सहायक आचार्य	पीएच0डी0	Urdu Novel and Urdu Ghazal	04 वर्ष
डॉ0 मुसी रज़ा	सहायक आचार्य	पीएच0डी0	Sahafat & Non Fiction	01 वर्ष 10 माह

विगत दीक्षांत समारोह के पश्चात प्राप्त उपलब्धियाँ (शिक्षकवार) –

Name of the Faculty Member	Number of Papers Published	Number of Books Published	Seminar	Patent	Award
प्रो0 फख़रे आलम	01	–	–	–	International Award Excellence in Poetry and Criticism in Urdu Language
प्रो0 सौबान सईद	–	–	–	–	–
डॉ0 मो0 अकमल	03	–	02	–	–
डॉ0 मुर्तज़ा अली अतहर	01	–	03	–	–
डॉ0 वसी अहमद आजम अंसारी	02	–	03	–	–
डॉ0 ज़फरून नक़ी	03	–	04	–	–
डॉ0 मुनव्वर हुसैन	–	01	04	–	–
डॉ0 सिद्धार्थ सुदीप	–	–	02	–	–
डॉ0 मुसी रज़ा	01	–	05	–	01

विभागीय गतिविधियाँ –

शिक्षक दिवस (05.09.2024)

स्वागत कार्यक्रम (28.09.2024)

सर सैय्यद डे (17.10.2024)

उर्दू डे (09.11.2024)

तबसरा निग़ारी का फन और रिवायत (05.12.2024)

जश्न–ए–गज़ल (19.02.2025)

फ़ारसी विभाग

लखनऊ स्थित ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय का फ़ारसी विभाग फ़ारसी भाषा एवं साहित्य के संवर्द्धन तथा संरक्षण के लिए समर्पित है। वर्ष 2013 में स्थापित यह विभाग भाषाई और सांस्कृतिक धरोहर के संवर्धन के उद्देश्य से पारंपरिक एवं आधुनिक दोनों दृष्टिकोणों से फ़ारसी अध्ययन प्रदान करता है। विभाग में फ़ारसी भाषा और साहित्य में डिप्लोमा, स्नातक (B.A.), परास्नातक (M.A.) तथा डॉक्टरेट (Ph.D.) कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं। यहाँ शास्त्रीय और आधुनिक दोनों प्रकार की फ़ारसी कृतियों पर बल दिया जाता है, जिनमें काव्य, गद्य, इतिहास और आलोचना शामिल हैं। फारसी विभाग में एम.ए. फारसी और पीएच.डी. का पाठ्यक्रम वर्ष 2018 में डॉ. अरिफ़ अब्बास द्वारा प्रारम्भ किया गया। विशेष रूप से भारत–फ़ारसी साहित्य पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिससे भारत और फ़ारस के गहरे सांस्कृतिक संबंधों को रेखांकित किया जाता है। विभाग विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि को समृद्ध करने के लिए संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और विशेष व्याख्यानों का आयोजन करता है। संकाय सदस्य फ़ारसी और भारत–फ़ारसी परंपराओं के विविध पक्षों पर सक्रिय शोध में संलग्न हैं। विद्यार्थियों को अनुवाद, व्याख्या तथा अन्य भाषाओं के साथ तुलनात्मक अध्ययन का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। विभाग का राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ गहरा संबंध है, जो फ़ारसी अध्ययन के क्षेत्र में कार्यरत हैं। इसका मुख्य उद्देश्य भारत में फ़ारसी की विरासत को संरक्षित करना तथा विद्यार्थियों को आधुनिक शैक्षणिक एवं व्यावसायिक चुनौतियों के लिए तैयार करना है।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- फ़ारसी विभाग डिप्लोमा इन फ़ारसी, स्नातक (B.A.), परास्नातक (M.A.) तथा डॉक्टरेट (Ph.D.) जैसे विविध शैक्षणिक कार्यक्रम संचालित करता है।

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
डॉ. आरिफ़ अब्बास (विषय प्रभारी)	सहायक आचार्य	एम.ए., पीएच.डी.	फ़ारसी नाटक लेखन, आधुनिक फ़ारसी साहित्य, हस्तलिपि विशेषज्ञता	25 वर्ष
डॉ. अंसारी अब्दुल रहमान	सहायक आचार्य	एम.फ़िल., पीएच.डी.	भारत–फ़ारसी साहित्य	1 वर्ष
डॉ. अख़लाक़ अहमद	सहायक आचार्य	एम.फ़िल., पीएच.डी.	शास्त्रीय फ़ारसी साहित्य	1 वर्ष

विगत दीक्षांत समारोह के पश्चात प्राप्त उपलब्धियाँ (शिक्षकवार) –

नाम	प्रकाशित शोधपत्र	शोधपत्र प्रस्तुति	पुस्तक	एफ0डी0पी0
डॉ. आरिफ़ अब्बास	2	3	3	3
डॉ. अंसारी अब्दुल रहमान	1	2	–	–

विभागीय गतिविधियाँ –

मार्गदर्शक–शिष्य सत्र

विशेष व्याख्यान

विस्तार व्याख्यान

नशा मुक्ति अभियान

संस्कृत एवं पालि विभाग

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ का संस्कृत एवं पालि विभाग नवीनतम विभागों में से एक है। देव एवं ऋषि वाणी संस्कृत जहां एक ओर वैश्विबन्धुता का सन्देश देती है वही दूसरी ओर व्याकरण दैनिक उच्चारण एवं शब्द व्युत्पत्ति, दर्शन गुढ़ दार्शनिक का विवेचन, वेद सार्वभौमिकरण, साहित्य मनोरंजन एवं सृजनात्मकता आर्युवेद जड़ी बुटियों एवं त्रिदोष निवारण का नाथ सम्प्रदाय के ग्रन्थ योग एवं नैतिकता का मार्गदर्शन भी करते है। योग जहां हमारे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को उन्नत करता है। वही दूसरी ओर हितोपदेश, पंचतंत्र तथा नीति शतकम बच्चों से लेकर बड़े तक का मार्गदर्शन करते है।

भारत के प्राचीनतम् पढ़े गए पुरातात्विक साक्ष्य कहीं न कहीं पालि और संस्कृत साहित्य से सम्बन्धित है, जैसे सम्राट अशोक के अभिलेख या भोज पत्र पर प्राप्त धम्मपद के अवशेष । इस प्रकार पालि साहित्य अपनी प्राचीनता के साथ साथ भविष्य की समस्याओं का समाधान भी विपश्यना के द्वारा प्रदान करती है। पालि के महत्व को देखते हुए भारत सरकार ने 2024 में इसे Classical भाषा के रूप में सम्मानित किया। भारतीय ज्ञान परम्परा को पूर्ण एतिहासिकता एवं योग के उन्नत शारीरिक व्ययाम को पूर्णतः विपश्यना के मानसिक शुद्धि से ही प्राप्त होती है। पूर्ण ज्ञान के लिए संस्कृत एवं पालि दोनों का ज्ञान आवश्यक है।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- ❖ बी.ए. संस्कृत (एन.ई.पी. 2020)
- ❖ बी.ए. पालि (एन.ई.पी. 2020)
- ❖ डिप्लोमा

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
डॉ० हिमांशु गंगवार	असिस्टेंट प्रोफेसर	M.A., Acharya (Gold Medal), NET, Ph.D.	संस्कृत एवं पालि भाषा	23वर्ष 8माह

विगत दीक्षांत समारोह के पश्चात प्राप्त उपलब्धियाँ (शिक्षकवार) –

- ❖ "उत्तर–प्रदेश–संस्कृत–संस्थानम्" द्वारा आयोजित मण्डल स्तरीयाः प्रतियोगिता 2025 में तृतीय स्थान सस्ंकृत एवं पालि की छात्रा नेहा सिंह ने प्राप्त किया।

शोध–पत्र

"घेरण्ड संहिता एवं हठयोग प्रदीपिका में वर्णित योग और उसके उपचारात्मक लाभ षट्कर्म के विशेष संदर्भ में"

डा हिमांशु गंगवार
सहायक प्रोफेसर (अस्थायी)
संस्कृत एवं पाली विभाग
ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय
सीतापुर हरदोई बैपास मार्ग
लखनऊ 226013
इमेल (email) himansu.305@gmail.com

विशिष्ट शब्दों की परिभाषा-

1. योग-शारीरिक मानसिक एवं आध्यात्मिक शुद्धि हेतु किए जाने वाले (षट्कर्म, आसन, प्राणायाम आदि) जो अमरत्व की ओर ले जाते हैं।
2. उपचारात्मक लाभ- योग (षट्कर्म, आसन प्राणायाम आदि) करने से होने वाले (शारीरिक मानसिक आध्यात्मिक/चिकित्सकीय लाभ)
3. घेरण्ड संहिता-नाथ परंपरा में हठयोग पर घेरण्ड मुनि द्वारा लिखा सर्वाधिक प्रभावशाली संस्कृत ग्रंथ। इसमें घेरण्ड मुनि द्वारा राजा चण्ड को उपदेशात्मक वार्तालाप इस पुस्तक की विषय वस्तु है।
4. हठयोग प्रदीपिका-स्वामी स्वात्माराम कृत गुरु गोरखनाथ परंपरा में योग पर लिखित एक प्राचीन संस्कृत पुस्तक।
5. षट्कर्म-धौति, बस्ति, नेति, त्राटक, नौलिक तथा भालभाति/ कपालभाति ये सभी षट्कर्म के नाम से जाने जाते हैं। यह आसन या प्राणायाम से पूर्व शारीरिक अशुद्धियों को दूर करने की विविध प्रक्रियाएं हैं। जिन पर विद्वज्जनों का अधिक ध्यान नहीं गया। इस कारण प्रस्तुत लेख में इस पर प्रकाश डाला गया है।

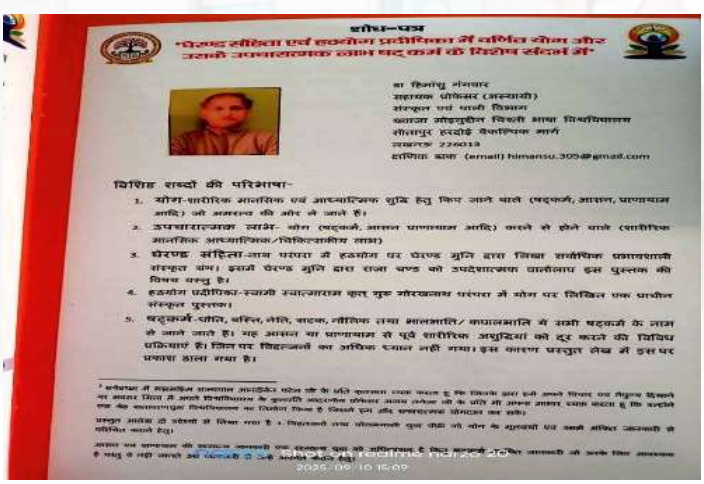

- ❖ एक पृथ्वी एक स्वस्थ्य के लिए योग पत्रिका में विभागीय शिक्षक द्वारा प्रकाशित शोध पत्र

अन्य किसी प्रकार की उपलब्धि –

- ❖ विभागीय पुस्तकालय की स्थापना आदरणीय कुलपति महोदय की प्रेरणा एवं सकांयाध्यक्ष प्रो० सौबान सईद के मार्गदर्शन में विभागीय पुस्तकालय की स्थापना की गई, तथा विद्यार्थियों के लिए समुचित पुस्तकों की व्यवस्था की गई है।

हिन्दी विभाग

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ का हिंदी विभाग हिंदी भाषा, साहित्य और संस्कृति के अध्ययन व संवर्धन हेतु समर्पित है। विभाग स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान कर छात्रों में भाषाई, साहित्यिक व आलोचनात्मक क्षमता विकसित करता है और शोध व सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करता है। यह विभाग डॉ. जहाँ आरा जैदी के नेतृत्व में संचालित है।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- स्नातक (हिन्दी)
- परास्नातक (हिन्दी)
- पी–एच0डी0 (हिन्दी)

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
डॉ0 जहाँ आरा ज़ैदी	सहायक आचार्य	पी–एच0डी0, डी0लिट0	राष्ट्रीयता एवं कृष्ण भक्ति	18 वर्ष
डॉ0 योगेन्द्र कुमार	सहायक आचार्य	पी–एच0डी0	–	3 वर्ष
डॉ0 आराधना अस्थाना	सहायक आचार्य	पी–एच0डी0	–	3 वर्ष

विभागीय गतिविधियाँ –

दिनांक 14 सितम्बर 2025 को ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के मौलाना अबुल कलाम आज़ाद शैक्षणिक भवन में स्थित अटल सभागार में हिन्दी–विदस समारोह संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की संयोजक डॉ0 जहाँ आरा जैदी, प्रभारी हिन्दी–विभाग के अथक प्रयासों से कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय प्रो0 अजय तनेजा जी के द्वारा की गयी तथा मुख्य वक्ता के रूप में विद्वान वरिष्ठ हिन्दी आलोचक वर्तमान राष्ट्रभाषा प्रचार समिति कर्म के सदस्य प्रो0 सूर्य प्रसाद दीक्षित जी के ज्ञानवर्धक उद्बोधन से सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

गोस्वामी तुलसीदास जयंती के अवसर पर वचार गोष्ठी का आयोजन

संत कवि कबीर दास जी के व्यक्तित्व पर विशिष्ट व्याख्यान

सामाजिक विज्ञान संकाय

अर्थशास्त्र विभाग

अर्थशास्त्र विभाग का प्राथमिक उद्देश्य अर्थशास्त्र में उच्च–गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। हमारे विभाग का उद्देश्य शिक्षण और अनुसंधान दोनों के माध्यम से, हमारे समाज के वर्तमान और भविष्य में आने वाले राष्ट्रीय और स्थानीय आर्थिक मुद्दों की बेहतर समझ प्रदान करना है। छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके उन्हें सफल करियर के लिए तैयार करना। कॉलिज्येट वातावरण बनाए रखना और साथ ही शैक्षणिक प्रदर्शन के उच्च मानकों को बनाए रखना। हमारा उद्देश्य छात्रों को आलोचनात्मक सोच और स्वतंत्र विश्लेषण के लिए तैयार करना है ताकि वे अपना जीवन जिम्मेदारी से जी सकें। अर्थशास्त्र विभाग का प्राथमिक मिशन उद्योग, सरकार और नागरिक समाज के भावी नेताओं को उच्च–गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना है।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- अर्थशास्त्र विभाग, अर्थशास्त्र के विभिन्न क्षेत्रों में सफल करियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए एक व्यापक केंद्र के रूप में कार्य करता है और शैक्षणिक कठोरता, व्यावहारिक अनुभव और व्यावसायिक विकास के अवसरों का मिश्रण प्रदान करता है। विभाग पूर्णकालिक बी.ए. (नियमित), एम.ए. (स्व–वित्त) और पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है।

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
डॉ. राहुल कुमार मिश्रा	विषय प्रभारी	एम.ए., एम.फिल. एवं पीएच.डी.	ग्रामीण विकास और गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों
डॉ. उधम सिंह	सहायक प्रोफेसर	एम.ए., पीएच.डी.	कृषि अर्थशास्त्र
डॉ. मिन्हाज हुसैन	सहायक प्रोफेसर	एम.ए., नेट, पीएच.डी.	मैक्रो और स्वास्थ्य अर्थशास्त्र

प्रकाशन –

शिक्षक का नाम	शोध पत्र	संपादित पुस्तकों में अध्याय	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भागीदारी	संकाय विकास कार्यक्रम में भागीदारी	सेमिनार में प्रस्तुत शोधपत्र	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र (देश के भीतर)
डॉ. राहुल कुमार मिश्रा	–	03	01	02	01	01
डॉ. उधम सिंह	02	01	01	–	02	–
डॉ. मिन्हाज हुसैन	02	–	–	–	–	–

विभागीय गतिविधियाँ –

विभाग द्वारा छात्रों को परामर्श उपलब्ध कराना

विभाग द्वारा छात्रों के साथ बैठक का आयोजन करना

विद्यार्थियों को कैरियर परामर्श एवं मार्गदर्शन का उपलब्ध कराया जाना

विभाग द्वारा चलाया गया पौधारोपण अभियान

इतिहास विभाग

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में इतिहास विभाग की स्थापना 2013 में हुई थी। विभाग में डॉ0 पूनम चौधरी सहायक आचार्य ने विषय प्रभारी के रूप में बी० ए० इतिहास एम०ए० इतिहास पाठ्यक्रमों का संचालन किया तथा वर्ष 2019 में शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिए पी० एच० डी० पाठ्यक्रम भी आरंभ किया। सन् 2021 में NEP 2020 और सत्र 2024 में MOOC (मूक) पाठ्यक्रम को भी सम्मिलित किया गया, विभिन्न पाठ्यक्रमों में पाठ्य सहगामी क्रियाएं सम्मिलित हैं, जिनका समय–समय पर विभाग में आयोजन किया जाता है।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- ❖ इतिहास में स्नातक
- ❖ इतिहास में परास्नातक
- ❖ पी.एचडी इतिहास

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
डॉ मनीष कुमार	सहायक आचार्य	एम०ए०, पी०एच०डी, नेट	प्राचीन इतिहास	04 वर्ष
डॉ राज कुमार सिंह	सहायक आचार्य	एम० ए, नेट, डी०पी०ए०, एलएल०बी, डी०लिट्ट	प्राचीन भारतीय संस्कृति	21 वर्ष
डॉ लक्ष्मण सिंह	सहायक आचार्य	म० ए०, एलएल०बी, डी० फिल (मानद उपाधि यूएसए)	प्राचीन इतिहास, राजपूत युग में शिक्षा प्रणाली, तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से 12वीं शताब्दी ईस्वी तक का सामाजिक–आर्थिक इतिहास	22 वर्ष
डॉ पूनम चौधरी	सहायक आचार्य /विषय प्रभारी	एम०ए०, पी०एच०डी, नेट	आधुनिक इतिहास, समकालीन इतिहास, जेण्डर अध्ययन, सबाल्टर्न अध्ययन, अम्बेडकर के सामाजिक सुधार	12 वर्ष

विभागीय गतिविधियाँ –

- ❖ उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार लखनऊ के 76वें स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशिष्ट वक्ता के रूप में 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम विषय पर व्याख्यान दिया।
- ❖ काकोरी ट्रेन एक्शन दिवस के उपलक्ष्य इतिहास विभाग के विद्यार्थियों को काकोरी स्मृति उद्यान का भ्रमण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम कराया था।
- ❖ शहीद मंगल पांडे स्मृति दिवस का कार्यक्रम करवाया गया।
- ❖ चंद्र शेखर आजाद जयंती पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- ❖ राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत इकाई–2 के स्वयं सेवकों द्वारा गोद लिए गांव डिगुरिया अल्लूनगर प्राइमरी स्कूल के छात्रों के मध्य भाषण प्रतियोगिता चित्रकला प्रतियोगिता और कहानी कथन का आयोजन भी किया गया।

संग्रहालय में नैक टीम का भ्रमण

1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम विषय पर व्याख्यान

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, जिसकी स्थापना 2013 में हुई थी, सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों ही दृष्टि से उच्चस्तरीय शिक्षा, विषय और क्षेत्र प्रदान करने वाला एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान है। पत्रकारिता और जनसंचार विभाग शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में उत्कृष्टता के लिए एक प्रमुख केंद्र है। विभाग उद्योग–प्रासंगिक और नैतिक रूप से आधारित मीडिया शिक्षा प्रदान करता है जो सैद्धांतिक ज्ञान के साथ ही व्यावहारिक कौशल के साथ प्लेटफार्म मुहैया कराता है. विभाग भारतीय ज्ञान प्रणालियों में निहित अंतःविषयक अनुसंधान को बढ़ावा देता है, और छात्रों को सामाजिक परिवर्तन के साथ उनके अन्दर संचार में नेतृत्व करने के लिए तैयार करता है।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- ❖ पीएच.डी., पत्रकारिता एवं जनसंचार
- ❖ एम.ए., पत्रकारिता एवं जनसंचार
- ❖ बी.ए., पत्रकारिता एवं जनसंचार

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
डॉ रूचिता सुजॉय चौधरी	सहायक प्रोफेसर एवं विषय प्रभारी	पीएचडी	रेडियो मीडिया	18 वर्ष
डॉ शचींद्र शेखर	सहायक प्रोफेसर	पीएचडी, एमफिल, पीजी डिप्लोमा	विशेषज्ञता न्यू मीडिया और स्वास्थ्य संचार	05 वर्ष
डॉ. सैय्यद काज़िम असगर रिज़वी	सहायक प्रोफेसर	पीएचडी	प्रिंट मीडिया	07 वर्ष
डॉ मो. नसीब	सहायक प्रोफेसर	पीएचडी	प्रिंट मीडिया	05 वर्ष

विगत दीक्षांत समारोह के पश्चात प्राप्त उपलब्धियाँ (शिक्षकवार) –

डॉ रूचिता सुजॉय चौधरी

शोध पत्र – Anatomizing Gender Prejudice in the Depiction of Blindness in Hindi Feature Film

Publishers: Anusandhan Vatika ISSN: 2230-8938

पुस्तक – 1- Research Methodology and Analytical Techniques ISBN: 978-93-48020-02-4

2- Radio Broadcasting

विभागीय गतिविधियाँ –

एल्यूमिनाई योगदान

विभाग द्वारा संचालित सशुल्क इंटर्नशिप गतिविधियाँ

उद्योग विशेषज्ञों के साथ बातचीत

अंतर्राष्ट्रीय फोटोग्राफी दिवस कार्यशाला

भूगोल विभाग

भूगोल विभाग की स्थापना ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में वर्ष 2013 में हुई। प्रारंभ से ही विभाग में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर नियमित पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। विभाग का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में भौगोलिक दृष्टिकोण, पर्यावरणीय चेतना और अनुसंधान प्रवृत्ति को विकसित करना है। यहाँ आधुनिक शिक्षण पद्धतियाँ जैसे स्मार्ट क्लास, जीआईएस, रिमोट सेंसिंग और डिजिटल कार्टोग्राफी का उपयोग किया जाता है। विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ–साथ भौतिक स्वरूपों के धरातलीय भ्रमण, सर्वेक्षण एवं प्रायोगिक कार्य के अवसर भी दिए जाते हैं। विभाग ने अब तक अनेक संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और विशेष व्याख्यानों का सफल आयोजन किया है। साथ ही, छात्रों और शोधार्थियों के लिए शोध एवं प्रकाशन की निरंतर परंपरा रही है। विभाग के छात्र आज विभिन्न शैक्षणिक, शोध, प्रशासनिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में कार्यरत हैं। सतत विकास और पर्यावरणीय संतुलन की दिशा में विभाग निरंतर अपनी भूमिका निभा रहा है।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- ❖ स्नातक (बी0 ए0)
- ❖ स्नातकोत्तर (एम0 ए0)

स्नातक स्तर पर विद्यार्थियों को भौगोलिक आधारभूत ज्ञान एवं प्रयोगात्मक कार्य से परिचित कराया जाता है। स्नातकोत्तर स्तर पर उच्च स्तरीय अध्ययन, शोध कार्य तथा परियोजना आधारित गतिविधियों पर बल दिया जाता है। दोनों स्तरों पर आधुनिक शिक्षा साधनों जैसे स्मार्ट क्लास जी आइ एस एवं रिमोट सेंसिंग का उपयोग किया जाता है। इस प्रकार विभाग विद्यार्थियों को शैक्षणिक और व्यावसायिक दृष्टि से सक्षम बनाने का निरन्तर प्रयास करता रहा है।

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
डॉ0 चेतना शर्मा	सहायक प्रोफेसर	एम. ए., यूजीसी नेट, पीएच. डी, पी.डी.एफ.	ग्रामीण विकास, कृषि भूगोल एवं प्रयोगात्मक भूगोल	8
प्रिया देवी	सहायक प्रोफेसर	एम. ए., यूजीसी नेट	जनसंख्या भूगोल एवं चिकित्सा भूगोल	5

विभागीय गतिविधियाँ –

ज्ञान और संस्कृति से रूबरू दृश्यः विद्यार्थियों की नैमिषारण्य यात्रा

फ्रेशर्स पार्टी:जहाँ नए सपनों का आगमन होता है, वहीं संस्थान का भविष्य संवरता है।

ओरिएंटेशन प्रोग्रामः ज्ञान का पहला परिचय ही सफलता की नींव रखता है।

विदाई समारोह के अवसर पर उपहार वितरण

राजनीति शास्त्र विभाग

राजनीति विज्ञान विभाग में आपका स्वागत है। हमारा विभाग 2013 में स्थापित किया गया था, जब हमने अपनी बैचलर ऑफ आर्ट्स (बीए) कार्यक्रम की शुरुआत की थी, और अब हम 2025 में एक नई मास्टर ऑफ आर्ट्स (एम.ए.) कार्यक्रम पेश करने के लिए तैयार हैं, जो छात्रों के लिए स्नातक से लेकर स्नातकोत्तर तक की पूरी शैक्षिक यात्रा का मार्ग प्रशस्त करेगा। हमारी दृष्टि स्पष्ट और प्रेरणादायक है। नैतिक रूप से दृढ़, आलोचनात्मक सोच वाले और सक्रिय स्नातक तैयार करना जो शासन, सार्वजनिक नीति और वैश्विक नागरिकता में सार्थक यागे दान दे सकें। हम इस लक्ष्य को शिक्षित करने, सशक्त बनाने और जोड़ने के अपने मिशन के माध्यम से प्राप्त करते हैं, एक मजबूत पाठ्य क्रम प्रदान करके, एक ऐसा वातावरण बनाकर जहाँ हर आवाज सुनी जाती है, और कक्षा की सीख को वास्तविक दुनिया की घटनाओं से जोड़कर। यह वास्तविक दुनिया का जुड़ाव हमारे कई आयोजनों और गतिविधियों के माध्यम से जीवंत होता है, जैसे कि साप्ताहिक संसदीय बहसें जहाँ तर्क और वाक्पटुता का अभ्यास होता है, मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एमयूएन) सम्मले न जहाँ आप एक राजनयिक की भूमिका निभाते हैं, नीति विश्लेषण पर चर्चाएँ, राजनीतिक क्विज, और विशेषज्ञों के व्याख्यान जो अपने अनुभव साझा करते हैं। यह दृष्टिकोण हमारे छात्रों के लिए एक शक्ति शाली लॉन्चपैड साबित होता है, जिसने हमारे पूर्व छात्रों को प्रमुख थिकं टैंकों में नीति विश्लेषक, सिविल सेवा में अधिकारी, प्रतिष्ठित गैर–सरकारी संगठनों (एनजीओ) और संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में परिवर्तन लाने वाले, और शीर्ष वैश्विक विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले पेशेवरों के रूप में सफलता के मार्ग पर अग्रसर किया है।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- **स्नातक (बी० ए०):** राजनीति विज्ञान में बैचलर ऑफ आर्ट्स (बीए) एक ऐसा कोर्स है जो आपको राजनीति की दुनिया की व्यापक समझ देता है। इसमें आप सरकारों के काम करने के तरीके, भारतीय संविधान, चुनाव, राजनीतिक विचारधाराएँ (जैसे गांधी, मार्क्स, अंबेडकर के विचार), अंतरराष्ट्रीय संबंध और अन्य देशों की राजनीति की तुलना जैसे मूल विषयों को पढ़ते हैं। इस कोर्स का मकसद आपकी सोचने–समझने की क्षमता को बढ़ाना और आपको मीडिया, सिविल सेवाओं, एनजीओ जैसे क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए तैयार करना होता है।
- **स्नातकोत्तर (एम० ए०):** मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए) में आप इसी ज्ञान को गहराई से समझते हैं। आप किसी एक विषय जैसे भारतीय राजनीति, अंतरराष्ट्रीय संबंध, या सार्वजनिक नीति में विशेषज्ञता हासिल करते हैं। इसमें रिसर्च करना, डेटा का विश्लेषण करना और एक शाधे प्रबंध लिखना शामिल होता है। एमए आपको रिसर्च, पॉलिसी मेकिंग, शिक्षण या सरकारी नौकरियों में उच्च पदों के लिए तैयार करता है। सीधे शब्दों में कहें तो बीए आपको राजनीति का मैप दिखाता है, जबकि एमए आपको उस मैप का एक्सपर्ट बना देता है।

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
श्री विपिन सिंह	सहायक आचार्य	एम.ए., यूजीसी–नेट	अन्तर्राष्ट्रीय संगठन	5 वर्ष
श्री मृणाल झा	सहायक आचार्य	एम.ए., यूजीसी–नेट	अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध	2 वर्ष
श्री प्रशांत सिंह	सहायक आचार्य	एम.ए., यूजीसी–नेट	–	1 वर्ष

विभागीय गतिविधियाँ –

राजनीति विज्ञान विभाग में कुलपति जी द्वारा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में अव्वल रहे छात्रों को पुरस्कार प्रदान किया गया।

पढ़े विश्वविद्यालय बढ़े विश्वविद्यालय के अवसर पर प्रति घंटा पुस्तक वाचन

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

विभाग में साप्ताहिक संसदीय सत्र

शारीरिक शिक्षा विभाग

शारीरिक शिक्षा विभाग की स्थापना वर्ष 2013 में की गई थी, जिसका उद्देश्य शारीरिक शिक्षा को प्रोत्साहित करना और खेलों तथा व्यायाम की आवश्यकता एवं महत्व के प्रति लोगों में जागरूकता विकसित करना है, शारीरिक शिक्षा सामुदायिक स्वास्थ्य सुधारने का एक प्रभावी माध्यम है। विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की रूपरेखा इस प्रकार तैयार की गई है कि विद्यार्थी शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में व्यवसायिक रूप से योग्य शिक्षक बन सकें। शारीरिक शिक्षा विभाग छात्रों के लिए एक व्यापक केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो शारीरिक शिक्षा और खेलों के क्षेत्र में सफल करियर बनाने की इच्छा रखते हैं। विभाग में कुशल और समर्पित शिक्षक निरंतर शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए कार्यरत हैं, जिससे विद्यार्थियों के स्वास्थ्य, फिटनेस और समग्र कल्याण को सुनिश्चित किया जा सके।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

❖ विभाग द्वारा शारीरिक शिक्षा एवं खेलों में विशेषज्ञता के साथ पूर्णकालिक बी.ए. (शारीरिक शिक्षा) तथा पीएच.डी. पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं।

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
मोहम्मद शारिक	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	खेल मनोविज्ञान, बैडमिंटन व क्रिकेट	12 वर्ष
डॉ0 हसन मेहदी	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	परीक्षण एवं मापन, खेल मनोविज्ञान व शारीरिक शिक्षा की पद्धतियाँ	16 वर्ष

विगत दीक्षांत समारोह के पश्चात प्राप्त उपलब्धियाँ (शिक्षकवार) –

प्रकाशित शोध पत्र – शारिक, मो0 (2025). 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिये योग', पेज 46–49– आर. ए. इन्टरप्राईजेज़, राम लीला मैदान खदरा, लखनऊ, आई. एस. बी. एन. नंबर– 978–81–990386–9–1

संगोष्ठी – ''योग–संस्कृति, चेतना और संवाद की वैश्विक भाषा'' विषय पर दिनांक16.06.2025 को अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

व्याख्यान – ''विरासत से विकास – योग की भूमिका'' विषय पर दिनांक 12.06.2025 को व्याख्यान का आयोजन

पेटेंट – ''Adjustable Powder Line Marker'' नामक कार्य के लिये प्रतिलिप्यधिकार, प्रमाण पत्र सं0–LD-20250164512 दिनांक 14 / 05 / 2025

पुस्तक प्रकाशन – सह संपादक,(2025) एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिये योग', आर.ए. इन्टरप्राईजेज़, राम लीला मैदान खदरा, लखनऊ, आई. एस. बी.एन. नंबर– 978–81–990386–9–1

विभागीय गतिविधियाँ –

साइकिल यात्रा का आयोजन दिनांक 23.03.2025 को माननीय कुलपति के मार्गदर्शन एवं नेत्रत्व मे किया गया।

''साइकिल यात्रा संग कर्तव्यनिष्ठ युवा''

''इतिहास और प्रकृति से जुडने की विद्यार्थियों की साइकिल यात्रा''

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रकृति का महत्व– एक ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी' दिनांक 05.06.2025 को माननीय कुलपति प्रो0 अजय तनेजा महोदय द्वारा शुभारंभ किया गया।

योग वाटिका प्रकृति और शांति का आशियाना' दिनांक 05.06.2025 को माननीय कुलपति प्रो0 अजय तनेजा महोदय द्वारा योग वाटिका का शुभारंभ, छात्रों द्वारा श्रमदान व वनीकरण।

''माननीय कुलपति प्रो0 अजय तनेजा महोदय द्वारा योग वाटिका का शुभारंभ''

"प्रकृति संग सामंजस्य का सन्देश"

योग मैराथनरू स्वस्थ समाज की ओर बढ़ते कदम' दिनांक 05.06.2025 को माननीय कुलपति प्रो0 अजय तनेजा महोदय द्वारा शुभारंभ किया गया, विद्यार्थी व शिक्षकों की सहभागिता।

''माननीय कुलपति प्रो0 अजय तनेजा जी योग मैराथन का शुभारम्भ''

''स्वस्थ समाज की और विद्यार्थियों और शिक्षकों के कदम''

'एक साथ योग–संकल्प और सामूहिकता का प्रतीक' विषय पर योग दिवस (21 जून, 2025) पर विश्वविद्यालय परिसर, अनलाइन एवं गोद लिए गए ग्राम लोखरिया, डिगुरिया, राहुडा पुरवा, ककौली एवं आलू नगर इत्यादि स्थानों पर प्रतिभागियों द्वारा सामूहिक योग सत्र का आयोजन किया।

''स्वास्थ्य और शांति की ओर सामूहिक पहल''

''योग–मन, शरीर और आत्मा का संतुलन''

शिक्षा शास्त्र विभाग

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में शिक्षाशास्त्र विभाग की स्थापना सन् 2013 में हुई। स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का संचालन 2013 से प्रारम्भ हुआ। बी.एड. पाठ्यक्रम का संचालन 2016 में प्रारम्भ हुआ। साथ ही साथ 2018 में शोधकार्य को बढ़ावा देने हेतु पी.एच.डी. पाठ्यक्रम का संचालन किया गया। सत्र 2024 में मूक पाठ्यक्रम को भी सम्मिलित किया गया विभिन्न पाठ्यक्रमों में पाठ्य सहगामी क्रियाएं सम्मिलित हैं, जिनका समय–समय पर विभाग में आयोजन किया जाता है।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- शिक्षाशास्त्र में स्नातक
- शिक्षाशास्त्र में परास्नातक
- बी.एड.
- पी.एचडी शिक्षा शास्त्र

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
प्रो. चंदना डे	प्रोफेसर	पीएच.डी.	मापन एवं मूल्यांकन, शैक्षिक दर्शन, शैक्षिक प्रशासन एवं प्रबधन	34 वर्ष
डॉ0 नलिनी मिश्रा	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	निर्देशन एवं परामर्श, उच्च शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा	14 वर्ष
डॉ0 बुशरा अलवेरा	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	मापन एवं मूल्यांकन,जीव विज्ञान शिक्षण, शैक्षिक मनोविज्ञान,भैतिक विज्ञान शिक्षण	12 वर्ष
डॉ0 राम दास	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	शैक्षिक शिक्षा, समावेशी शिक्षा, शिक्षा में निर्देशन एवं परामर्श,शिक्षा में सूचना एवं समप्रेषण प्रौद्योगिकी	12 वर्ष
डॉ0 स्वेता अग्रवाल	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	समावेशी शिक्षा	02 वर्ष
श्री आयुष मिश्रा	सहायक आचार्य (अ0)	नेट–शिक्षाशास्त्र बी0एड0,एम0एड0	शैक्षिक तकनीकी	10 वर्ष
डॉ. पूजा सिंह	सहायक आचार्य (अ0)	पीएच.डी.	शैक्षिक दर्शन (पाश्चात्य), निर्देशन एवं परामर्श	10 वर्ष
श्रीमती विभा सिंह	सहायक आचार्य (अ0)	नेट संगीत, एम0ए0, संगीत प्रभाकर	संगीत (गायन)	10 वर्ष
मोहम्मद इरफान	सहायक आचार्य (अ0)	नेट, पी.जी.डी.सी.ए, एम0ए0शिक्षाशास्त्र)	शैक्षिक दर्शन	10 वर्ष
डॉ. अनुपमा यादव	सहायक आचार्य (अ0)	पीएच.डी.	शिक्षा दर्शन (पाश्चात्य दर्शन)	03 वर्ष
डॉ. निहारिका श्रीवास्तव	सहायक आचार्य (अ0)	पीएच.डी.	शिक्षण तकनीकी	9 वर्ष
डॉ. रचना गिहार	सहायक आचार्य (अ0)	पीएच.डी.	शैक्षिक अनुसंधान	02 वर्ष
राम किशन पाल	सहायक आचार्य (अ0)	पीएच.डी.	शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार "दृष्टिबाधित बालकों की शिक्षा अनुसंधान विधियां (मनोविज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान)	10 वर्ष

विगत दीक्षांत समारोह के पश्चात प्राप्त उपलब्धियाँ (शिक्षकवार) –

प्रो0 चंदना डे

प्रकाशित शोध पत्र –

- पुस्तक मे अध्याय– पुस्तक का शीर्षक भारतीय शिक्षा का ज्ञान मीमांशीय परिप्रेक्ष्य – राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और भारतीय ज्ञान परम्परा का समावेश
- जर्नल्स– जे.आई. ई. आर. टॉपिक – मल्टीलेयार एप्रोच इन ए. आई.बेस्ड एजुकेशनल प्लानिंग
- इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन क्लाइमेट चेंज एंड एनवायरनमेंट इश्यूज–
- टॉपिक – जलवायु परिवर्तन कारण प्रभाव एवं समाधान

डॉ0 नलिनी मिश्रा

प्रकाशित पुस्तक–2

- ❖ एक पृथ्वी –एक स्वास्थ्य के लिए योग
- ❖ Augmented Reality and Virtual reality
- ❖ प्रकाशित विषय – Concept, Importance and Methods of Value Education in
- ❖ पुस्तक नाम – Fundamentals of Education
- ❖ रिर्फशर कोर्स– जनवरी 2025 में सामाजिक विज्ञान और मानविकी में उभरते ज्ञान
- ❖ शोध पत्र – 5

आयोजित कार्यक्रम –

- ❖ एक पेड़ माँ के नाम
- ❖ योग वाटिका की स्थापना,
- ❖ प्रकृति का महत्तव विषय पर प्रदर्शनी,
- ❖ भारत रत्न डॉ. अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गतिविधियाँ,
- ❖ हर घर तिरंगा कार्यक्रम
- ❖ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर विश्वविद्यालय एवं गोद लिए गए गांवों में गतिविधियों का आयोजन

डॉ0 बुशरा अलवेरा

- ❖ रिर्फशर कोर्स – Emerging Trends In Social Sciences And Humanities: A Multidisciplinary

शोध प्रकाशन–

- ❖ विविधता में एकता – भारत में राष्ट्रीय एकीकरण की चुनौतियाँ एवं समाधान
- ❖ Role of Technology in Fostering the Indian Knowledge System

शोध प्रकाशन–प्रस्तुति और संगोष्ठी सम्मेलन में भागीदारी

- ❖ "Women Leaders: Shaping Academic EÛcellence for VIKSIT Bharat @2047"
- ❖ पर्यावरण संरक्षण, सवर्धना और प्रोत्साहन में शिक्षा का योगदान – विजन विकसित 2047
- ❖ विशेषज्ञ व्याख्यान – टॉक शो प्रस्तुत किए गए–
- ❖ मुंशी दयानारायण निगम – हयात और खिदमात।

डॉ0 राम दास

- ❖ .प्रकाशित शोध पत्र – 1
- ❖ Fostering Career Aspirations through English Language Learning Exploring Self- Efficacy and ICT Adoption in Secondary Schools, International journal of Research Publication and Reviews, Journal home page :www.ijrpr.com ISSN 2582-7421
- ❖ कार्यशाला प्रतिभाग : 01 Artifical Intelligence (Al) And Digital Education

डॉ0 राम किशन पाल

- ❖ पुस्तक मे अध्याय – पुस्तक का शीर्षक भारतीय शिक्षा का ज्ञान मीमांशीय परिप्रेक्ष्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और भारतीय ज्ञान परम्परा का समावेश
- ❖ जर्नल्स – जे.आई. ई. आर. टॉपिक – मल्टीलेयार एप्रोच इन ए. आई.बेस्ड एजुकेशनल प्लानिंग
- ❖ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन क्लाइमेट चेंज एंड एनवायरनमेंट इश्यूज–
- ❖ टॉपिक – जलवायु परिवर्तन कारण प्रभाव एवं समाधान

विभागीय गतिविधियाँ –

दिनांक 30 अप्रैल 2025 को बी.ए. पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को आंगनवाड़ी केंद्र का भ्रमण कराया गया।

दिनांक 4 मई 2025 को बी.एड. पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थियो को पुस्तकालय का भ्रमण कराया गया।

दिनांक 14 मई 2025 को बी.ए. पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थियो को अनाथाश्रम का भ्रमण कराया गया।

दिनांक 24 अक्टूबर 2024 को बी०एड० विद्यार्थियों द्वारा त्रिलोकी सिंह जूनियर हाईस्कूल, विद्यालय भ्रमण किया गया

समाजशास्त्र विभाग

समाजशास्त्र विभाग, ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की स्थापना 2019 में में हुई थी, प्रारंभ में समाजशास्त्र विभाग में बी.ए. होनर्स का कार्यक्रम संचालित किया जा रहा था, वर्तमान में नई शिक्षा नीति के तहत बी.ए. एन.ई.पी. का कार्यक्रम संचालित हो रहा है। विभाग में मेजर–1 के कुल 72 छात्र नामांकित हैं।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- ❖ वर्तमान में विभाग में बी.ए. समाजशास्त्र का पाठ्यक्रम संचालित है। हम अगले सत्र से एम.ए. समाजशास्त्र का पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
डॉ. ज़िया जाफ़री	असिस्टेंट प्रोफेसर	एम.ए., बी.एड, सी.टी.ई.टी., यू.पी.टी.ई.टी., यू.जी.सी. नेट, जे.आर.एफ, एस.आर.एफ़., पीएच.डी.	शास्त्रीय एवं आधुनिक समाजशास्त्रीय सिद्धांत, विघटन एवं अपराधशास्त्र, लैंगिक अध्ययन
डॉ. हैदर मेहदी	असिस्टेंट प्रोफेसर	एम.ए., पीएच.डी.	शास्त्रीय समाजशास्त्रीय सिद्धांत
सुश्री आस्था सिंह	असिस्टेंट प्रोफेसर	एम.ए., यूजीसी नेट, बी.एड, सीटीईटी	समाजशास्त्र में लैंगिक अध्ययन

विगत दीक्षांत समारोह के पश्चात प्राप्त उपलब्धियाँ (शिक्षकवार) –

डॉ. ज़िया जाफ़री

प्रकाशित शोध पत्र – 1

संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं में सहभागिता

संगोष्ठी Webinar - "The Logic of Choice: Game Theory for Social Science Educators"

कार्यशाला – स्टैटिस्टिकल पैकज फॉर सोशल साइंसेज (SPSS) पर सात दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला (इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसाइटी एवं अन्य के द्वारा आयोजित)

विभागीय गतिविधियाँ –

दिनांक 11 जुलाई, 2025 को विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई) पर प्रतिष्ठित समाजशास्त्री प्रो. संजय सिंह (प्रो. समाजशास्त्र विभाग, डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ) द्वारा एक विशेष व्याख्यान।

नवीन प्रवेशित छात्रों हेतु आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में विषय, विश्वविद्यालय के इतिहास, विज़न, मिशन, शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं सांकृतिक वातावरण तथा हाल ही में नैक में विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित B++ ग्रेडिंग के बारे जानकारी देते हुए समाजशास्त्र विभाग के शिक्षक – 26 जुलाई 2025

विज्ञान संकाय

कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की स्थापना सन् 2013 में की गई थी, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान एवं कौशल से सुसज्जित करना है। विभाग में सैद्धांतिक ज्ञान के साथ–साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। यहाँ कम्प्यूटर प्रयोगशालाएँ, इण्टरनेट और नवीनतम सॉफ़्टवेयर उपलब्ध हैं। विभाग के शिक्षकगण अनुभवी एवं शोधपरक दृष्टिकोण रखने वाले हैं। विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट, सेमिनार, वर्कशॉप और इंडस्ट्री एक्सपर्ट लेक्चर के माध्यम से वास्तविक जीवन का अनुभव प्रदान किया जाता है। विभाग का लक्ष्य छात्रों को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- ❖ स्नातक (B.C.A.) बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन
- ❖ परास्नातक (M.C.A.) मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन
- ❖ पीएच0डी0 (Ph.D.) डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
डॉ० मज़हर खालिक	विषय प्रभारी / सहायक आचार्य	पीएच0डी0, एम0सी0ए0	रीलेशनल डाटाबेस मनेजमेन्ट सिस्टमस्ट, एस0क्यू0एल0, डाटा एनालिटिक्स	25 वर्ष
डॉ० रज़ा अब्बास हैदरी	सहायक आचार्य	पीएच0डी0, एम०टेक0, एम0सी0ए0	क्लाउड कम्प्यूटिंग, सॉफ्ट कम्प्यूटिंग	06 वर्ष
डॉ० वली उल्लाह	सहायक आचार्य	पीएच0डी0	सॉफ्टवेयर कम्प्यूटिंग, डिजाइन एवं एनालिसिस ऑफ एलगॉरिथिम, जावा, कम्प्यूटर आर्किटेक्चर एवं ऑरगेनाइज़ेशन	25 वर्ष
श्री एस० जेड काज़मी	सहायक आचार्य	एम0सी0ए0, पीएच0डी0	प्रोग्रमिंग इन सी लैंग्वेज, डाटा इस्ट्रक्चर, ग्राफ थियोरी	18 वर्ष
श्री सौरभ सिंह राठौर	सहायक आचार्य	एम0सी0ए0	मैथमैटिक्स, डिस्क्रीट मैथमैटिक्स	15 वर्ष
सुश्री मुस्कान चौधरी	सहायक आचार्य	एम0सी0ए0	साइबर सिक्योरिटी,सॉफ्टवेयर इन्जीनिरिंग	03 वर्ष
सुश्री श्रियान्शी गुप्ता	सहायक आचार्य	एम0सी0ए0	कम्प्यूटर नेटवर्क, सी प्रोग्रमिंग	03 वर्ष

विगत दीक्षांत समारोह के पश्चात प्राप्त उपलब्धियाँ (शिक्षकवार) –

प्रकाशित शोध पत्र – QUANTUM SECURITY IN CYBER RISK ANALYSIS THROUGH FUZZY ANALYTIC HIERARCHY PROCESS-

संगोष्ठी दिनांक 22 फरवरी, 2025 को आयोजित – "ARTIFICIAL INTELLIGENCE AND MACHINE LEARNING: CONCEPTS AND APPLICATIONS" BY OPCODE ACADEMY] LUCKNOW-

कार्यशाला–

01– दिनांक 09 नवम्बर, 2024 को आयोजित "3 TIRE WEB DEVELOPMENT USING JAVA BY ANALYZE INFOTECH, LUCKNOW/"

02– दिनांक 11 दिसम्बर, 2024 को आयोजित "FULL STACK DEVELOPMENT & AI IMPLEMENTATION" BY DIGIPODIUM LUCKNOW."

विभागीय गतिविधियाँ –

कुलाधिपति पदक, 9वां दीक्षांत समारोह 2024 सुभम कुमार सिंह

एनसीसी कैडेट शीरी फातिमा का ओटीए में चयन चेन्नई अटैचमेंट कैंप 2024

यूजीसी–नेट दिसंबर–2024 परीक्षा उत्तीर्ण (केवल पीएचडी के लिए योग्य)

फुल स्टैक विकास और कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्यान्वयन पर कार्यशाला, डिजिपेडियम,

अन्य किसी प्रकार की उपलब्धि / सूचना का विवरण –

यू0जी0सी0 नेट दिसम्बर, 2024 (Qualified for Ph-D- Only)

01. तसनीम सबा
02. प्रिया यादव
03. हुजैफा हबीब
04. मो0 रिज़वानुल हसन

यू0जी0सी0 नेट मई, 2025 (Qualified for Ph-D- Only)

01. मोहम्मद मुजम्मिल
02. सैय्यद अल्फहद जमाल

विभाग की छात्रा **सुश्री शीरी फातिमा** को एन0सी0सी0 में नेशनल लेवर पर ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी चेन्नई कैम्प, 2024 में राज्यपाल महोदय द्वारा सम्मानित किया गया।

विभाग के छात्र **श्री शुभम कुमार सिंह** को नोवां दीक्षान्त समारोह, 2024 में राज्यपाल महोदय चाल्सलर मेडल से सम्मानित किया गया।

गृह विज्ञान विभाग

गृह विज्ञान विभाग की स्थापना ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में वर्ष 2013 में हुई। गृह विज्ञान विभाग में विद्यार्थियों को जीवनोपयोगी कौशल, पोषणविज्ञान, वस्त्र एवं परिधान निर्माण, बालविकास, संसाधन प्रबंधन और परिवारिक अध्ययन से संबंधित ज्ञान प्रदान किया जाता है। यह विभाग छात्रों के सर्वांगीण विकास, व्यावसायिक दक्षता और आत्म निर्भरता को बढ़ावा देने के लिए सैद्धांतिक और प्रायोगिक दोनों प्रकार की शिक्षा पर बल देता है। यहाँ आधुनिक शिक्षण प्रणाली जैसे स्मार्ट बोर्ड द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षा दी जाती है। गृह विज्ञान पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ बहु–विषयक होना, व्यावहारिक कौशल प्रदान करना और व्यक्तिगत व सामाजिक जीवन को बेहतर बनाना है। इस कोर्स में खाद्य और पोषण, मानवविकास, संसाधन प्रबंधन, वस्त्र और परिधान जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं, जो विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अवसर देते हैं, जैसे कि न्यूट्रिशनिस्ट, इंटीरियर डिजाइनर, फैशन डिजाइनर या सामुदायिक कार्यकर्ता आदि।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- ❖ स्नातक(बी0ए0)
- ❖ स्नातकोत्तर(एम0 ए0)
- ❖ पीएचडी

पाठ्यक्रम के ढाँचे को संतुलित रखते हुए सैद्धांतिक और प्रायोगिक दोनों पहलुओं पर ध्यान दिया जाता है, और यह विद्यार्थियों को मजबूत आधार प्रदान करता है। जटिल विषयों और विश्लेषणात्मक कौशलों पर जोर दिया गया है विशेषकर परास्नातक स्तर पर उच्चस्तरीय अध्यन, शोध कार्य एवं परियोजनाओं पर आधारित गतिविधियो पर बल दिया जाता है। इस विषय में केस स्टडीज, कार्यशालाएं (Workshops), अतिथिव्याख्यान (Guest Lectures), और इंटर्नशिप सहित व्यावहारिक और वास्तविक जीवन के अनुभव शामिल हैं।

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
डॉ. तत्हीर फात्मा	सह–आचार्य / विभागाध्यक्ष	यूजीसी–नेट, पीएच.डी.	मानव विकास	21 वर्ष
डॉ. कल्पना देवी	सहायक–आचार्य	यूजीसी–नेट / जे.आर.एफ,.पीएच.डी.	मानव विकास	4 वर्ष
डॉ. कीर्तिमा सचान	सहायक–आचार्य	पीएच.डी.	पारिवारिक संसाधन प्रबंधन	4 वर्ष

विगत दीक्षांत समारोह के पश्चात प्राप्त उपलब्धियाँ (शिक्षकवार) –

नाम	प्रकाशित शोध पत्र	संगोष्ठियों
डॉ. तत्हीर फात्मा	1."कोविड–19 कोरोना महामारी के दौरान डॉक्टरों द्वारा उपयोग किए जाने वाले पीपीई (व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण) किट की सुविधा और उपयोगिता", अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक अनुसंधान और विकास पत्रिका	NEP 2020 के तहत शिक्षकों की क्षमता निर्माण हेतु राष्ट्रीय संगोष्ठी– भारत / 2047 के विजन के साथ भविष्य का निर्माण
		अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं कार्यशाला ''विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण''
		अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली – आवश्यकता और चुनौतियाँ
		उद्योग की आवश्यकता के अनुरूप व्यावसायिक पाठ्यक्रम को अद्यतन करने में आने वाली चुनौतियों पर शोधपत्र प्रस्तुत किया गया

- ❖ गृह विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. तत्हीर फात्मा को सोशल रिसर्च फाउंडेशन द्वारा २७ अप्रैल २०२५ को सर्वश्रेष्ठ शिक्षाविद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

- ❖ **विभागीय गतिविधियाँ –**

दृष्टि सामाजिक संस्थान में दान अभियान एक छोटा सा सहयोग, एक बड़ा बदलाव।

''राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर आंचलिक विज्ञान नगरी का भ्रमण''

"अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह परवृक्षारोपण अभियान"

स्तनपान सप्ताह पर पोस्टर प्रतियोगिता–''स्तनपान कराएं, बच्चे को रोगों से बचाएं''

रक्षा की डोरी में बंधा है तिरंगा, हर घर में लहराना है तिरंगा।

अन्य किसी प्रकार की उपलब्धि / सूचना का विवरण।–

- ❖ गृह विज्ञान विभाग ने 13 से 20 फरवरी तक दान अभियान चलाया, जिसका समापन 22 फरवरी को दृष्टि संस्थान भ्रमण के साथ हुआ। छात्रों और शिक्षकों ने संस्थान के निवासियों से संवाद कर सहयोग प्रदान किया। इस पहल ने छात्रों में सहानुभूति, करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को प्रबल किया।
- ❖ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ८ मार्च २०२५ को विभाग में वृक्षारोपण किया गया। इस कार्यक्रम में आईटी कॉलेज, लखनऊ, की प्रो0 रचना मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। छात्राओं ने अतिथि के साथ इनडोर पौधे लाकर वृक्षारोपण किया। मुख्य अतिथि ने ''महिलाएँ और स्वास्थ्य'' विषय पर एक विस्तृत व्याख्यान भी दिया।
- ❖ माननीय कुलपति प्रो0 अजय तनेजा के मार्गदर्शन और डॉ. तल्हीर फात्मा के गतिशील नेतृत्व में, 28 और 29 अप्रैल 2025 को विश्वविद्यालय में एक पूर्व छात्र बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, संकाय, साथियों और वर्तमान छात्रों के साथ गर्मजोशी से जुड़कर अपनी खुशियाँ और अनुभव साझा किए।
- ❖ १ से ७ अगस्त २०२५ तक विश्व स्तनपान सप्ताह का सफलतापूर्वक आयोजन किया। विभाग द्वारा ''स्तनपान सप्ताह'' के उपलक्ष्य में दिनाँक १ अगस्त को पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियाँ विद्यार्थियों में नवचार और संवेदनशीलता का विकास करती है। कार्यक्रम की श्रंखला में ४ अगस्त २०२५ को विभागाध्यक्ष डॉ. तल्हीर फात्मा ने छात्रों को स्तनपान के लाभों और आवश्यकताओं के बारे में जागरूक किया। उन्होने इस बात पर जोर दिया कि यह केवल एक माँ की ही जिम्मेदारी नहीं है , बल्कि पुरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।
- ❖ विभाग द्वारा "हर घर तिरंगा" की मुहीम के अवसर पर दिनांक 7 अगस्त २०२५ को "राखी बनाओ प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समापन पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा ने सभी प्रतिभागियों को उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा,"इस तरह के आयोजन रचनात्मकता को पोषित करने, सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देने और छात्रों में एकता की भावना को प्रबल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- ❖ 1 से 7 सितंबर "राष्ट्रीय पोषण सप्ताह" इस वर्ष भी माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के संरक्षण में मनाया गया। 1 सितंबर को गृह विज्ञान विभाग में नो फ्लेम कुकिंग का आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने बिना आंच के स्वादिष्ट विभिन्न व्यंजन जैसे वेजिटेबल बाइट्स, खीरा शरबत, मोजिटो, पान लड्डू आदि बनाए। 3 सितंबर 2025 को ''बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के लिए पौष्टिक भोजन'' विषय पर एक विशेष व्याख्यान हुआ, जिसमें प्रो. रचना मिश्रा ने पोषण तत्त्वों की जानकारी दी। 4 सितंबर 2025 को नरहरपुर गाँव के एच.ए.एन. पब्लिक स्कूल में स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में छात्र–छात्राओं और शिक्षकों का BMI मापा गया, जिससे पोषण की कमी वाले बच्चों को आवश्यक सुझाव दिए गए। विभाग की शिक्षिकाओं के बच्चों को संतुलित आहार और स्वच्छता के बारे में जागरूक किया। यह कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्र में पोषण एवं स्वास्थ्य जागरूकता के लिए एक सराहनीय पहल था।

जन्तु विज्ञान विभाग

जन्तु विज्ञान विभाग वर्ष 2021 में बीएससी ऑनर्स जूलॉजी के रूप में स्थापित किया गया था। अपने स्थापना वर्ष से ही जन्तुविज्ञान विभाग शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, विज्ञान संकाय, डॉ. तत्हीर फात्मा के सक्षम मार्गदर्शन में किया जा रहा है। जन्तुविज्ञान की कक्षाओं एवं प्रोयगात्मक/व्यावहारिक प्रदर्शनों का क्रियान्वयन विभाग के सहायक आचार्यों डॉ. आसिफ़ जाफ़री एवं डॉ. रतनेश सिंह द्वारा विभागीय समय सारणी के अनुसार किया जाता है। वर्तमान में विभाग में स्नातक स्तर पर बी.एससी. (जूलॉजी) का संचालन किया जा रहा है, जिसमें जन्तुविज्ञान प्रथम प्रमुख विषय के रूप में 60 विद्यार्थी (49:11 के अनुपात में छात्ररू छात्राएँ) एवं जन्तुविज्ञान द्वितीय प्रमुख विषय के रूप में लगभग 123 विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम में अध्ययनरत हैं। जन्तुविज्ञान विभाग में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा वैज्ञानिक सोच क्रियान्वयन के लिए समय– समय पर विभिन्न शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक संस्थाओ का भ्रमण कराया जाता है ताकि वह व्यावहारिक अनुभव के द्वारा उच्च कोटि शैक्षिक योग्यताओ से अपना उत्कृष्ट करियर निर्माण कर सकें।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- बी.एससी. जन्तुविज्ञान

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
डॉ. आसिफ़ जाफ़री	सहायक आचार्य	पीएच.डी. (जन्तुविज्ञान)	जन्तुविज्ञान, आणविक जीवविज्ञान, इवोलशनरी बायोलॉजी, अनुवांशिकी, जैवरसायन, साईटोलॉजी, इथोलॉजी, इकनोमिक जूलॉजी, इत्यादि।	6 वर्ष
डॉ. रतनेश सिंह	सहायक आचार्य	पीएच.डी. (जन्तु विज्ञान)	सामान्य जंतु विज्ञान, परजीवी विज्ञान, मॉलिक्यूलर बायोलॉजी	3 वर्ष

विगत दीक्षांत समारोह के पश्चात प्राप्त उपलब्धियाँ (शिक्षकवार) –

- जन्तु विज्ञान विभाग के शिक्षकों द्वारा विभाग में संचालित विभागीय पुस्तकालय में कुछ नई संदर्भ पुस्तकें जोड़ी गई, जिससे नवागंतुक विद्यार्थीओ को अध्ययन में सुविधा हो रही है।
- जन्तु विज्ञान विभाग के शिक्षकों द्वारा विभाग में एक छोटा जन्तु संग्रहालय बनाया गया है, जिससे विद्यार्थियों के लिए प्रायोगिक प्रशिक्षण की सुविधा बढ़ गई है एवं विद्यार्थी जीवो को पास से देखकर उत्साहित तथा उनके बारे में जानकारी कर उनके संरक्षण के लिए उत्साहित हो रहे है।

विभागीय गतिविधियाँ –

पृथ्वी दिवस के अवसर पर 22 अप्रैल 2025 जन्तु विज्ञान विभाग के विद्यार्थोयों को कुकरैल रिज़र्व फारेस्ट का भ्रमण कराया गया एवं फारेस्ट ऑफिसर्स/संरक्षक वैज्ञानिको द्वारा विद्यार्थोयों के लिए पृथ्वी एवं जीवो के संरक्षण पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा विश्वविद्यालय में हॉर्नबिल सप्ताह के अवसर पर दिसम्बर के प्रथम सप्ताह में विद्यार्थीओ के बीच पोस्टर एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, साथ ही साथ विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सबका उत्साहवर्धन किया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर जन्तु विज्ञान विभाग के छात्र–छात्राओ को 28 फ़रवरी 2025 को आंचलिक विज्ञान नगरी, लखनऊ का शैक्षिक भ्रमण एवं "विज्ञान के विभिन्न आयाम" विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया, साथ ही साथ विद्यार्थियों को रोबोटिक्स एवं अर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर कार्यशाल में प्रतिभाग का भी अवसर प्राप्त हुआ।

जन्तु विज्ञान विभाग के विद्यार्थिओं एवं शिक्षकों द्वारा शैक्षणिक विस्तार गतिविधि के तहत दिसम्बर 2025 को विश्वविद्यालय के निकट अलीम इंस्टिट्यूट ऑफ़ मॉडर्न स्टडीज़ स्कूल, चौक, लखनऊ के बच्चो को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, साथ ही प्रतिभागिओ को प्रोत्साहित करके उनका उत्साहवर्धन किया गया।

अन्य उपलब्धि / सूचना:

- ❖ विभाग में नए शैक्षणिक सत्र से में परस्नताक डिग्री के लिए योजना तैयार है एवं नवीन शैक्षणिक सत्र से शैक्षणिक गतिविधियों के साथ शोध गतिविधियों में भी जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

जैव प्रौद्योगिकी विभाग की स्थापना वर्ष 2020 में की गई थी। विभाग का संचालन विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता डॉ. तत्हीर फात्मा के नेतृत्व में किया जा रहा है। कक्षाओं का समन्वयन डॉ. दिलीप कुमार एवं डॉ. नलिनी धस्माना (सहायक आचार्य, अस्थायी) द्वारा किया जाता है। विभाग में स्नातक स्तर पर बी.एससी. (जैव प्रौद्योगिकी) का पाठ्यक्रम संचालित है। वर्तमान में 131 विद्यार्थी (59:61 के अनुपात में छात्र–छात्राएँ) इस पाठ्यक्रम में नामांकित हैं। विभाग विद्यार्थियों को शैक्षणिक कठोरता, व्यावहारिक अनुभव एवं व्यावसायिक विकास के अवसरों के साथ उत्कृष्ट करियर निर्माण हेतु मंच प्रदान करता है। शैक्षणिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए परामर्श सत्र आयोजित किए जाते हैं। समय समय पर विद्यार्थियों को जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न करियर अवसरों की जानकारी भी प्रदान की जाती है।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- ❖ बी.एससी. जैव प्रौद्योगिकी

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
डॉ. दिलीप कुमार	सहायक आचार्य (अस्थायी)	पीएच.डी. (बायोकैमिस्ट्री)	आणविक जीवविज्ञान, अनुवांशिकी, जैव रसायन	3 वर्ष
डॉ. नलिनी धस्माना	सहायक आचार्य (अस्थायी)	पीएच.डी. (जेनेटिक्स)	आणविक जीवविज्ञान, अनुवांशिकी, जैव रसायन	5 वर्ष 8 माह

विभागीय गतिविधियाँ –

14 अगस्त 2025 को "हरघर तिरंगा" थीम के अंतर्गत क्विज़, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग एवं निबंध लेखन प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। जिनमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

23 जुलाई 2025 को बी.एससी. जैव प्रौद्योगिकी के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक भ्रमण एवं ष्प्रोफेसर सी.एल. खेतरपाल स्मृति व्याख्यानष तथा सीबीएमआर के 19वें वार्षिकोत्सव में सहभागिता का आयोजन किया गया।

रसायन विज्ञान विभाग

रसायन विज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष 2022 में की गई थी। विभाग रसायन विज्ञान के अध्ययन और अनुसंधान पर केंद्रित है। विभाग का संचालन विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता डॉ. तत्हीर फात्मा के नेतृत्व में किया जा रहा है। कक्षाओं का समन्वयन डॉ. अजय कुमार यादव (सहायक आचार्य) द्वारा किया जाता है। विभाग में स्नातक स्तर पर बी.एससी. (रसायन विज्ञान) का पाठ्यक्रम संचालित है। वर्तमान में 22 छात्र/छात्राएँ इस पाठ्यक्रम में नामांकित हैं। इस विभाग में छात्रों को रसायन विज्ञान के मूलभूत सिद्धांतों और अनुप्रयोगों के बारे में पढ़ाया जाता है। विभाग विद्यार्थियों को शैक्षणिक कठोरता, व्यावहारिक अनुभव एवं व्यावसायिक विकास के अवसरों के साथ उत्कृष्ट करियर निर्माण हेतु मंच प्रदान करता है। शैक्षणिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए परामर्श सत्र आयोजित किए जाते हैं। समय समय पर विद्यार्थियों को रसायन विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न करियर अवसरों की जानकारी भी प्रदान की जाती है।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- ❖ बी.एससी. रसायन विज्ञान

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
डॉ. अजय कुमार यादव	सहायक आचार्य	पीएच.डी., सीएसआईआर–यूजीसी नेट (10 वीं रैंक)	कार्बनिक रसायन विज्ञान, नवीन सिंथेटिक पद्धतियों का विकास और औषधीय रसायन विज्ञान	08 वर्ष (शिक्षण) एवं 04 वर्ष (शोध)

विभागीय गतिविधियाँ –

भारतीय रसायनशास्त्र के जनक आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के जन्मदिन के अवसर पर रसायन विज्ञान दिवस 2025 मनाया गया। रसायन विज्ञान विभाग, ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय और भारतीय रसायन विज्ञान परिषद द्वारा संयुक्त रूप से 2 अगस्त 2025 को आयोजित किया गया।

14 अगस्त 2025 को "हरघर तिरंगा" थीम के अंतर्गत क्विज़, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग एवं निबंध लेखन प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। जिनमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

वनस्पति शास्त्र विभाग

वनस्पति शास्त्र विभाग की स्थापना वर्ष 2022 में की गई थी। विभाग का संचालन विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता डॉ. तत्हीर फात्मा के नेतृत्व में किया जा रहा है। कक्षाओं का समन्वयन डॉ. मोहम्मद जाहिद (सहायक आचार्य) द्वारा किया जाता है। विभाग में स्नातक स्तर पर बी.एससी. (वनस्पति शास्त्र) का पाठ्यक्रम संचालित है। वर्तमान में 66 विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम में अध्ययन करते हैं, विभाग विद्यार्थियों को शैक्षणिक कठोरता, व्यावहारिक अनुभव एवं व्यावसायिक विकास के अवसरों के साथ उत्कृष्ट करियर निर्माण हेतु मंच प्रदान करता है। शैक्षणिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए परामर्श सत्र आयोजित किए जाते हैं। समय समय पर विद्यार्थियों को वनस्पति शास्त्र क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न करियर अवसरों की जानकारी भी प्रदान की जाती है।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

❖ बी.एससी. वनस्पति शास्त्र

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
डॉ. मोहम्मद जाहिद	सहायक आचार्य	पी. एच.डी., सीएसआईआर–यूजीसी नेट–जेआरएफ	पौधों का शारीरिक विज्ञान, पौधों की वर्गीकरणशास्त्र अनुवांशिकी, जैव रसायन	3 वर्ष (शिक्षण)

विभागीय गतिविधियाँ –

14 अगस्त 2025 को ''हरघर तिरंगा'' थीम के अंतर्गत क्विज़, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग एवं निबंध लेखन प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। जिनमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष 2022 में की गई थी। इसका संचालन विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता डॉ. तत्हीर फात्मा के नेतृत्व में किया जा रहा है। विभाग में वर्तमान में दो अस्थायी सहायक प्राध्यापक, डॉ. वंदिता और डॉ. शालिनी सिंह कार्यरत् हैं तथा यहाँ 40 विद्यार्थी नामांकित हैं। विभाग स्नातक स्तर पर बी.एससी. (सूक्ष्मजीव विज्ञान) का पूर्णकालिक कार्यक्रम संचालित करता है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को ठोस आधारभूत ज्ञान और अनुप्रयुक्त कौशल से सुसज्जित करना है। उदीयमान वैज्ञानिकों के लिए एक सशक्त केंद्र के रूप में, यह विभाग शैक्षणिक उत्कृष्टता, व्यावहारिक प्रशिक्षण तथा व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करता है। विभाग का दृष्टिकोण (Vision) शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में उत्कृष्टता प्राप्त करना है, साथ ही शिक्षार्थियों को जिम्मेदार, नैतिक, रचनात्मक एवं संवेदनशील नागरिक बनाना है ताकि वे समाज में सार्थक योगदान दे सकें। सतत सुधार, नवाचार तथा समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्ध यह विभाग, विद्यार्थियों के लिए सूक्ष्मजीव विज्ञान के क्षेत्र में विविध करियर अवसरों के द्वार खोलने का प्रयास करता है।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- स्नातक कार्यक्रम (बी.एससी. सूक्ष्मजीव विज्ञान)

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
डॉ. वंदिता	अतिथि प्राध्यापक	पीएच.डी.	नैनोबायोटेक्नोलॉजी, सूक्ष्मजीव विज्ञान	1 वर्ष
डॉ. शालिनी सिंह	अतिथि प्राध्यापक	पीएच.डी.	सूक्ष्मजीव विज्ञान, औषधि आनुवंशिकी, आणविक जीवविज्ञान	1 वर्ष

विगत दीक्षांत समारोह के पश्चात प्राप्त उपलब्धियाँ (शिक्षकवार) –

- प्रकाशित शोध पत्र , संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं का आयोजन एवं सहभागिता , पेटेंट , समझौता ज्ञापन , पुस्तक प्रकाशन आदि
- डॉ. वंदिता द्वारा एक शोध पत्र प्रकाशित किया गया है।
- दीपक कुमार एवं वंदिता आनंद. ''अपशिष्ट जल के उपचार हेतु फोटो–उत्प्रेरण में टेट्राज़ोल समूह एवं अम्लीय समूह के अनुप्रयोग पर एक समीक्षात्मक अध्ययन'' एलपीसीपीएस ELIXIR: ए मल्टीडिसिप्लिनरी इंटरनेशनल जर्नल, खंड 9(1); 2025

विभागीय गतिविधियाँ –

बी.एससी. विद्यार्थियों एवं के.एम.सी.एल.यू. के संकाय सदस्यों ने द्वितीय प्रोफेसर सी.एल. खेतरपाल स्मृति व्याख्यान तथा सी.बी.एम.आर. का 19वाँ वार्षिकोत्सव में सहभागिता की, जो 23 जुलाई 2025 को सी.वी. रमन सभागार, एस.जी.पी.जी.आई.एम.एस., लखनऊ में आयोजित किया गया।

"हर घर तिरंगा" विषय पर 14 अगस्त 2025 को पोस्टर निर्माण, नारा लेखन, निबंध लेखन एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

वाणिज्य संकाय

वाणिज्य विभाग

वाणिज्य विभाग का उद्देश्य छात्रों को व्यापार, प्रबंधन एवं वित्तीय क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करना है। विभाग में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध स्तर के पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं। अनुभवी शिक्षकों एवं आधुनिक शिक्षण विधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ–साथ व्यवहारिक अनुभव भी प्रदान किया जाता है। विभाग समय–समय पर संगोष्ठी, कार्यशाला, औद्योगिक भ्रमण एवं अतिथि व्याख्यान का आयोजन करता है। अनुसंधान व नवाचार को बढ़ावा देने हेतु विभाग विभिन्न संस्थानों एवं उद्योगों के साथ सहयोग करता है। विभाग के पूर्व छात्र विभिन्न सरकारी, निजी एवं स्व–रोज़गार क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- ❖ बी.कॉम (स्नातक)
- ❖ एम.कॉम (स्नातकोत्तर)
- ❖ पीएच.डी. (शोध)
- ❖ डिप्लोमा / प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (जीएसटी में यूजी डिप्लोमा और पूंजी बाजार एवं निवेश में पीजी डिप्लोमा)
- ❖ सर्टिफिकेट कोर्स (सीपी उद्यमिता स्टार्टअप और पारिवारिक व्यवसाय ,वित्तीय मॉडलिंग और मूल्यांकन विश्लेषक)

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	अनुभव (वर्ष)
डॉ. नीरज शुक्ल	सहायक आचार्य	एम.कॉम, बी.एड, पीएच.डी	24 वर्ष
डॉ. मनीष कुमार	सहायक आचार्य	एम.कॉम, पीएच.डी	14 वर्ष
सुश्री अफरीन फ़ातिमा	सहायक आचार्य	एम.कॉम, यूजीसी–नेट	5 वर्ष
डॉ. ज़ैबुन निसा	सहायक आचार्य	एम.कॉम, यूजीसी–नेट, पीएच.डी	9 वर्ष
डॉ. अनुभव तिवारी	सहायक आचार्य	एम.कॉम, यूजीसी–नेट, पीएच.डी	12 वर्ष
डॉ. मृदुल सोनी	सहायक आचार्य	एम.कॉम, पीएच.डी	10 वर्ष
श्री रंजीत कुमार	सहायक आचार्य	एम.कॉम, यूजीसी–नेट	02 वर्ष

विगत दीक्षांत समारोह के पश्चात प्राप्त उपलब्धियाँ (शिक्षकवार) –

नाम	प्रकाशित शोध पत्र	संगोष्ठी / कार्यशाला(आयोजन) / (सहभागिता)	संगोष्ठी / कार्यशाला / पेटेंट	पुस्तक प्रकाशन
डॉ. नीरज शुक्ला	–	–	–	–
डॉ. मनीष कुमार	–	–	01	
सुश्री अफरीन फ़ातिमा	–	01	01	–
डॉ. ज़ैबुन निसा	03	04	01	–
डॉ. अनुभव तिवारी	–	–	–	–
डॉ. मृदुल सोनी	–	–	–	–
श्री रंजीत कुमार	–	01	–	–

विभागीय गतिविधियाँ –

क्र.सं.	गतिविधि का शीर्षक	तिथि	आयोजक	प्रायोजक	प्रतिभागियों की संख्या
1	उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	4 मार्च 2025	एंटरप्राइज फैसिलिटेशन सेंटर, लखनऊ	विकास आयुक्त (एमएसएमई)	116
2	अंतःक्रियात्मक सत्र – उद्यमिता : अपना स्टार्ट–अप शुरू करें	25 फरवरी 2025	यूपीईएस एवं ग्लोबल यूनिवर्सिटी सिस्टम	–	95
3	उद्यमिता एक्सपो 2024	14 नवम्बर 2024	विभाग	–	125
4	परिचयओरिएंटेशन कार्यक्रम	9 अक्टूबर 2024	विभाग	–	119

"विजन बियॉन्ड साइट" – व्हाइट केन डे उत्सव

"खुश, बेहतर और समझदार करियर विकल्प हेतु परामर्श"

"शैक्षणिक एवं प्रशासनिक उत्कृष्टता के लिए एमएस एक्सेल" कार्यशाला

"चाणक्य 2024–संभावना से समाधान तक" उद्यमिता विकास कार्यशाला

व्यवसाय प्रशासन विभाग

व्यवसाय प्रशासन विभाग की स्थापना वर्ष 2013 में की गई थी। यह विभाग उन छात्रों के लिए एक सर्वांगीण मंच के रूप में कार्य करता है, जो व्यवसाय में सफल करियर बनाना चाहते हैं। यहाँ शैक्षणिक कठोरता, व्यावहारिक अनुभव, और पेशेवर विकास के अवसरों का समावेश है ।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- ❖ बी.बी.ए. (नियमित) / बी.बी.ए. (स्ववित्तपोषित)
- ❖ एम.बी.ए. (नियमित) / एम.बी.ए. (स्ववित्तपोषित)
- ❖ पीएच.डी. (वित्त, विपणन एवं मानव संसाधन में विशेषज्ञता सहित)

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
प्रोफेसर सैयद हैदर अली	डीन, प्रोफेसर	पीएच.डी	सामान्य प्रबंधन एवं आईटी	25 वर्ष
प्रोफेसर मुशीर अहमद	अध्यक्ष	पीएच.डी	मानव संसाधन एवं श्रम कानून	22 वर्ष
डॉ. अताउर रहमान आज़मी	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी	वित्त	13 वर्ष
डॉ. दोआ नक़वी	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी	वित्त	13 वर्ष
डॉ. अनामिका सिंह	सहायक आचार्य	पीएच.डी	एचआरएम	05 वर्ष
डॉ. हिनादी अकबर	सहायक आचार्य	पीएच.डी	एचआर/ओबी	4.5 वर्ष
डॉ. सुषमा एस. मौर्य	सहायक आचार्य	पीएच.डी	अर्थशास्त्र	13 वर्ष
डॉ. मधुरी चौहान	सहायक आचार्य	पीएच.डी	एचआरएम	07 वर्ष
डॉ. युसैरा अहमद	सहायक आचार्य	पीएच.डी	उद्यमिता	05 वर्ष

विभाग में कुल 09 संकायी सदस्य हैं, जिनमें 04 नियमित (01 प्रोफेसर, 01 सहयोगी प्रोफेसर, और 02 सहायक प्रोफेसर) तथा 05 अस्थायी सहायक प्रोफेसर शामिल हैं ।

शोध परियोजनाएँ

- ❖ "सरकारी व निजी संस्थानों में मानव मूल्य व व्यावसायिक नैतिकता के प्रति छात्रों की धारणा की तुलनात्मक अन्वेषणा" (2024, चल रही) – रू0 4,00,000/–

अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय शोध–पत्र

- The Mediating Role of Job Satisfaction in the Relationship between Psychological Contract and Employee Engagement: A Study on Private Sector Higher Education Institutions (Prof. Syed Haider Ali), Journal of Informatics Education and Research ISSN: 1526-4726Vol 4 Issue 3 (2024)
- An empirical study on the economic impact of cybersecurity breaches and computer fraud on SMEs, Journal of Information Systems Engineering and Management, 2025, 10(7s) e-ISSN: 2468-4376 https://www.jisem-journal.com/ (Scopus) (Dr. Doa Naqvi)
- A Consumer's View of the Effect of Corporate Social Responsibility on Purchase Intention, International Journal of Advance Research in Computer Science and Management Studies, Volume 13, Issue 1, January 2025 (Peer Reviewed) DOI: https://doi.org/10.61161/ijarcsms.v13i2.1(Dr. Doa Naqvi)
- Motivating Factors Influencing Women Entrepreneurs in choosing the Chikankari Business, International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR), Volume 7, Issue 1, January-February 2025, E-ISSN: 2582-2160 (Peer Reviewed) (Dr. Doa Naqvi)
- Contribution of Eco-friendly products in Sustainable Development - Case of Social Innovation in Uttar Pradesh - BSSS Journal of Management: Print ISSN (Print) – 0975-7236, E-ISSN – 2582-4643, Vol. XV, Issue – I (2024), pp. 17-35 (Peer Reviewed) (Dr. Doa Naqvi)
- "Talent Management: A review and research agenda" published by Global Business and Organizational Excellence, Wiley Periodicals, LLC, Vol 44, No. 6, 2025, ISSN No. 1932-2062 [SCOPUS (Q1), ABDC-C] (Dr. Hinadi Akbar)

पेटेंट –

क्रम	आवेदन संख्या	आविष्कारक	शीर्षक	दिनांक	स्थिति
1	202511027359	प्रो. सैयद हैदर अली	एआई–आधारित वैयक्तिकृत अधिगम मंच	24.03.2025	प्रकाशित
2	447924–001	प्रो. सैयद हैदर अली	मॉड्यूलर फिल्टरेशन बोतल विद डिटैचेबल सिव	13.02.2025	प्रगति पर
3	445898–001	प्रो. सैयद हैदर अली	स्टडी टेबल पर कार्य	29.01.2025	प्रगति पर

पुरस्कार

- प्रो. मुशीर अहमद – नवोदय सम्मान, 2025 (राष्ट्रीय)

सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशाला / करियर मार्गदर्शन, प्रशिक्षण व प्लेसमेंट गतिविधियाँ

- Workshop on "Mastering MS Excel for Academic & Administrative Excellence"
- Workshop on "IPR, Patent & Design Filing" in Association with Rajiv Gandhi National Institute of Intellectual Property Management (RGNIIPM, Nagpur) Under the National Intellectual Property Awareness Mission (NIPAM)
- Two Day Workshop on "Stock Market Investment through Technical Analysis" for more than 200 students from the Faculty of Commerce with a special session on "Careers in Stock Market Trading" (11-12 September, 2024)
- "Chanakya-2024" a Business Pitching competition, encouraging entrepreneurial acumen among students (28th September, 2024)
- Workshop on "Building the future : Empowering Student Entreprenuers" in collaboration with CM Yuva Mission (23rd April, 2025)
- FDP on 'NEP Orientation & Sensitization' jointly organized by KMCLU and NIEPA, New Delhi under the UGC-MMTTC Scheme of the Ministry of Education. (27th Aug. 2025 - 04th Sept. 2025)

विभागीय गतिविधियाँ –

"शैक्षणिक एवं प्रशासनिक उत्कृष्टता के लिए एमएस एक्सेल" कार्यशाला

"चाणक्य 2024–संभावना से समाधान तक" उद्यमिता विकास कार्यशाला

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय

अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं मानविकी विभाग

अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं मानविकी विभाग, ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के अंतर्गत 2019 से संचालित है। यह विभाग विश्वविद्यालय के शैक्षणिक ढाँचे की नींव को मजबूत करने वाला स्तंभ है, जो विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा की प्रारम्भिक अवस्था में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक सोच और मानवीय मूल्यों से परिपूर्ण करता है। यह विभाग इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी के विद्यार्थियों को मौलिक विज्ञानों – भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित ,विद्युत अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी, प्रबंधन, पर्यावरण विज्ञान तथा अंग्रेजी का सुदृढ़ आधार प्रदान करता है। इन विषयों के माध्यम से छात्र न केवल सैद्धांतिक ज्ञान अर्जित करते हैं, बल्कि उन्हें प्रायोगिक प्रयोगशालाओं, कार्यशालाओं और परियोजनाओं के माध्यम से व्यवहारिक अनुभव भी प्रदान किया जाता है।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

क्रम	पाठ्यक्रम (Course)	विवरण
1	विद्युत अभियांत्रिकी	इसमें बिजली उत्पादन, वितरण एवं उपयोग की तकनीकों का अध्ययन कराया जाता है।
2	इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी	इसमें इलेक्ट्रॉनिक परिपथ, उपकरण, संचार प्रणाली और आधुनिक तकनीक का अध्ययन कराया जाता है।
3	भौतिकी	इसमें पदार्थ, ऊर्जा और उनके नियमों का वैज्ञानिक का अध्ययन कराया जाता है।
4	रसायन विज्ञान	इसमें पदार्थों की संरचना, गुणधर्म और अभिक्रियाओं का अध्ययन कराया जाता है।
5	गणित	इसमें व्यावहारिक गणित का अध्ययन कराया जाता है।
6	व्यावसायिक पाठ्यक्रम एवं प्रबंधन	ऐसे पाठ्यक्रम जो सीधे रोजगार/कैरियर से जुड़े होते हैं। उनमें विद्यार्थियों को व्यावसायिक कौशल और प्रशिक्षण देना। इसमें संगठन संचालन, नेतृत्व, विपणन, वित्त और संसाधन प्रबंधन पढ़ाया एवं सिखाया जाता है। इसमे विद्यार्थियों को प्रशासनिक एवं प्रबंधकीय कौशल से दक्ष बनाया जाता है।
7	अंग्रेजी	इसमे संचार कौशल का विकास का अध्ययन कराया जाता है।
8	गणित	पीएच.डी.
9	रसायन विज्ञान	पीएच.डी.

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
डॉ. राजेंद्र कुमार त्रिपाठी	सह–आचार्य, निदेशक	M.Sc. (Maths) Ph.D	Applied Mathematics	20 वर्ष
डॉ. शावेज अली सिद्दीकी	सहायक आचार्य	M.Sc. (Maths) Ph.D	Applied Mathematics	19 वर्ष
डॉ. अभय कृष्णा	सहायक आचार्य	Ph.D	Computer Added drug Design	06 वर्ष
श्री. अप्रतिम चटर्जी	सहायक आचार्य	MBA	Management	10 वर्ष
डॉ. बलराम प्रजापति	सहायक आचार्य	M.Sc, Ph.D	Pure Mathematics	05 वर्ष
डॉ. आर. आर अवस्थी	सहायक आचार्य	M.Sc. Ph.D	Applied Science (Physics)	05 वर्ष
डॉ. बी.बी नाथ	सहायक आचार्य	B.Tech,M.Tech, Ph.D	Electrical And Electronics	05 वर्ष
डॉ.ब्रजेश कुमार द्विवेदी	सहायक आचार्य	M.Sc. Ph.D	Bioremediation and Aquifer improvement approach	22 वर्ष
डॉ.विवेक सिंह	सहायक आचार्य	MBA Ph.D	Management	20 वर्ष
सुश्री खालिदा परवीन	सहायक आचार्य	UGC-NET, JRF	शैक्षणिक रुचि–क्षेत्रों में युद्ध साहित्य, सांस्कृतिक अध्ययन, प्रवासी अध्ययन, साहित्य एवं जनसंचार अध्ययन के साथ–साथ भारतीय, ब्रिटिश तथा अमेरिकी साहित्य शामिल हैं।	03 वर्ष

विगत दीक्षांत समारोह के पश्चात प्राप्त उपलब्धियाँ (शिक्षकवार) –

नाम	प्रकाशित शोध पत्र	पेटेंट	समझौता ज्ञापन	अध्याय प्रकाशन	संगोष्ठियाँ एवं कार्यशाला
डॉ. राजेंद्र कुमार त्रिपाठी	02	–	–	02	03
डॉ. शावेज अली सिद्दीकी	04	–	–	–	02
डॉ. अभय कृष्णा	02	–	–	–	02
श्री. अप्रतिम चटर्जी	–	–	–	–	01
डॉ. बलराम प्रजापति	–	–	–	–	04
डॉ. आर. आर अवस्थी	03	–	–	03	02
डॉ. बी.बी नाथ	02	–	–	–	02
डॉ.ब्रजेश कुमार द्विवेदी	03	01	–	01	05
डॉ.विवेक सिंह	02	–	–	–	03
सुश्री खालिदा परवीन	–	–	–	–	–

विभागीय गतिविधियाँ –

इंडक्शन कार्यक्रम का उद्घाटन

महिला समानता दिवस

इंडक्शन प्रोग्राम का समापन

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना सत्र 2019–2020 में हुई थी। यह विभाग संस्थान का सबसे बड़ा एवं सर्वाधिक लोकप्रिय विभाग है, जिसमें वर्तमान में लगभग 950 छात्र–छात्राएँ अध्ययनरत हैं। विभाग में आधुनिक तकनीकों पर आधारित तीन प्रमुख शाखाएँ संचालित की जा रही हैं कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (CSE), CSE (Artificial Intelligence & Machine Learning) तथा CSE (Artificial Intelligence & Data Science) विभाग की विशेष पहचान यहाँ स्थापित अत्याधुनिक AI Lab है, जो विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग तथा डेटा साइंस जैसे उन्नत क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं शोध की सुविधाएँ उपलब्ध कराती है।

विभाग का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उत्कृष्ट तकनीकी शिक्षा प्रदान कर उन्हें नवीनतम उद्योग आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना है। विभाग में उच्च कोटि की प्रयोगशालाएँ, समर्पित एवं योग्य संकाय सदस्य तथा शोधोन्मुख वातावरण उपलब्ध है। विद्यार्थियों को शोध परियोजनाओं, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, प्रशिक्षण एवं उद्योग–उन्मुख गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता का अवसर प्रदान किया जाता है। विभाग निरंतर नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और तकनीकी उत्कृष्टता को बढ़ावा देते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु सतत प्रयासरत है।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

❖ **स्नातक स्तर (UG)**

B.Tech (Computer Science & Engineering) – 4 वर्ष

B.Tech (CSE & Artificial Intelligence & Machine Learning) – 4 वर्ष

B.Tech (CSE & Artificial Intelligence & Data Science) – 4 वर्ष

❖ **स्नातकोत्तर स्तर (PG)**

M.Tech (CSE & Artificial Intelligence & Machine Learning) – 2 वर्ष

❖ **शोध स्तर (Ph.D.)**

Ph.D.(Computer Science & Engineering) – न्यूनतम 3 वर्ष

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
डॉ. सुमन कुमार मिश्र	एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.	सी0एस0ई0	19 वर्ष
डॉ. रामजीत सिंह यादव	एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.	सी0एस0ई0	24 वर्ष
डॉ. हेमंत कुमार सिंह	एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.	सी0एस0ई0	22 वर्ष
डॉ. मयूर राहुल	एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.	सी0एस0ई0	17 वर्ष
डॉ. शान–ए–फ़ातिमा	असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	सी0एस0ई0	08 वर्ष
डॉ. साइमा अलीम	असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	सी0एस0ई0	09 वर्ष
इं. तस्लीम जमाल	असिस्टेंट प्रोफेसर	एम.टेक.	सी0एस0ई0	09 वर्ष
इं. अमलेंद्र कुमार	असिस्टेंट प्रोफेसर	एम.टेक.	सी0एस0ई0	12 वर्ष
डॉ. बबली डॉली	असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	सी0एस0ई0	13 वर्ष
इं. प्रीति नवल	असिस्टेंट प्रोफेसर	एम.टेक.	सी0एस0ई0	08 वर्ष
इं. अंकिता अग्रवाल	असिस्टेंट प्रोफेसर	एम.टेक.	सी0एस0ई0	10 वर्ष
इं. अमन मिश्रा	असिस्टेंट प्रोफेसर	एम.टेक.	सी0एस0ई0	03 वर्ष
इं. दिगेश पाण्डेय	असिस्टेंट प्रोफेसर	एम.टेक.	सी0एस0ई0	04 वर्ष
मो. इमरान	असिस्टेंट प्रोफेसर	एम.टेक.	सी0एस0ई0	07 वर्ष
इं. कंचन सैनी	असिस्टेंट प्रोफेसर	एम.टेक.	सी0एस0ई0	05 वर्ष

विगत दीक्षांत समारोह के पश्चात प्राप्त उपलब्धियाँ (शिक्षकवार) –

विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स एवं कॉन्फ्रेंस में अनेक शोध पत्र प्रकाशित किए गए हैं। संकाय सदस्यों ने संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम्स का आयोजन एवं उनमें सक्रिय सहभागिता की है। विभाग ने पेटेंट दाखिल करने एवं पुस्तक प्रकाशन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। साथ ही उद्योगों एवं शैक्षणिक संस्थानों के साथ एमओयू (MoU) स्थापित कर विद्यार्थियों को प्रशिक्षण एवं शोध के नवीन अवसर प्रदान किए गए हैं।

नाम	प्रकाशित शोधपत्र	संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में सहभागिता	आयोजित संगोष्ठियाँ / कार्यशालाएँ	पेटेंट	समझौता ज्ञापन	पुस्तक प्रकाशन	अन्य उपलब्धियाँ
डॉ. सुमन कुमार मिश्र	3	3	2	1	1	1	2
डॉ. रामजीत सिंह यादव	2	2	–	–	–	1	1
डॉ. हेमंत कुमार सिंह	3	2	–	–	–	1	–
डॉ. मयूर राहुल	1	2	–	–	–	2	–
डॉ. शान–ए–फ़ातिमा	3	3	2	1	1	–	1
डॉ. साइमा अलीम	3	2	1	–	–	–	–
इं. तस्लीम जमाल	1	3	2	–	–	–	–
इं. अमलेंद्र कुमार	–	–	–	–	–	–	–
डॉ. बबली डॉली	3	2	1	3	–	–	–
इं. प्रीति नवल	1	2	1	–	–	–	–
इं. अंकिता अग्रवाल	1	2	1	–	–	–	–

नाम	प्रकाशित शोधपत्र	संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में सहभागिता	आयोजित संगोष्ठियाँ/कार्यशालाएँ	पेटेंट	समझौता ज्ञापन	पुस्तक प्रकाशन	अन्य उपलब्धियाँ
इं. अमन मिश्रा	2	1	1	–	–	–	–
इं. दिगेश पाण्डेय	1	2	1	1	–	–	–
मो. इमरान	3	2	2	–	–	1	–
इं. कंचन सैनी	2	1	–	–	–	–	–

विभागीय गतिविधियाँ –

AI Lab में विद्यार्थियों का प्रायोगिक प्रशिक्षण सत्र

राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर संकाय सदस्य एवं प्रतिभागी

छात्रों द्वारा विभिन्न हैकथन में प्रतिभागिता और विजय

श्री मिलिंद राज श्ड्रोन मैन ऑफ इंडियाश द्वारा छात्रों के लिए ली गई कार्यशाला

अन्य उपलब्धियाँ/सूचनाएँ –

विभाग के विद्यार्थियों ने विभिन्न तकनीकी एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। अनेक छात्र–छात्राओं को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों में सफलतापूर्वक प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है। विभाग में स्टार्टअप एवं इनोवेशन की संस्कृति को बढ़ावा देते हुए कई विद्यार्थियों ने नवीन परियोजनाएँ प्रारंभ की हैं। यह विभाग न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता बल्कि सामाजिक एवं व्यावसायिक उत्तरदायित्वों को भी समान रूप से निभा रहा है।

जैव प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी विभाग

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में जैव प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत शिक्षण पद्धति में सिद्धांत और प्रयोगात्मक कार्य दोनों पर समान बल दिया जाता है। छात्रों को प्रोजेक्ट, केस स्टडी, इंटर्नशिप और विभिन्न कार्यशालाओं से व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जाता है। विभाग में कई उन्नत प्रयोगशालाएँ स्थापित हैं, जैसे माइक्रोबायोलॉजी, मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, एंजाइम तथा फूड टेक्नोलॉजी लैब। इन प्रयोगशालाओं में छात्र पीसीआर मशीन, लैमिनार एयरफ्लो कैबिनेट, सेंट्रीफ्यूज जैसे आधुनिक उपकरणों का उपयोग सीखते हैं। प्लेसमेंट की दृष्टि से, विभाग से हर साल एक अच्छी संख्या में छात्र विभिन्न कंपनियों में चयनित होते हैं। औसतन छात्रों को संतोषजनक पैकेज मिलते हैं और योग्य उम्मीदवारों को उच्च पैकेज पाने का भी अवसर मिलता है। प्रमुख उद्योगों और कंपनियों से विश्वविद्यालय का संपर्क लगातार बढ़ रहा है, जिससे छात्रों को रोजगार के अधिक अवसर मिलते हैं। यह विभाग न केवल विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान प्रदान करता है बल्कि उन्हें भविष्य के करियर के लिए भी तैयार करता है। प्रशिक्षण, प्रयोगात्मक अनुभव और रोजगार अवसरों के संतुलन के कारण यह विभाग छात्रों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- बी.टेक. बायोटेक्नोलॉजी, बी.टेक. बायोटेक्नोलॉजी लेटरल एंट्री

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
डॉ. ममता शुक्ला	विभागाध्यक्ष	एम. एस., पी.एच.डी.	बायोकैमिस्ट्री, एण्टिऑक्सीडेंट, न्यूट्रास्यूटिकल्स	22 वर्ष
डॉ. मानवेंद्र सिंह	सहायक आचार्य	एम. एस., पी.एच.डी.	प्लांट बायोटेक्नोलॉजी	08 वर्ष
डॉ. इफ्फत अज़ीम	सहायक आचार्य	बी.टेक., एम. टेक., पी.एच. डी. (बायोटेक्नोलॉजी)	कैंसर बायोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स	8 वर्ष
धीरेन्द्र सिंह	सहायक आचार्य	बी.टेक., एम. टेक. (बायोटेक्नोलॉजी)	नैनों बायोटेक्नोलॉजी, फर्मेंटेशन बायोटेक्नोलॉजी, ड्रग डिजाइनिंग एंड डेवलपमेंट, मशीन लर्निंग एंड आर्टिफिशल इंटेलिजेंस	2 वर्ष 4 महीने
राशि श्रीवास्तव	सहायक आचार्य	बी.टेक., एम. टेक. (बायोटेक्नोलॉजी)	–	1 वर्ष, 6 महीने
शिवांशी त्रिपाठी	सहायक आचार्य	बी.टेक., एम. टेक. (बायोटेक्नोलॉजी)	कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी, सीएडीडी, स्ट्रिंग एनालिसिस, फर्मेन्टेशन टेक्नोलॉजी, मॉलिक्यूलर डॉकिंग	1 वर्ष, 6 महीने

विगत दीक्षांत समारोह के पश्चात प्राप्त उपलब्धियाँ (शिक्षकवार) –

पेटेंट्स –

- ❖ फाइटोकैमिकल विश्लेषण हेतु बहु–कक्षीय उपकरण (डॉ. ममता शुक्ला)
- ❖ विषाक्त पदार्थ का पता लगाने हेतु बायोसेंसर उपकरण (डॉ. ममता शुक्ला)

शोधपत्र –

- ❖ स्वास्थ्य लाभों हेतु शहतूत (Morus alba) पौधे के औषधीय गुणरू एक व्यापक समीक्षा (डॉ. ममता शुक्ला)
- ❖ मशीन लर्निंग आधारित आणविक मॉडलिंग द्वारा रासायनिक अभिक्रियाशीलता की भविष्यवाणी (डॉ. मानवेंद्र सिंह)
- ❖ जेनिटिक वैरिएबिलिटी इन अर्ली ग्रोथ ट्रेट्स ऐंड मॉलिक्यूलर प्रोफाइलिंग ऑफ सम एलीट शुगरकेन जीनोटाइप्स (राशि श्रीवास्तव, धीरेन्द्र सिंह, शिवांशी त्रिपाठी)
- ❖ अपस्ट्रीम ऐंड डाउनस्ट्रीम प्रोसेसिंग ऑफ बीयर प्रोडक्शन बाय सोरघम यूजिंग सैकरोमाइसीज़ सेरेविसीए यूजिंग हनी ऐज़ फ्लेवरिंग एजेंट (धीरेन्द्र सिंह, शिवांशी त्रिपाठी, राशि श्रीवास्तव)
- ❖ प्रोडक्शन ऑफ पेक्टिनेस एन्ज़ाइम यूजिंग एग्रीकल्चरल वेस्ट ऐज़ सॉलिड सब्सट्रेट यूजिंग सॉलिड स्टेट फर्मेन्टेशन (शिवांशी त्रिपाठी, राशि श्रीवास्तव, धीरेन्द्र सिंह)
- ❖ सिसप्लैटिन ऐट अटॉमिक, मॉलिक्यूलर ऐंड इलेक्ट्रॉनिक लेवल– अ डीएफटी बेस्ड स्टडी (डॉ. इफ्फत अज़ीम)
- ❖ स्क्रीनिंग ऐंड आइडेन्टिफिकेशन ऑफ हीट टॉलरन्स इन इंडियन व्हीट जीनोटाइप्स यूजिंग जनरलाइज़्ड रिग्रेशन न्यूरल नेटवर्क (जीआरएनएन) मॉडल (डॉ. इफ्फत अज़ीम)

विभागीय गतिविधियाँ –

26 / 11 / 2025रू जैव प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी विभाग द्वारा लखनऊ स्तिथ अमूल – बनास डेयरी का औद्योगिक भ्रमण आयोजित किया गया।

08 / 03 / 2025 : कम्यूनिटी आउटरीच प्रोग्राम के अंतर्गत जैव प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव में 'menstrual hygiene program' के अंतर्गत सेनेटरी पैड्स का वितरण कर महिलाओं को जागरूक किया गया।

2,3,4 / 05 / 2025– बी.टेक बायोटेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों ने फैकल्टी सदस्यों के सहयोग से NAAC तैयारियों के दौरान प्रयोगशालाओं को सजाने एवं हैंड पेंटिंग के कार्य में सक्रिय रूप से सहभागिता और समन्वय किया।

26 / 07 / 2025 – जैव प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित बीपीसीआईएल राष्ट्रीय छात्रवृत्ति परीक्षा के अंतर्गत विशेष व्याख्यान एवं पुरस्कार सम्मान समारोह। बीपीसीआईएल में चयनित उम्मीदवारों को निःशुल्क इंटर्नशिप का भी लाभ प्राप्त हुआ।

18 / 08 / 2025 – "बायोइंस्पायर्ड इंजीनियरिंग– नेचर से साइंस सीखना" विषय पर विशेष व्याख्यान, प्रो. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव (फादर ऑफ साइंटून्स) द्वारा, जैव प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी विभाग, एफओईटी, द्वारा आयोजित इंडक्शन प्रोग्राम 2025 के अंतर्गत।

24 / 08 / 2025 – जैव प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी विभाग, एफओईटी, द्वारा आयोजित इंडक्शन प्रोग्राम 2025 के अंतर्गत मोटिवेशनल लेक्चर में श्री विनय कुमार सिंह मानेक ने बी.टेक नवागंतुक छात्रों को प्रेरणादायी विचारों और गतिविधियों से प्रोत्साहित किया।

25 / 08 / 2025– फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, केएमसीएलयू, लखनऊ द्वारा इंडक्शन प्रोग्राम 2025 का समापन सत्र सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

26 / 08 / 2025– जैव प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित महिला समानता दिवस पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में बी.टेक छात्रों ने रचनात्मकता और जागरूकता का प्रदर्शन किया।

अन्य किसी प्रकार की उपलब्धि / सूचना का विवरण –

- ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के बी.टेक बायोटेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों ने बायोटेक पार्क, लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह में सक्रिय सहभागिता की। याशी मिश्रा और सौम्या मिश्रा ने पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में अपने शोध एवं नवाचार प्रस्तुत किए। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें द्वितीय रनर–अप स्थान प्राप्त हुआ।
- जैव प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी विभाग द्वारा शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत छात्रों को करिअर मेडिकल कॉलेज, लखनऊ का भ्रमण कराया गया।
- बीपीसीआईएल नेशनल स्कॉलरशिप एग्ज़ाम (एनएसई–2025) के सफल आयोजन में सहयोग किया, जो 26 जुलाई 2025 को केएमसीएलयू, लखनऊ में आयोजित हुआ।
- नव प्रवेशित छात्रों के इंडक्शन प्रोग्राम (प्रेरण कार्यक्रम) (दिनाँक – 04 / 08 / 2025 – 25 / 08 / 2025) में सक्रिय भागीदारी।
- पोस्टर मेकिंग कॉम्पिटीशन ऑन वीमेंस इक्वैलिटी डे" (डेट – 26 अगस्त 2025)
- बी.टेक बायोटेक्नोलॉजी के 3 छात्र अपने 7वें सेमेस्टर में ही पेड इंटर्नशिप और आकर्षक वेतन पैकेज के साथ चयनित हुए हैं।

यांत्रिकी विभाग

यांत्रिकी विभाग उन छात्रों के लिए एक समग्र केंद्र के रूप में कार्य करता है जो इंजीनियरिंग में सफल करियर बनाने का लक्ष्य रखते हैं, जो अकादमिक, व्यावहारिक अनुभव और पेशेवर विकास के अवसरों का मिश्रण प्रदान करता है। विभाग पूर्णकालिक बी.टेक. यांत्रिकी और ऑटोमेशन एवं रोबोटिक्स के साथ, एम.टेक. मेकाट्रोनिक्स के साथ यांत्रिकी में विशेषीकरण के साथ पीएच.डी. प्रदान करता है।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- ❖ बी.टेक. यांत्रिकी अभियांत्रिकी
- ❖ बी.टेक. ऑटोमेशन एवं रोबोटिक्स
- ❖ एम.टेक. मेकाट्रोनिक्स
- ❖ पीएच.डी. यांत्रिकी अभियांत्रिकी

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
डॉ० सय्यद असग़र हुसैन रिज़वी (विषय प्रभारी)	सहायक आचार्य	बी.टेक., एम.टेक., पीएच.डी.	प्रोडक्शन इंजीनियरिंग	09 वर्ष
विवेक बाजपेई	सहायक आचार्य	बी.टेक., एम.टेक.	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	05 वर्ष
उन्नी किसन	सहायक आचार्य	बी.टेक., एम.टेक.	मटेरियल साइंस	04 वर्ष
सत्येन्द्र कुमार शुक्ला	सहायक आचार्य	बी.टेक., एम.टेक.	मैकाट्रोनिक्स इंजीनियरिंग	03 वर्ष
बिरेन्द्र कुमार	सहायक आचार्य	बी.टेक., एम.टेक.	इंडस्ट्रियल सिस्टम इंजीनियरिंग	17 वर्ष

विगत दीक्षांत समारोह के पश्चात प्राप्त उपलब्धियाँ (शिक्षकवार) –

डॉ० सय्यद असग़र हुसैन रिज़वी

शोध–पत्र : Assessment of Radial Overcut during EDM of AISI 4147 Using RSM Technique

पेटेंट – AI Based Health Monitoring Car Seat

विवेक बाजपेई

पेटेंट – Inclined Plate Planter machine for mustard seeds

विभागीय गतिविधियाँ –

One Day Workshop on Heating Ventilation and Air & Conditioning (HVAC) (हीटिंग, वेंटिलेशन एवं एयर–कंडीशनिंग पर एक दिवसीय कार्यशाला) –

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 23 नवम्बर 2024 को HVAC पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। सत्र का संचालन ई0 मोहम्मद शावेज़–उल–हक़, HVAC इंजीनियर, Cooling Makers, लखनऊ द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में HVAC के मूलभूत सिद्धांतों और विभिन्न उद्योगों में मांग वाली इसकी प्रमुख प्रकारों पर चर्चा की गई। विद्यार्थियों को औद्योगिक HVAC अनुप्रयोगों में AutoCAD के उपयोग से भी परिचित कराया गया।

Expert Lecture on Industry 4.0 : Journey towards the 4th Industrial Revolution (इंडस्ट्री 4.0 – चौथी औद्योगिक क्रांति की ओर यात्रा) –

दिनांक 05 दिसंबर 2024 को विभाग द्वारा इस व्याख्यान का आयोजन किया गया। संसाधन व्यक्ति डॉ0 कमलेश तिवारी रहे, जो Smart Manufacturing एवं Digital Transformation के विशेषज्ञ हैं। उन्होंने औद्योगिक क्रांतियों के विकास क्रम को समझाते हुए बताया कि Industry 4.0 किस प्रकार साइबर–फिजिकल सिस्टम्स, IoT, AI एवं बिग डेटा का उपयोग कर उत्पादन वातावरण को बदल रही है। विद्यार्थियों को भविष्य की औद्योगिक संभावनाओं और करियर अवसरों की दिशा में उपयोगी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ

2 Days Workshop on 3D Printing (3D प्रिंटिंग पर 2 दिवसीय कार्यशाला) – दिनांक 16–17 अप्रैल 2025 को दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसका संचालन ई0 मोहम्मद अक़ीब खान, MD Electrocus Solution ने किया। दिन 1 – 3D प्रिंटिंग की मूलभूत जानकारी, डिज़ाइन से जुड़ी सावधानियाँ एवं एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग तकनीकों पर प्रशिक्षण दिया गया। दिन 2 – लाइव डेमोंस्ट्रेशन, Slicing Software का प्रशिक्षण एवं प्रोटोटाइप प्रिंटिंग कराई गई। इस कार्यशाला से विद्यार्थियों को Rapid Prototyping एवं Customization की औद्योगिक उपयोगिता की गहन समझ प्राप्त हुई।

Seminar on SolidWorks (SolidWorks पर सेमिनार) – दिनांक 29 जनवरी 2025 को विभाग द्वारा SolidWorks पर एक सेमिनार आयोजित किया गया। संसाधन व्यक्ति "ई0 मुक़र्रम खान" थे। उन्होंने प्रतिभागियों को पैरामीट्रिक मॉडलिंग, असेंबली निर्माण एवं सिमुलेशन टूल्स के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही यह भी बताया कि SolidWorks कैसे डिज़ाइन से निर्माण प्रक्रिया तक को सरल एवं प्रभावी बनाता है। लाइव डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से विद्यार्थियों को सॉफ़्टवेयर की व्यावहारिक उपयोगिता समझाई गई।

Expert Lecture on Thermo&Mechanical Fatigue Analysis of Titanium Alloy using CPFEM (CPFEM का उपयोग कर टाइटेनियम मिश्र धातु का थर्मो–मैकेनिकल थकान विश्लेषण) – दिनांक 08 फरवरी 2025 को D-Hall, 2nd Floor Academic Block में इस व्याख्यान का आयोजन हुआ। संसाधन व्यक्ति "ई0 सैयद मुस्तफा काज़िम", कंप्यूटेशनल वैज्ञानिक, Schlumberger, पुणे रहे। उन्होंने टाइटेनियम मिश्र धातुओं पर चक्रीय थर्मल एवं यांत्रिक लोड के प्रभाव पर विस्तार से चर्चा की। यह व्याख्यान एयरोस्पेस एवं ऑटोमोबाइल उद्योगों के लिए अत्यंत उपयोगी रहा। CPFEM पद्धति की सहायता से विकृति तंत्र एवं थकान जीवन की भविष्यवाणी पर विद्यार्थियों को गहन जानकारी प्राप्त हुई।

निष्कर्ष –

इन सभी गतिविधियों ने विद्यार्थियों को न केवल नवीनतम तकनीकों की जानकारी प्रदान की, बल्कि उन्हें उद्योग जगत की वास्तविक आवश्यकताओं के लिए भी तैयार किया। इस प्रकार विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार, कार्यशालाएँ एवं विशेषज्ञ व्याख्यान विद्यार्थियों के अकादमिक एवं व्यावसायिक विकास में अत्यंत सहायक सिद्ध हुए।

सिविल अभियांत्रिकी विभाग

विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विषयों में विस्तार के एक भाग के रूप में, 2019 में सिविल अभियांत्रिकी में बी.टेक. की शुरुआत की गई। यह कार्यक्रम एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित है, जो इसकी शैक्षणिक विश्वसनीयता की पुष्टि करता है। यह विभाग संरचनात्मक इंजीनियरिंग, भू–तकनीकी इंजीनियरिंग, परिवहन इंजीनियरिंग, पर्यावरण इंजीनियरिंग, जल संसाधन और निर्माण प्रौद्योगिकी को कवर करने वाला एक व्यापक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, उन्नत सॉफ्टवेयर उपकरणों और अनुभवी संकाय सदस्यों के साथ, छात्रों को कक्षा में सीखने और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के बीच की खाई को पाटने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। अकादमिक शिक्षा के अलावा, विभाग छात्रों को समस्या समाधान क्षमताओं और पेशेवर दक्षता विकसित करने के लिए अनुसंधान, परियोजनाओं, औद्योगिक प्रशिक्षण और परामर्श कार्यों में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करता है। राष्ट्रीय और वैश्विक अवसंरचना आवश्यकताओं में योगदान हेतु स्नातकों को तैयार करने हेतु सतत प्रथाओं, नवाचार और बहु–विषयक सहयोग पर भी ज़ोर दिया जाता है।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- ❖ प्रौद्योगिकी स्नातक (सिविल अभियांत्रिकी)
- ❖ प्रौद्योगिकी स्नातक सिविल इंजीनियरिंग (Lateral Entry)

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
इं. कौशलेश कुमार शाह	सहायक आचार्य और विभागाध्यक्ष	प्रौद्योगिकी में परास्नातक	संरचनात्मक विश्लेषण एवं अभिकल्पना, इस्पात संरचनाओं, शहरी एवं क्षेत्रीय योजना में विशेषज्ञता	7
इं. मोहम्मद सलमान अंसारी	सहायक आचार्य	प्रौद्योगिकी में परास्नातक	भू–तकनीकी अभियंत्रण, पर्यावरण संरक्षण और प्रबंधन, द्रव यांत्रिकी एवं जलगतिकी तथा जलविद्युत यंत्रों में विशेषज्ञता	3
इं. अभिषेक अवस्थी	सहायक आचार्य	प्रौद्योगिकी में परास्नातक	परिवहन अभियंत्रण, निर्माण सामग्री एवं निर्माण कार्य, अपतटीय एवं भूकंप अभियंत्रण में विशेषज्ञता	6
इं. आस्था चौरसिया	सहायक आचार्य	प्रौद्योगिकी में परास्नातक	सर्वेक्षण अभियंत्रण, प्रबलित कंक्रीट, जल संसाधन अभियंत्रण में विशेषज्ञता	3

कार्यशाला का आयोजन –

सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला छात्रों, शिक्षकों और उद्योग विशेषज्ञों के लिए एक ऐसा मंच प्रदान करती है जहाँ वे हाल के प्रगतियों, शोध कार्यों और क्षेत्र की व्यावहारिक चुनौतियों पर अपने ज्ञान का आदान–प्रदान कर सकते हैं। इस कार्यशाला में भाग लेकर छात्र अपनी संचार क्षमता और तकनीकी कौशल को विकसित करते हैं, जो उनके भविष्य के इंजीनियरिंग और परामर्श करियर के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यशाला का आयोजन **''नवीन कचरा पृथक्करण तकनीकें और आतिथ्य क्षेत्र में पुनर्चक्रण दक्षता पर उनका प्रभाव''** विषय पर किया गया।

विभागीय गतिविधियाँ –

छात्रों द्वारा औद्योगिक एवं शैक्षणिक भ्रमण

छात्रों द्वारा प्रयोगशाला का संचालन

छात्रों द्वारा निर्माण स्थल का भ्रमण

सिविल विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

अंतिम वर्ष के छात्र परियोजना प्रस्तुत करते हुए

अन्य किसी प्रकार की उपलब्धि / सूचना का विवरण ।

परामर्श एवं उद्योग सहभागिता–

विभाग ने सक्रिय रूप से परामर्श परियोजनाएँ संचालित की हैं, जिनमें शामिल हैं –

- ❖ विभिन्न क्षेत्रों में सड़क एवं भवन निर्माण हेतु सामग्री परीक्षण।
- ❖ कुछ जिलों के लिए अवसंरचना परियोजनाओं के लिए स्ट्रक्चरल ड्राइंग अनुमोदन एवं सामग्री परीक्षण।

इन गतिविधियों से विभाग द्वारा अर्जित व्यावहारिक एवं वास्तविक अनुभव परिलक्षित होता है।

सिविल इंजीनियरिंग B.Tech. कार्यक्रम और प्लेसमेंट

- ❖ प्लेसमेंट क्षेत्र में, छात्रों को प्रमुख निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों जैसे कि M.G. Buildtech Private Ltd., KEC INTERNATIONAL LIMITED, ACZ Infrastructure LLP में लगभग 3.5 LPA पर प्लेस हुए हैं।

इंटर्नशिप

- ❖ एक छात्र ने बताया कि कालेज में इंटर्नशिप की परियोजनाएँ उपलब्ध हैं, जिन्हें पूरे वर्ष मिलाकर काम करने का अवसर मिलता है, जिससे प्लेसमेंट में मदद मिलती है।
- ❖ हमारे अंतिम वर्ष के छात्र ई 'केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, लखनऊ (CPWD) में इंटर्नशिप कर रहे हैं, जिसमें भवन निर्माण में नींव से लेकर ढाँचे के निर्माण तक कार्य तथा भवन निर्माण सामग्रियों के परीक्षण शामिल है, ताकि व्यावहारिक क्षेत्रीय ज्ञान प्राप्त किया जा सके।

विधि अध्ययन संकाय

विधि अध्ययन संकाय जिसमें परास्नातक कोर्स के अंतर्गत LL.M. जो की सन् 2021 से प्रारंभ किया गया तथा स्नातक पाठ्यक्रम के अंतर्गत LL.B. एवं BA LL.B. पाठ्यक्रमों को सन् 2023 से प्रारंभ किया गया है। संकाय के छात्रों को प्रायोगिक ज्ञान देने के लिए मूटकोर्ट की व्यवस्था की गई है जिसमें की न्यायालय की कार्यवाहियां तथा अन्य न्यायालय में होने वाली प्रक्रियाओं का अभ्यास कराया जाता है तथा विधि अध्ययन संकाय की ओर से निशुल्क विधिक सहायता हेतु भी व्यवस्था की गई है जिसके अंतर्गत नजदीकी ग्रामीण अंचल क्षेत्र में समय–समय पर विधिक जागरूकता शिविर इत्यादि भी लगाए जाते हैं तथा छात्रों में प्रतियोगात्मक अभिक्षमता बढ़ाने हेतु संकाय के शिक्षकों द्वारा अपने पाठ्यक्रम के साथ ही प्रोत्साहित किया जाता है तथा समय–समय पर विधि जगत से जुड़े विशेषज्ञों के व्याख्यान भी आयोजित किए जाते हैं।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- ❖ LL.M. (2 YEAR)
- ❖ BA LL.B. (5 YEAR)
- ❖ LL.B. (3 YEAR)

विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव(वर्ष)
प्रो० मसऊद आलम	संकायाध्यक्ष	B.Ed., M.A., NET, M.Phil. PhD.	शरियत विधि, अरबी	13 वर्ष
डॉ० पीयूष कुमार त्रिवेदी	सह–आचार्य	LL.M., Ph.D.	अन्तर्राष्ट्रीय विधि, पर्यावरण विधि, बीमा विधि	17 वर्ष
डॉ० दीक्षा मिश्रा	सहायक आचार्य	LL.M., NET, Ph.D.	व्यावसायिक विधि अंतर्राष्ट्रीय विधि	4 वर्ष
श्री अंशुल पाण्डेय	सहायक आचार्य	LL.M., NET	संवैधानिक विधि, आपराधिक एवं प्रक्रियात्मक विधियां	3 वर्ष
डॉ० कृष्णा मुकुन्द	सहायक आचार्य	LL.M., NET, Ph.D.	कार्पोरेट लॉ, कॉन्ट्रैक्ट लॉ, संवैधानिक विधि, विधिशात्र, प्रशासनिक विधि	8 वर्ष
डॉ० श्वेता त्रिवेदी	सहायक आचार्य	LL.M., Ph.D.	विधिशास्त्र, मानवाधिकार, आपराधिक कानून	7 वर्ष
श्री अशीष शाही	सहायक आचार्य	LL.M., NET	सम्पत्ति विधि, प्रक्रियात्मक विधि, आपराधिक विधि, फॉरेंसिक विधि	4.3 वर्ष

नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता	अनुभव(वर्ष)
डॉ० प्रशान्त वरूण	सहायक आचार्य	LL.M., NET, Ph.D.	पर्यावरण विधि, कानून विधि, पारिवारिक कानून	2.5 वर्ष
सुश्री तान्या सागर	सहायक आचार्य	LL.M., NET	आपराधिक कानून, पारिवारिक कानून	3 माह
श्रीमती जैनब इफ्तकार	सहायक आचार्य	LL.M., NET	अंतर्राष्ट्रीय कानून, मानवाधिकार	2.6 वर्ष
श्री भानु प्रताप सिंह	सहायक आचार्य	LL.M., NET	आपराधिक कानून और प्रक्रियात्मक कानून	5 वर्ष
श्री रविकेश कुमार मौर्य	सहायक आचार्य	LL.M., NET	विधिशास्त्र अपकृत्य विधि मानवाधिकार	2 वर्ष
श्रीमती निधि सिंह राठौर	सहायक आचार्य	LL.M., NET	संविदा विधि, प्रक्रियात्मक विधि	7 वर्ष

विगत दीक्षांत समारोह के पश्चात प्राप्त उपलब्धियाँ (शिक्षकवार) –

प्रो. मसऊद आलम, को 05.09.2025 दीदी जी फाउंडेशन, पटना द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण राष्ट्रीय शिक्षक समारोह में प्रसिद्ध शिक्षाविदों और राजनेताओं द्वारा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान 2025 प्राप्त हुआ।

विभागीय गतिविधियाँ –

ओरिएंटेशन प्रोग्रामः पद्मश्री अरूणिमा सिन्हा, एवरेस्ट शिखर पर चढ़ाने वाली प्रथम दिव्यांग महिला द्वारा उद्बोधन

नुक्कड नाटक विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस 14 अगस्त 2025

निःशुल्क विधिक सहायता शिविर

अन्य किसी प्रकार की उपलब्धियाँ –

डॉ बी आर अम्बेडकर मेमोरियल मूट कोर्ट हॉल का उद्घाटन माननीय राज्यपाल हिमांचल प्रदेश के कर कमलों द्वारा दिनांक 27.08.2025 को समपूर्ण हुआ।

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि को मिली बी.ए.एलएल.बी. व एलएल.बी. कोर्स की मान्यता

समृद्धि न्यूज

भारतीय विधिक परिषद द्वारा अनुमोदन प्राप्त किया गया।

फैकल्टी ऑफ़ फार्मेसी

फार्मेसी संकाय की स्थापना विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2023–24 में की गई। संकाय का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक फार्मास्यूटिकल विज्ञान की उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करना है, जिससे वे व्यावहारिक ज्ञान, अनुसंधान कौशल तथा औद्योगिक अनुभव से समृद्ध होकर वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो सकें। संकाय में अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ, अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन, औद्योगिक एवं शोध संस्थानों का भ्रमण तथा नवोन्मेषी शैक्षणिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक हैं।संकाय का संकल्प है कि यहाँ से स्नातक होने वाले विद्यार्थी केवल तकनीकी दक्षता ही प्राप्त न करें, बल्कि नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व से परिपूर्ण फार्मासिस्ट बनकर राष्ट्र की स्वास्थ्य सेवाओं तथा औषध उद्योग में सार्थक योगदान दें।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण –

- वर्तमान में संकाय के अंतर्गत बैचलर ऑफ फार्मेसी (B. Pharm) तथा डिप्लोमा इन फार्मेसी (D.Pharm) कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किए जा रहे हैं।
- **विभाग में अध्यापनरत शिक्षकों का विवरण (नाम , पदनाम , योग्यता , विशेषज्ञता , अनुभव आदि सहित)**

नाम	पदनाम	योग्यता / विशेषज्ञता	अनुभव (वर्ष)
प्रो0 शालिनी त्रिपाठी	निदेशक	एम० फार्म० (फार्माकोग्नोसी) पीएच० डी	23 वर्ष 8 माह
श्रीमती नैन्सी तिवारी	सहा० आचार्य	एम० फार्म० (फार्माकोग्नोसी)	3 वर्ष
डॉ0 शुभम रस्तोगी	सहा० आचार्य	एम० फार्म० (फार्मकोलोजी) पीएच० डी	1 वर्ष 6 माह
श्री एहतेशाम अहमद	सहा० आचार्य	एम० फार्म० (फार्मास्यूटिक्स)	6 वर्ष 1 माह
सुश्री अर्चिता तिवारी	सहा० आचार्य	एम० फार्म० (फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री)	3 वर्ष 7 माह
श्रीमती अपेक्षा सिंह	सहा० आचार्य	एम० फार्म० (फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री)	3 वर्ष 4 माह
श्री अमर कुमार मिश्रा	सहा० आचार्य	एम० फार्म० (फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री)	1 वर्ष
श्री कार्तिकेय प्रकाश	सहा० आचार्य	एम० फार्म० (फार्मास्यूटिक्स)	1 वर्ष 8 माह
डॉ0 आनन्द कुमार	सहा० आचार्य	एम० फार्म० (फार्मकोलोजी) पीएच० डी	7 माह
श्री कुनाल आगम	सहा० आचार्य	एम० फार्म० (फार्मास्यूटिक्स)	1 वर्ष 9 माह
डॉ0 धर्मेन्द्र सिंह	सहा० आचार्य	एम० फार्म० (फार्माकोग्नोसी) पीएच० डी	16 वर्ष 9 माह
डॉ0 अमृता यादव	सहा० आचार्य	एम० फार्म० (फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री) पीएच० डी	11 वर्ष 6 माह

विगत दीक्षांत समारोह के पश्चात प्राप्त उपलब्धियाँ (शिक्षकवार) –

नाम	प्रकाशित शोध	आयोजित संगोष्ठियाँ / कार्यशालाएँ	समझौता ज्ञापन	पुस्तक प्रकाशन	अन्य उपलब्धियाँ
प्रो. शालिनी त्रिपाठी	–	01	04	–	–
श्रीमती नैन्सी तिवारी	03	–	–	–	–
डॉ० शुभम रस्तोगी	–	01	–	–	–
श्री एहतेशाम अहमद	01	–	–	–	–
सुश्री अर्चिता तिवारी	01	–	–	–	07
श्रीमती अपेक्षा सिंह	–	–	–	–	–
श्री अमर कुमार मिश्रा	02	–	–	01	–
श्री. कार्तिकेय प्रकाश	03	–	–	–	–
डॉ. आनंद कुमार	01	–	–	–	–
श्री. कुनाल आगम	–	–	–	–	–
डॉ. धर्मेन्द्र सिंह	01	–	–	–	–
डॉ. अमृता यादव	–	–	–	–	–
श्री विनोद कुमार	01	–	–	–	–
श्री रनवीर सिंह	01	–	–	–	–
योग	14	02	04	01	07

विभागीय गतिविधियाँ –

शैक्षणिक भ्रमण – फार्मेसी संकाय के डी. फार्मा एवं बी. फार्मा प्रथम वर्ष के छात्रों ने NBRI, CDRI एवं अर्बन कम्युनिटी हेल्थ सेंटर, अलीगंज के शैक्षणिक भ्रमण के दौरान औषधीय पौधों, जैव विविधता संरक्षण, आधुनिक अनुसंधान तकनीकों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं की कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की।

सामुदायिक कार्य – फार्मेसी संकाय द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित थायराइड जांच शिविर में 103 लोगों की जांच की गई स इसके साथ ही फार्मेसी संकाय ने ग्रामीणों के लिए विशेष निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किया, जिसमें 92 ग्रामीणों का निःशुल्क परीक्षण किया गया।

कार्यशाला एवं विशिष्ट व्याख्यान – फार्मेसी संकाय द्वारा एमिनेंट लेक्चर एवं ''रिलेवेंट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी तकनीक पर 2 दिवसीय व्यावहारिक (हैंड्स–ऑन) कौशल विकास कार्यशाला'' का सफल आयोजन किया गया।

अन्य कार्यक्रम – फार्मेसी संकाय द्वारा डॉक्टर्स डे के अवसर पर सम्मान समारोह और निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने चिकित्सा क्षेत्र की विभूतियों को सम्मानित किया। विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर फार्मेसी संकाय द्वारा विभिन्न शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने पोस्टर प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता और नुक्कड़ नाटक जैसे कार्यक्रमों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

सांस्कृतिक गतिविधियां

15 नवम्बर 2024 को गोमती घाट पर आयोजित दीपोत्सव कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से छात्र–छात्राओं सहित प्रतिनिधित्व किया गया। यह आयोजन विशेष रूप से देव दीपावली के अवसर पर संपन्न हुआ, जिसे "दीयों का त्योहार" भी कहा जाता है। कार्यक्रम के दौरान घाट को हजारों दीपों से सजाया गया, जिससे सम्पूर्ण वातावरण दिव्य आभा से आलोकित हो उठा। छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और दीप प्रज्वलित कर सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का संदेश दिया।

राजभवन में दिनांक 6 दिसंबर 2024 को गुजरात स्थापना दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व के समारोह में विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर डॉ. नलिनी मिश्रा, अध्यक्षा, सांस्कृतिक समिति ने विश्वविद्यालय की ओर से प्रतिनिधित्व किया। समारोह में गुजरात की गौरवशाली परंपरा, संस्कृति एवं विकास यात्रा को प्रस्तुत किया गया ।

25 जनवरी 2025 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से सक्रिय रूप से प्रतिनिधित्व किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं और नागरिकों को मतदान के महत्व तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी भागीदारी के प्रति जागरूक करना था। इसमें विभिन्न सत्रों के माध्यम से मतदाता अधिकारों, कर्तव्यों और जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला गया। विशेष आकर्षण के रूप में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिसमें देशभक्ति गीत, नृत्य एवं नाट्य प्रस्तुतियों के जरिए लोकतंत्र की महत्ता और मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया। विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने इन प्रस्तुतियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी कला एवं अभिव्यक्ति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर निर्वाचन आयोग के अधिकारियों एवं विशिष्ट अतिथियों ने भी युवाओं को संबोधित करते हुए उन्हें लोकतंत्र के सशक्त प्रहरी बनने का आह्वान किया।

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई जी की 100वीं जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। विश्वविद्यालय के शिक्षकों तथा छात्र–छात्राओं द्वारा श्री अटल बिहारी वाजपेई जी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। कार्यक्रम में सांस्कृतिक समिति अध्यक्ष डॉ नलिनी मिश्रा ने उनके जीवन वृत, कृतित्व एवं सुशासन पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित डॉ. अनुपमा यादव ने अपने संबोधन में कहा कि वाजपेई जी न केवल एक कुशल राजनीतिक थे अपितु एक प्रखर वक्ता तथा कवि भी थे। उन्होंने राष्ट्र में सुशासन लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. अभय कृष्णा एवं डॉ रामदास ने भी वाजपेई जी एवं सुशासन विषय पर अपने विचार रखें। कार्यक्रम का समापन सुशासन शपथ के साथ हुआ।

राज भवन लखनऊ में दिनांक 22/01/25 को सरदार वल्लभभाई पटेल की 148 वीं जयंती और राष्ट्रीय एकता दिवस के संदर्भ में दिनांक 21 और 22 दिसंबर को माननीय राज्यपाल महोदया आनंदीबेन पटेल जी की उपस्थिति में प्रदेश के 34 राज्य विश्वविद्यालयों से चयनित 90 प्रतिभागियों के मध्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

19 दिसम्बर 2024 को लखनऊ स्थित संगीत नाट्य अकादमी में "भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी का जीवन वृत्त, कृतित्व एवं सुशासन" विषय पर आधारित एक भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का शुभारम्भ उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से सक्रिय सहभागिता की गई।

दिनांक 4 अप्रैल 2025 को राजभवन में "ओडिशा स्थापना दिवस" का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, परंपराएँ और ऐतिहासिक महत्व को प्रदर्शित किया गया। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने सक्रिय रूप से सहभागिता की, जो कि सांस्कृतिक समिति के अध्यक्षा के नेतृत्व में संपन्न हुई।

15 अप्रैल 2024 को राजभवन में हिमाचल प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में विश्वविद्यालय की ओर से प्रतिनिधित्व करते हुए डॉ. नलिनी मिश्रा, जो कि सांस्कृतिक समिति की अध्यक्षा हैं, ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। उनकी उपस्थिति ने न केवल विश्वविद्यालय की भागीदारी को सशक्त बनाया, बल्कि राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और परंपराओं के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया।

उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशों का पालन करते हुए, डॉ. नलिनी मिश्रा ने विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय की ओर से सक्रिय रूप से सहभागिता की। उन्होंने 13 अप्रैल 2025 को लखनऊ के गोमती नगर स्थित सामाजिक परिवर्तन स्थल से प्रारम्भ हुए भीम यात्रा वॉकाथन में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। यह वॉकाथन समाज में जागरूकता और समानता के संदेश को प्रसारित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर डॉ. मिश्रा के नेतृत्व में विश्वविद्यालय की गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा की गयी गतिविधियां

25 दिसम्बर, 2024 को महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा अटल बिहारी वाजपेयी जयंती के उपलक्ष्य में छात्राओं के लिए एक विशेष चित्रकला गतिविधि का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा को उजागर करना तथा उनमें सृजनशीलता और कलात्मक अभिव्यक्ति के प्रति उत्साह जगाना था। चित्रकला गतिविधि में प्रतिभागी छात्राओं ने विभिन्न विषयों पर अपनी कल्पनाशक्ति को रंगों के माध्यम से प्रस्तुत किया। इस अवसर ने उन्हें न केवल अपनी कला को निखारने का अवसर दिया, बल्कि उनके आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति कौशल में भी वृद्धि की। इस प्रकार यह कार्यक्रम छात्राओं के समग्र व्यक्तित्व विकास में एक सार्थक पहल साबित हुआ।

4 फरवरी, 2025 को राजभवन में आयोजित "श्री अन्न प्रतियोगिता" में विश्वविद्यालय की छात्राओं ने डॉ. नलिनी मिश्रा के सक्षम नेतृत्व और मार्गदर्शन में सहभागिता की। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य पारंपरिक भारतीय अनाजों, जिन्हें ''श्री अन्न'' के रूप में भी जाना जाता है, के महत्व को उजागर करना तथा छात्रों में इनके प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 के उपलक्ष्य में माननीय कुलाधिपति कार्यालय के निर्देशानुसार दिनांक 4 मार्च 2025 को प्रो. राजेन्द्र सिंह (राज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय ने सक्रिय रूप से सहभागिता की। कार्यक्रम के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता एवं नाटक प्रतियोगिता आयोजित की गईं, जिनमें प्रतिभागियों ने महिला सशक्तिकरण, समानता तथा समाज में महिलाओं की भूमिका जैसे विषयों पर प्रभावी अभिव्यक्ति प्रस्तुत की।

दिनांक 8 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में माननीय कुलपति के संरक्षण में डॉ. नलिनी मिश्रा, समन्वयक, महिला अध्ययन केंद्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा पोश एक्ट पर एक वेबीनार का आयोजन किया गया। यह वेबीनार राजभवन, उत्तर प्रदेश तथा राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के दिशा निर्देशन में आयोजित किया गया। वेबीनार में डॉ. मंजू सिंह, विशेष कार्याधिकारी तथा राज्य संपर्क अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ ने वेबीनार में उपस्थित सभी छात्राओं तथा शिक्षिकाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि यह दिवस विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के प्रति सम्मान, प्रशंसा और प्रेम को प्रकट करने का प्रतीक है।

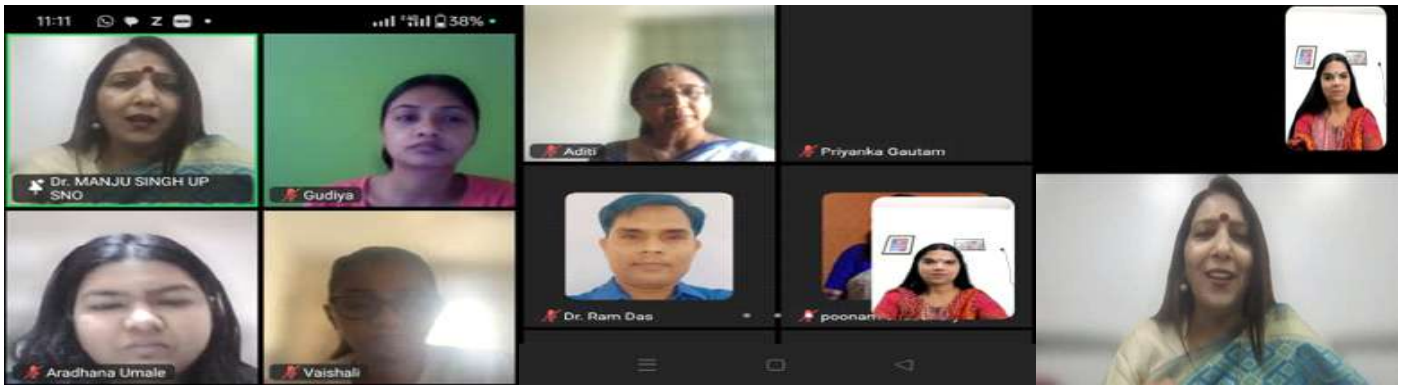

7/12/24 को महिला अध्ययन केंद्र, ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ तथा दैनिक जागरण के संयुक्त तत्वाधान में ''कैरियर विकास तथा महिला स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम'' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ''उड़ान'' कार्यक्रम महिला अध्ययन केंद्र समन्वयक डॉ. नलिनी मिश्रा द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिला शिक्षिकाओं, कर्मचारियों तथा छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छता तथा मासिक धर्म स्वच्छता की जागरूकता डॉ. इलियाना खातून द्वारा दी गई। कार्यक्रम में छात्राओं ने महिला चिकित्सक से संबंधित व्यक्तिगत शारीरिक स्वच्छता तथा मासिक धर्म स्वच्छता से संबंधित प्रश्न पूछे तथा निदान प्राप्त किया।

विश्व पर्यावरण दिवस दिनांक 5 जून 2025 के अवसर पर ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के हर्बल गार्डन में वृक्षों के लाभों पर आधारित एक विशेष प्रदर्शनी विषयक "प्रकृति का महत्वरू एक ज्ञानवर्धक प्रदर्शिनी" का आयोजन किया गया। यह प्रदर्शनी माननीय कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के उपलक्ष्य में आयोजित की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने शिक्षकों, छात्र–छात्राओं एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए पर्यावरण की सतत रक्षा एवं संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया।

दिनांक 1 जून से 21 जून तक विश्वविद्यालय परिसर में प्रतिदिन प्रातः 7:00 बजे से 8:00 बजे तक योगशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस विशेष पहल का आयोजन मुख्यतः महिलाओं के लिए किया गया, ताकि वे अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ कर सकें। योगाभ्यास ने प्रतिभागियों को तनाव प्रबंधन, आत्मविश्वास वृद्धि, रोग प्रतिरोधक क्षमता में सुधार तथा संतुलित जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा दी। तीन सप्ताह तक चले इस योग प्रशिक्षण कार्यक्रम ने न केवल छात्राओं और महिलाओं को स्वास्थ्य–संवर्धन का अवसर प्रदान किया, बल्कि उन्हें सकारात्मक ऊर्जा, अनुशासन और आत्मबल से भी परिपूर्ण किया।

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गाँव में महिलाओं के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। यहाँ नियमित रूप से महिलाओं को स्वास्थ्य, शिक्षा एवं परामर्श संबंधी सहयोग प्रदान किया जाता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में समय–समय पर जागरूकता कार्यक्रम, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर और पोषण संबंधी मार्गदर्शन दिया जाता है, ताकि महिलाएँ अपने परिवार और स्वयं की बेहतर देखभाल कर सकें। शिक्षा के अंतर्गत उन्हें साक्षरता, कौशल विकास एवं व्यावहारिक ज्ञान से जोड़ने का प्रयास किया जाता है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। इसके अतिरिक्त, आवश्यकता पड़ने पर महिलाओं को काउंसलिंग सेवाएँ भी उपलब्ध कराई जाती हैं, जिनमें व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं सामाजिक समस्याओं के समाधान हेतु परामर्श दिया जाता है।

मिशन शक्ति के अन्तर्गत माँ भारती नारी योग शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण (Women Empowerment) विषय पर डॉ0 नलिनी मिश्रा, समन्वयक, महिला अध्ययन केन्द्र ने व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में डॉ0 नलिनी मिश्रा को YOGANGANA-2025 अवार्ड से सम्मानित किया गया।

''सामूहिक सूर्य नमस्कार–ऊर्जा और एकाग्रता का अनुभव'' विषय पर योग दिवस (21 जून, 2025) पर विश्वविद्यालय परिसर, अनलाइन एवं गोद लिए गए ग्राम लोखरिया, डिगुरिया, रहोड़ा पुरवा, ककौली एवं अल्लू नगर इत्यादि स्थानों पर प्रतिभागियों द्वारा सामूहिक सत्र का आयोजन किया।

''स्वास्थ्य का नया अध्यायरू सूर्य नमस्कार''

''प्रकृति की गोद में की सूर्य नमस्कार सामूहिक साधना''

"एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम का शुभारंभ "माननीय कुलपति प्रो0 अजय तनेजा जी द्वारा दिनांक 21.06.2025 किया गया।

''माननीय कुलपति द्वारा 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम का शुभारम्भ''

''पर्यावरण संरक्षण और मातृ स्नेह का प्रतीक पौधरोपण''

'चंदन वाटिका एवं तालाबरू प्रकृति की गोद में विश्राम' अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर माननीय कुलपति प्रो0 अजय तनेजा महोदय द्वारा चंदन वाटिका का शुभारंभ किया गया।

''चन्दन वाटिका का प्रचार–प्रसार''

''पर्यावरण संरक्षण और हरियाली की दिशा में विश्वविद्यालय की पहल''

शारीरिक स्वस्थता परीक्षण का आयोजन दिनांक 31.07.2025 माननीय कुलपति प्रो0 अजय तनेजा जी के मार्गदर्शन एवं नेत्रत्व मे किया गया।

''शरीरिक स्वस्थता का परीक्षण देते विद्यार्थी''

''स्वास्थ्य जागरूकता और फिटनेस की दिशा में एक सार्थक पहल''

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा की गयी गतिविधियां

2 मई 2025 को विश्वविद्यालय परिसर में "क्लीन एंड ग्रीन कैंपस ड्राइव" का सफल आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य परिसर को स्वच्छ, हरित और पर्यावरण के अनुकूल बनाना था। कार्यक्रम के शुभारंभ पर माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने विश्वविद्यालय परिवार एवं सभी हितधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि सुदृढ़ और सुरक्षित पर्यावरण ही आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के उपलक्ष्य में "विरासत से विकास – योग की भूमिका" विषय पर एक वेबीनार का आयोजन किया गया। यह वेबीनार माननीय राज्यपाल महोदया के निर्देशानुसार तथा माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के संरक्षण में आयोजित किया गया। इस विशेष वेबीनार में लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग से डॉ. उमेश कुमार शुक्ला को विशिष्ट वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने अपने व्याख्यान में भारतीय सांस्कृतिक विरासत में योग के महत्व तथा आधुनिक विकास यात्रा में इसकी प्रासंगिकता पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला।

योग : संस्कृति, चेतना और संवाद की वैश्विक भाषा विषय पर वक्ताओं ने रखे विचार

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में योग संस्कृति, चेतना और संवाद की वैश्विक भाषा विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। यह आयोजन कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के दिशा निर्देशन तथाकुलपति प्रो.अजय तनेजा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। वेबीनार का आयोजन डॉ. नलिनी मिश्रा, समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा डॉ मोहम्मद शारिक, प्रभारी, शारीरिक शिक्षा विभाग

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि में अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

मौन, चेतना और शांति की भाषा बोलता है। यह वह भाषा है जो शब्दों की आवश्यकता नहीं रखती, बल्कि अनुभव के माध्यम से स्वयं को अभिव्यक्त करती है। योग विश्व में एक

सकता है। मुख्य अतिथि डॉ. मंजु सिंह, विशेष कार्याधिकारी एवं राज्य संपर्क अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, उत्तर प्रदेश सरकार, ने युवाओं के जीवन में योग की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, आज का युवा मानसिक और सामाजिक चुनौतियों से घिरा है। योग उसे न केवल शारीरिक

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में "योग – संस्कृति, चेतना और संवाद की वैश्विक भाषा" विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार (16/06/25) का आयोजन किया गया। यह आयोजन माननीय कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। वेबिनार का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने योग की संवाद शक्ति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि, "योग मौन, चेतना और शांति की भाषा बोलता है। यह वह भाषा है जो शब्दों की आवश्यकता नहीं रखती, बल्कि अनुभव के माध्यम से स्वयं को अभिव्यक्त करती है। योग विश्व में एक ऐसा माध्यम बनकर उभरा है जो विज्ञान और अध्यात्म, स्वास्थ्य और सामंजस्य को जोड़ता है। आज, जब मानवता अर्थ, उपचार और जुड़ाव की तलाश में है, योग वैश्विक संवाद का आधार बन सकता है।" इस अवसर पर देश–विदेश के अनेक शिक्षाविदों, योग साधकों, और विद्यार्थियों ने भाग लिया। वेबिनार के सभी सत्रों का संचालन डॉ. नलिनी मिश्रा, समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा किया गया और अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मोहम्मद शरीक, शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा किया गया। यह वेबिनार सभी प्रतिभागियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायी और ज्ञानवर्धक रहा। इसमें न केवल योग के शारीरिक पक्ष, बल्कि इसके आध्यात्मिक और वैश्विक आयामों को भी समझने का अवसर मिला।

भाषा विश्वविद्यालय में ''योग वाटिका'' की स्थापना – प्रकृति, शांति और संतुलन की ओर एक सार्थक पहल

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ ने एक प्रेरक पहल करते हुए परिसर में 'योग वाटिका ' प्रकृति और शांति का आशियाना' की स्थापना की। यह पहल माननीय कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के मार्गदर्शन और माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के दूरदर्शी नेतृत्व में साकार हुई है। योग वाटिका का उद्देश्य विश्वविद्यालय समुदाय शिक्षकों, छात्रों एवं कर्मचारियों के मानसिक, शारीरिक और आत्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाना है। यह स्थल केवल योगाभ्यास का केंद्र नहीं, बल्कि एक ऐसा प्राकृतिक और हरित परिवेश है जो ध्यान, संतुलन और आंतरिक शांति की अनुभूति कराता है।

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रांगण में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया । विदित है कि भारत के प्रधानमंत्री के अथक प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित, 2014 से प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को पूरे विश्व भर में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है । इस बार 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस वर्ष की थीम एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य रही जिसमें एक विश्व कीर्तिमान को स्थापित किया जा रहा है। जहाँ समग्र भारत ने मिलकर योग किया है। योग कार्यक्रम की इसी श्रृंखला में ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ ने योग दिवस के इस पावन अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रागंण में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें भाषा विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी उनके परिवार और विद्यार्थियों के सहयोग से सभी ने मिलकर स्वास्थ्य के संदर्भ में योग को अपने जीवन में शामिल करने का संकल्प लिया। योग कार्यक्रम में प्रमुख योग मुद्राओं, प्राणायाम और ध्यान सत्रों ने प्रतिभागियों को मानसिक शांति और शारीरिक ऊर्जा का अनुभव कराया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने योग के वैज्ञानिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए इसे दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अन्त में सभी को संबोधित करते हुए भाषा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने सभी को योग को अपने जीवन में शामिल करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अन्त में सभी को संबोधित करते हुए भाषा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने सभी को योग को अपने जीवन में शामिल करने का आह्वान किया। प्रो. तनेजा ने कहा योग भारत की अमूल्य धरोहर है जिसे न केवल पूरे भारत में बल्कि सारे विश्व में स्वीकार किया गया है। योग न केवल हमारी संस्कृति की पहचान है, बल्कि यह विश्व के लिए भारत का अमूल्य उपहार भी है। यह तन, मन और आत्मा को संतुलित कर स्वस्थ समाज का निर्माण करता है। इसी अवसर पर भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने वृक्षारोपण करते हुए परिसर में "एक पेड़ माँ" के नाम से वृक्षारोपण भी किया ।

राष्ट्रीय कैडेट कोर द्वारा की गयी गतिविधियां

एनसीसी कैडेट्स ने दीक्षांत समारोह में माननीय कुलाधिपति महोदय के सम्मान में सम्मान रक्षक दल के रूप में और स्वयंसेवक के रूप में भाग लिया। इस दौरान कैडेट्स ने दीक्षांत समारोह की विभिन्न गतिविधियों में सहयोग किया और अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाया। उनका योगदान समारोह को सफल बनाने में महत्वपूर्ण रहा। साथ ही कैडेट वैश्नवी मिश्रा और कैडेट शीरी फातिमा को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

लखनऊ कैंटोनमेंट में 24 नवम्बर 2024 को आयोजित एनसीसी डे समारोह में कैडेट्स एवं एएनओ ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर कैडेट्स ने परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया तथा एनसीसी के आदर्श, अनुशासन, एकता और निष्ठा का प्रदर्शन किया। समारोह में उनकी सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को सफल और यादगार बना दिया।

2 दिसंबर से 11 दिसंबर तक GCRG, BKT लखनऊ में आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के 29 एनसीसी कैडेटों ने इस शिविर को सफलतापूर्वक संपन्न किया। शिविर के दौरान विविध गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें व्यावहारिक व्याख्यान भी शामिल थे। इन व्याख्यानों ने सैन्य परंपराओं और विषयों के प्रति हमारा ज्ञान और गहरा किया। शिविर के दौरान विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर, खेल प्रतियोगिताएँ, फायरिंग अभ्यास तथा व्यावहारिक व्याख्यान शामिल थे। इन गतिविधियों ने कैडेटों में न केवल शारीरिक और मानसिक दक्षता का विकास किया, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और अनुशासन की भावना को भी प्रबल बनाया। व्याख्यानों ने सैन्य परंपराओं और विषयों पर गहन जानकारी प्रदान की, जबकि फायरिंग अभ्यास ने निशानेबाजी कौशल को निखारा और जिम्मेदारी की गहरी भावना विकसित की।

05 जनवरी 2025 को राजभवन, लखनऊ में मेगा साइक्लोथॉन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय राज्यपाल की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। एनसीसी कैडेटों ने सक्रिय रूप से भाग लेते हुए अनुशासन और ऊर्जा का परिचय दिया। साइक्लोथॉन का उद्देश्य युवाओं और नागरिकों में स्वस्थ जीवनशैली, पर्यावरण संरक्षण तथा फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। साइक्लिंग रैली के माध्यम से कैडेटों और प्रतिभागियों ने यह संदेश दिया कि "फिटनेस ही जीवन है", साथ ही सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रीय एकता का भी परिचय दिया।

24 जनवरी 2025 को विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य रैली का आयोजन किया गया। एनसीसी कैडेटों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ इस रैली में भाग लिया। रैली का उद्देश्य छात्रों और नागरिकों में राज्य की गौरवशाली परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और विकास की उपलब्धियों के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम के दौरान कैडेटों ने एकता, देशभक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया तथा संदेश दिया कि युवा पीढ़ी राज्य के विकास में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। एनसीसी कैडेटों और विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और रचनात्मकता के साथ इसमें भाग लिया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवाओं में मतदान के अधिकार, लोकतांत्रिक मूल्यों और जागरूक नागरिक बनने की भावना को प्रोत्साहित करना था। प्रतिभागियों की कलाकृतियों में लोकतंत्र, मतदान की शक्ति और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों को अभिव्यक्ति दी गई। इस आयोजन ने न केवल छात्रों की प्रतिभा को मंच प्रदान किया, बल्कि उनमें सामाजिक जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित की।

26 जनवरी 2025 गणतंत्र दिवस समारोह

विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। समारोह की शुरुआत ध्वजारोहण से हुई। इस अवसर पर एनसीसी कैडेटों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और पूरे अनुशासन के साथ समारोह का हिस्सा बने। कैडेटों ने सांस्कृतिक व देशभक्ति कार्यक्रमों में योगदान दिया तथा आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।उनकी भागीदारी ने कार्यक्रम को और भी गरिमामयी बनाया और उपस्थित जनसमूह में देशभक्ति और जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित किया।

एनसीसी ''सी'' प्रमाण पत्र वितरण समारोह, 24/04/25,

20 यूपी गर्ल्स एनसीसी बटालियन विश्वविद्यालय, लखनऊ की 29 एनसीसी कैडेट्स को ''सी'' प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। यह प्रमाण पत्र बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल रत्नाकर त्रिवेदी द्वारा वितरित किए गए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. बुशरा अलवेरा विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कर्नल त्रिवेदी ने 'सी' प्रमाण पत्र की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह कैडेट्स की मेहनत, अनुशासन और राष्ट्रीय सेवा के प्रति समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि यह प्रमाण पत्र सैन्य सेवाओं तथा विभिन्न सरकारी सेवाओं में प्रवेश हेतु विशेष वरीयता प्रदान करता है, जिससे कैडेट्स को अपने करियर में नए अवसर प्राप्त होते हैं।

जनेश्वर मिश्रा पार्क में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने इस कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी की और सामूहिक योग अभ्यास, प्राणायाम और ध्यान के माध्यम से शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को प्रदर्शित किया। कैडेट्स ने अनुशासन और समर्पण के साथ विभिन्न योगासनों का प्रदर्शन किया, जिससे योग के प्रति जागरूकता बढ़ी और समाज में स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संदेश को फैलाया गया। उनके प्रयासों ने कार्यक्रम को सफल और प्रभावशाली बनाया।

विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने 09 जुलाई 2025 को दो महत्वपूर्ण पर्यावरणीय पहलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान – कैडेट्स ने अपनी माताओं को समर्पित पौधारोपण किया। यह पहल मातृत्व के प्रति सम्मान और स्नेह के साथ–साथ पर्यावरण संरक्षण के संदेश को भी प्रबल करती है। इस कार्यक्रम ने परिवारिक मूल्यों और प्रकृति के बीच गहरे संबंध को उजागर किया। "चंदन वाटिका" की स्थापना – इसी अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में चंदन वाटिका की स्थापना की गई। कैडेट्स ने चंदन के पौधों का रोपण कर दीर्घकालिक हरियाली, पर्यावरणीय संतुलन और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्थायी प्राकृतिक धरोहर का संकल्प लिया।

21 जुलाई 2025 को बटालियन में आयोजित क्वार्टर गार्ड और पायलट प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने सक्रिय भागीदारी की। प्रतियोगिता में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय कैडेट्स ने तीसरा स्थान (3rd Position) प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में कैडेट्स ने अनुशासन, समर्पण और टीम वर्क का परिचय देते हुए अपने नेतृत्व और कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

विश्वविद्यालय में 23 से 29 जुलाई 2025 तक कारगिल विजय सप्ताह बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की एनसीसी इकाई तथा एनएसएस इकाई के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों की शुरुआत कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिकों को नमन और सम्मान अर्पित करने से हुई। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित विशेष समारोह में कैडेट्स और स्वयंसेवकों ने राष्ट्र की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों के पराक्रम और शौर्य गाथाओं को स्मरण किया। इस अवसर पर युद्ध वीरों और पूर्व सैनिकों को सम्मानित भी किया गया। सप्ताह भर चलने वाले इस आयोजन के अंतर्गत 'परमवीर चक्र वाटिका' की स्थापना की गई, जिसमें कारगिल युद्ध में शहीद हुए परमवीर चक्र से अलंकृत वीर सैनिकों के नाम पर पौधारोपण किया गया। यह वाटिका विश्वविद्यालय परिसर में देशभक्ति और बलिदान का स्थायी स्मारक बनेगी, जो भावी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। पूरे सप्ताह के दौरान एनसीसी कैडेट्स ने देशभक्ति गीत, वाद–विवाद, पोस्टर प्रतियोगिता और प्रेरणादायी वार्ताओं जैसे विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय और उत्साही भागीदारी की।

हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय कुलपति महोदय की उपस्थिति में विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स, छात्र एवं शिक्षक सक्रिय रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना को प्रदर्शित किया। एनसीसी कैडेट्स ने यात्रा के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और आयोजन को अनुशासन एवं समर्पण के साथ सफल बनाया।

इन गतिविधियों के माध्यम से छात्रों और कैडेट्स ने न केवल स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को नमन किया, बल्कि राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के गौरव का संदेश भी पूरे परिसर में प्रसारित किया।

15 अगस्त 2025 को विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और गरिमामयी वातावरण के साथ मनाया गया। इस अवसर पर एनसीसी कैडेटों ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा को गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया। ध्वजारोहण के बाद देशभक्ति गीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। एनसीसी कैडेटों की सहभागिता ने समारोह की शोभा बढ़ाई और छात्रों व उपस्थित जनसमूह में देशभक्ति, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित किया।

क्रीड़ा परिषद द्वारा की गयी गतिविधियां

माननीय कुलपति के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के वॉलीबॉल कोर्ट पर वॉलीबॉल (पुरुष) की विश्वविद्यालय स्तरीय टीम के गठन/चयन हेतु दिनांक 26.10.2024 को विद्यार्थियों का सिलेक्शन ट्रायल आयोजित किया गया। इस ट्रायल में कुल 21 विद्यार्थियों ने अपना पंजीकरण कराया। चयन एवं गठन प्रक्रिया हेतु वाह्य विशेषज्ञ श्री रियाज़ अहमद (कोच, के० डी० सिंह बाबू स्टेडियम, बाराबंकी) को आमंत्रित किया गया।

माननीय कुलपति के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के चंद्रशेखर आज़ाद व्यायामशाला में बैडमिंटन कोर्ट पर बैडमिंटन (महिला) की विश्वविद्यालय स्तरीय टीम के गठन/चयन हेतु दिनांक दिनांक 09.11.2024 को विद्यार्थियों का सिलेक्शन ट्रायल आयोजित किया गया। इस ट्रायल में कुल 07 छात्राओं ने अपना पंजीकरण कराया।

माननीय कुलपति के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के चंद्रशेखर आज़ाद व्यायामशाला में किक बॉक्सिंग (पुरुष) की विश्वविद्यालय स्तरीय टीम के गठन/चयन हेतु दिनांक 16.01.2025 को विद्यार्थियों का सिलेक्शन ट्रायल आयोजित किया गया।

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में माननीय कुलपति के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिताओं हेतु क्रिकेट (पुरुष) टीम का चयन/गठन किया गया। चयनित टीम ने दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित अंतर विश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता में दिनांक 10.02.2025 से 19.02.2025 तक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय टीम ने उत्साहपूर्वक प्रदर्शन किया तथा मूल्यवान अनुभव प्राप्त किया। टीम दिनांक 11.02.2025 को लखनऊ वापस लौटी। चयनित खिलाड़ियों को विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के सदस्यों द्वारा आगामी प्रतियोगिताओं हेतु शुभकामनाएँ प्रदान की गईं। चयन ट्रायल प्रक्रिया का सफल संचालन शारीरिक शिक्षा विभाग के डॉ० हसन मेहदी द्वारा किया गया।

रोवर्स-रेंजर्स द्वारा की गयी गतिविधियां

माननीय कुलपति के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा दिनांक 23 मार्च, 2025 को छात्र–छात्राओं के माध्यम से साइकिल यात्रा का सफल आयोजन किया गया। इस यात्रा का आयोजन रोवर–रेंजर्स के नोडल अधिकारी मोहम्मद शारिक, रोवर प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ सुदीप, रेंजर्स प्रभारी डॉ. जहां आरा जैदी तथा डॉ. हसन मेहदी के सहयोग एवं पर्यवेक्षण में किया गया। साइकिल यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को इतिहास, ग्रामीण संस्कृति, सामाजिक जीवन से अवगत कराना, पर्यावरण संरक्षण, शारीरिक फिटनेस और सामुदायिक जुड़ाव के प्रति जागरूक करना था।

इतिहास और प्रकृति से जुड़ने की विद्यार्थियों की अनोखी साइकिल यात्रा

नवयुवा शक्ति के पहिये

माननीय कुलपति महोदय के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ की रोवर–रेंजर्स की टीम ने 31वें प्रदेशीय रोवर–रेंजर्स समागम में प्रतिभाग किया। यह समागम प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज में दिनांक 26 मार्च से 28 मार्च, 2025 तक आयोजित किया गया। इस समागम में विश्वविद्यालय की ओर से 17 रोवर्स एवं 14 रेंजर्स के कुल 31 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। समागम के अंतर्गत आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में हमारी टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया। रोवर–रेंजर्स टीम का नेतृत्व रोवर प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ सुदीप तथा रेंजर्स प्रभारी डॉ. जहां आरा जैदी के पर्यवेक्षण में हुआ। विद्यार्थियों की इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर रोवर–रेंजर्स नोडल अधिकारी मोहम्मद शारिक ने टीम के सभी प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ज्ञान के पथ पर अग्रसर – हमारे विजयी पथिक

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में दिनांक 09 जुलाई, 2025 को "एक पेड़ मां के नाम" विषय पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा जी के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक बक्शी का तालाब श्री योगेंद्र शुक्ला विश्वविद्यालय में उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि "मां और वृक्ष दोनों ही जीवन देते हैं और जीवन जीना सिखाते हैं।" इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना की संयोजक डॉ. नलिनी मिश्रा एवं रोवर–रेंजर्स नोडल अधिकारी डॉ. मोहम्मद शारिक के संयोजन में किया गया।

शिक्षक, विद्यार्थी और कर्मचारीदृप्रकृति के संग

संयुक्त प्रयास, हरा भविष्य

राजभवन द्वारा आयोजित गतिविधियां

नवरात्रि के पावन अवसर पर राजभवन में आयोजित गरबा नृत्य पर एक कार्यशाला का आयोजन हुआ जिसमें डॉ. नलिनी मिश्रा, अध्यक्ष, सांस्कृतिक समिति के साथ छात्राओं ने भागीदारी की। एक माह की वर्कशॉप के पश्चात नलिनी मिश्रा के नेतृत्व में छात्राओं ने नवरात्रि के प्रत्येक दिन राजभवन में आयोजित गरबा नृत्य में प्रतिभागिता की।

''स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा'' के अंतर्गत माननीय कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के दिशा–निर्देशन में राजभवन में वाद–विवाद, नुक्कड़ नाटक, मेहंदी, पेंटिंग तथा क्विज जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिनमें विश्वविद्यालय के छात्रों ने सक्रिय भागीदारी की।

राजभवन में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित वाद विवाद प्रतियोगिता में अमन कुमार त्रिपाठी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मेहंदी प्रतियोगिता में मेहविश कुरैशी ने प्रथम स्थान तथा प्रतिभा गौतम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

दीक्षोत्सव

माननीय कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के दिशा–निर्देशन तथा माननीय कुलपति प्रो0 अजय तनेजा के नेतृत्व में 'दशम् दीक्षांत समारोह' के उपलक्ष्य में ''दीक्षोत्सव'' का आयोजन किया गया। यह उत्सव विश्वविद्यालय परिसर एवं विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए पाँच गाँवों में विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से संपन्न हुआ। गोद लिये गये गाँव में वर्गवार कक्षा 3–12 में भाषण, कविता लेखन, कहानी लेखन, चित्रकला, परम्परागत खेल आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। विश्वविद्यालय परिसर में महिला आधारित विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी, परम्परागत खेल, काव्य लेखन, निबंधन लेखन, वाद–विवाद, लोक नृत्य, चित्रकला प्रतियोगिता आदि का आयोजन भी किया गया।

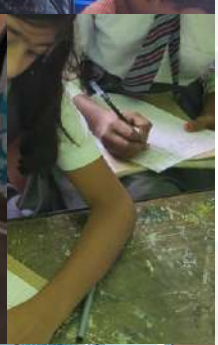

स्थापना दिवस कार्यक्रम

विश्वविद्यालय का ''15वाँ स्थापना दिवस'' भी हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर समस्त शिक्षकगण, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों में प्रतिभाग किया। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भजन, ग़ज़ल, लोक नृत्य, कलश सजावट, रंगोली, खेल प्रतियोगिताओं आदि का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं के विजयी छात्र–छात्राओं को प्रमाणपत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा

माननीय कुलाधिपति कार्यालय एवं उत्तर प्रदेश शासन के दिशा–निर्देशानुसार विश्वविद्यालय परिसर में ''स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा'' का आयोजन किया गया, जिसमें मानव श्रृंखला निर्माण, स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण संबंधी गतिविधियाँ, वृक्षारोपण, रक्तदान शिविर, भाषण प्रतियोगिता, कर्मियों का सम्मान, टी0बी0 मरीज़ों को गोद लिया जाना एवं 'बापू बाजार' जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये।

शोध उपाधि धारकों की सूची

क्रम	नाम	उपाधि विवरण	शीर्षक
1.	गुलशिया रिज़वी	व्यवसाय प्रशासन विभाग	Correlates of Employee Engagement and Employee Retention: A Study of the Indian I.T Industry in Delhi NCR
2.	अभिलाष त्रिवेदी	व्यवसाय प्रशासन विभाग	A Study of Customer Satisfaction With App Based Food Aggregators With Reference to Uttar Pradesh
3.	तौसीफ इरफान	व्यवसाय प्रशासन विभाग	Application of the Extended Theory of Planned Behavior Model to Investigate Purchase Intention of Organic Food Products Among Indian Consumers with A Focus on Uttar Pradesh
4.	अभिषेक त्रिपाठी	व्यवसाय प्रशासन विभाग	Effect of foreign exchange volatility on financial pergformance: a study of medium enterprises in india
5.	लक्ष्मी नारायण यादव	व्यवसाय प्रशासन विभाग	Issues in adopting and growth of digital payment systems in india
6.	मीनाक्षी नाग	वाणिज्य विभाग	भारतीय बैंकों की लाभप्रदता एवं आर्थिक स्थिति पर विलय का प्रभाव – एक तुलनात्मक अध्ययन (विशेष संदर्भ आई सी आई सी आई बैंक एवं बैंक ऑफ राजस्थान, उत्तर प्रदेश राज्य की चयनित शाखाओं, सन् 2000 से 2020 तक के विषेश सन्दर्भ में)
7.	शिवम चतुर्वेदी	वाणिज्य विभाग	A study of investors' behavior towards equity market investment (with reference to investors of uttar pradesh)
8.	सैयद अली ज़ुहैर ज़ैदी	वाणिज्य विभाग	A Study On The Preferences Of Indian Consumers And Retailers Regarding Indian And Global Products
9.	आयशा अलीम	वाणिज्य विभाग	A Study of the Attitude of Technical (Engineering) Students Towards Entrepreneurship As A Career Opportunity in Uttar Pradesh
10.	अज़वर जमाल खान	वाणिज्य विभाग	Analytical Study on Investment Pattern of Middle Class in Select Cities of Uttar Pradesh
11.	संदीप कुमार शर्मा	कम्प्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग	Software Quality Forensic Approach In Data Integrity Breaching
12.	सलमा बेगम	शिक्षा शास्त्र विभाग	प्रशिक्षु शिक्षकों की शिक्षण क्षमता विकसित करने में परासंज्ञानात्मक कौशल एवं अधिगम शैली की भूमिका का अध्ययन
13.	मुकेश कुमार	शिक्षा शास्त्र विभाग	माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचियों एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा का उनकी शिक्षा के माध्यम के सन्दर्भ में अध्ययन
14.	सीमा परवीन	अंग्रेज़ी विभाग	The Portrayal of Female Psyche and consciousness in select Fiction of Shashi Deshpande and Shobha De: A Comparative Study
15.	मोहम्मद एहतेशाम	अंग्रेज़ी विभाग	Shifting Paradigms of Cultural Identities in Monica Ali's Fiction
16.	सुलेमान	भूगोल विभाग	Air Pollution and Respiratory Health of Children: A Geographical Study of Lucknow City
17.	नजमू साकिब	भूगोल विभाग	Impact of Urbanization on Groundwater in reference to Landuse Pattern: A Geographical study of Lucknow City
18.	वंदना प्रियदर्शी	भूगोल विभाग	Mapping Gender Issues in the Level of Development: A Geographical Study of Lucknow City
19.	श्वेता भारती	गृह विज्ञान विभाग	Occupational stress and job satisfaction among doctors during covid-19, corona pandemic
20.	नितिका अंबश्ठ	पत्रकारिता और जनसंचार विभाग	Understanding of Mediated Communication for Raising Awareness Regarding Menstrual Hygiene Among Rural Adolescent Girls
21.	नीरज कुमार सिंह	पत्रकारिता और जनसंचार विभाग	उच्च शिक्षारत विद्यार्थियों की राजनीतिक चेतना पर फेसबुक के प्रभाव का अध्ययन (लखनऊ शहर के संदर्भ में)
22.	रोहित यादव	शारीरिक शिक्षा विभाग	A comparative analysis of attitude towards life in relation to selected personality variables among volleyball players
23.	सद्दाम हुसैन	उर्दू विभाग	Kalam-e-nazeer mein hindustani saqafat
24.	सनाउल्ला	उर्दू विभाग	Contribution of prof. Ehtesham ahmad al-nadvi in the promotion of arabic language in india
25.	मोहम्मद फैज़ सिद्दीकी	उर्दू विभाग	Malik zada manzoor ahmad: adeeb-o-naqid
26.	एजाज अहमद दार	उर्दू विभाग	Beesveen sadi mein urdu sawaneh nigari
27.	तबस्सुम फातमा	उर्दू विभाग	Ghulam abbas bahaisiyat afsana nigar
28.	दानिशा	उर्दू विभाग	Urdu novel ka marxi mutala
29.	मोहम्मद यासूब	उर्दू विभाग	Shuja'at ali sandelavi: hayat aur karnamey
30.	कनीज़ फ़ातिमा	उर्दू विभाग	Awadh mein urdu afsane ka tahqeeqi-o-tanqeedi jaiza
31.	मुख़्तार अहमद	उर्दू विभाग	Laddakh Mein Urdu Nasr Ka Tahqiqi Wo Tanqeedi Motala

पदक धारकों की सूची

स्वर्ण पदक प्राप्तकर्ता की सूची		
क्रम	नाम	उपाधि विवरण
1.	सुश्री रहमाना	स्नातक स्तर पर उर्दू, अरबी एवं फ़ारसी भाषा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने हेतु **ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती स्वर्ण पदक।**
		स्नातक स्तर पर कला एवं मानविकी संकाय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
		बी0ए0 उर्दू पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
2.	श्री धर्मेश यादव	स्नातक स्तर पर समस्त संकायों में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु **कुलाधिपति स्वर्ण पदक।**
		स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
		बी0एस0सी0–रसायन विज्ञान पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
3.	श्री अपूर्व दिवेद्वी	स्नातक स्तर पर समस्त संकायों में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु **कुलपति स्वर्ण पदक।**
		स्नातक स्तर पर अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
		बी0टेक0–सिविल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
4.	सुश्री तनु प्रिया	स्नातक स्तर पर सामाजिक विज्ञान संकाय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
		बी0एड0 पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
5.	सुश्री ऐश मिर्ज़ा	स्नातक स्तर पर वाणिज्य संकाय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
		बी0बी0ए0 पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
6.	सुश्री अदीबा अंजुम	परास्नातक स्तर पर कला एवं मानविकी संकाय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
		एम0ए0 अरबी पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
		परास्नातक स्तर पर भाषा विषयों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने हेतु **सैय्यद अनवार अशरफ़ (मुसन्ना मियां) स्वर्ण पदक।**
7.	सुश्री शाहिना कौसर	परास्नातक स्तर पर सामाजिक विज्ञान संकाय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
		एम0ए0 गृह विज्ञान पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
8.	सुश्री करीना	परास्नातक स्तर पर वाणिज्य संकाय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
		एम0बी0ए0 पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
9.	सुश्री तसनीम सबा	परास्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
		एम0सी0ए0 पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
10.	सुश्री बुशरा अंसारी	परास्नातक स्तर पर विधि संकाय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
		एल0एल0एम0 पाठ्यक्रम में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
11.	श्री मोहम्मद आक़िब	परास्नातक स्तर पर अभियांत्रिकी एवं प्रोद्यौगिकी संकाय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
		एम0टेक0–मेकाट्रोनिक्स पाठ्यक्रम में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
12.	सुश्री रूबाब सिद्दीक़ी	बी0कॉम0 पाठ्यक्रम मे छात्राओं में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने हेतु **शारदा चन्द्र कृष्ण शुक्ल स्वर्ण पदक।**
		बी0काम0 पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
13.	सुश्री साक्षी बरनवाल	बी0सी0ए0 पाठ्यक्रम में सर्व श्रेश्ठ अंक प्राप्त करने हेतु **सैय्यद मंज़ूर अहमद अशरफ़ी स्वर्ण पदक।**
		बी0सी0ए0 पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
14.	सुश्री महविश कुरैशी	बी0ए0 अरबी पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
15.	सुश्री हसन ज़हरा रिज़वी	बी0ए0 फ़ारसी पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
16.	सुश्री माही श्रीवास्वत	बी0ए0 अंग्रेज़ी पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
17.	सुश्री नितिका सिंह	बी0ए0 भूगोल पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
18.	सुश्री महविश	बी0ए0 शिक्षाशास्त्र पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
19.	श्री आर्यन सैनी	बी0ए0 अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
20.	श्री पुष्कर कशयप	बी0ए0 राजनीति शास्त्र पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
21.	सुश्री सौम्या	बी0ए0 समाजशास्त्र पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
22.	सुश्री आफ़रीन अज़मी	बी0ए0 इतिहास पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
23.	सुश्री अनम्ता बानो	बी0ए0 शारीरिक शिक्षा पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
24.	सुश्री बरीरा युमन	बी0ए0 गृह विज्ञान पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
25.	सुश्री स्वेता चौरसिया	बी0ए0–जे0एम0सी0 पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
26.	श्री दिपांशु गुप्ता	बी0काम0 पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
27.	सुश्री शिवानी यादव	बी0एस0सी0–बायोटेक्नलॉजी पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
28.	सुश्री अलफ़िया कायनात	बी0एस0सी0 गणित पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
29.	सुश्री शाहीन परवीन	बी0एस0सी0 माइक्रोबायोलॉजी पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
30.	सुश्री ज़ैनब	बी0एस0सी0 जूलॉजी पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
31.	सुश्री सानिया ज़ेहरा	बी0टेक0–कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
32.	सुश्री वैश्नवी मिश्रा	बी0टेक0–बायोटेकनोलॉजी इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
33.	श्री प्रवीण गुप्ता	बी0टेक0–मैकेनिकल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।

पदक धारकों की सूची

34.	**श्री शिवम तिवारी**	बी0टेक0–कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग (ए0आई0एम0एल0) पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
35.	**सुश्री अनन्या सिंह**	बी0टेक0–कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग (ए0आई0डी0एस0) पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
36.	**सुश्री चांद नाज़**	एम0ए0 उर्दू पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
37.	**श्री दीपक यादव**	एम0ए0 हिन्दी पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
38.	**सुश्री आन्या श्रीवास्तव**	एम0ए0 अंग्रेज़ी पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
39.	**सुश्री नूर फ़ातिमा**	एम0ए0 भूगोल पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
40.	**श्री अशीष कुमार**	एम0ए0 शिक्षाशास्त्र पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
41.	**सुश्री अनन्या सचान**	एम0ए0 इतिहास पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक
42.	**श्री विवेक**	एम0ए0 अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
43.	**सुश्री मेहर जमाल**	एम0ए0–जे0एम0सी पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
44.	**सुश्री रूशदा मनाल**	एम0कॉम0 पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
45.	**श्री महफूज़ अहमद**	एम0टेक0– कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग (ए0आई0एम0एल0) पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु स्वर्ण पदक।
		रजत पदक प्राप्तकर्ता की सूची
46.	**श्री नदीम अख़्तर**	बी0ए0 उर्दू पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
47.	**श्री फ़ैज़ान अख़्तर**	बी0ए0 अरबी पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
48.	**सुश्री निवेदिता सिंह**	बी0ए0 अंग्रेज़ी पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
49.	**श्री मो0 नदीम**	बी0ए0 भूगोल पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
50.	**सुश्री खुशबू रावत**	बी0ए0 शिक्षाशास्त्र पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
51.	**सुश्री रूमी शाही**	बी0ए0 अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
52.	**सुश्री रीतू राजपूत**	बी0ए0 राजनीति शास्त्र पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
53.	**श्री अबी वक़्क़ास**	बी0ए0 समाजशास्त्र पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
54.	**वैभव कुमार**	बी0ए0 इतिहास पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
55.	**सुश्री शालिनी कश्यप**	बी0ए0 गृह विज्ञान पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
56.	**श्री प्रखर शुक्ला**	बी0एड0 पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
57.	**श्री शशि यादव**	बी0ए0–जे0एम0सी0 पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
58.	**सुश्री आयशा बानो**	बी0बी0ए0 पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
59.	**श्री सुमित**	बी0सी0ए0 पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
60.	**सुश्री सेहरनाज़ बानो**	बी0एस0सी0–बायोटेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
61.	**सुश्री ज़ैनब हुमायुँ**	बी0एस0सी0–रसायन विज्ञान पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
62.	**सुश्री साक्षी यादव**	बी0एस0सी0–गणित पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
63.	**सुश्री प्रेक्षा पाण्डेय**	बी0एस0सी0–माइक्रोबायोलॉजी पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
64.	**सुश्री शारिबा बानो**	बी0एस0सी0–जूलॉजी में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
65.	**सुश्री कहकशा बानो**	बी0टेक0–कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
66.	**श्री शाम्भवी मिश्रा**	बी0टेक0–बायोटेक्नोलाजी इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
67.	**श्री अमन सिंह**	बी0टेक0–सिविल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
68.	**श्री कार्तिकेय सिंह**	बी0टेक0–मैकेनिकल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
69.	**सुश्री मुस्कान श्रीवास्तव**	बी0टेक0–कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग (ए0आई0एम0एल0) पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
70.	**सुश्री पूर्वा गौर**	बी0टेक0–कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग (ए0आई0डी0एस0) पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
71.	**सुश्री मिस्बाह ख़ातून**	एम0ए0 उर्दू पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
72.	**सुश्री सेबिना ख़ातून**	एम0ए0 अरबी पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
73.	**सुश्री अर्चना गौतम**	एम0ए0 हिन्दी पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
74.	**श्री अब्दुल मतीन**	एम0ए0 अंग्रेज़ी पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
75.	**श्री अंशुमन यादव**	एम0ए0 भूगोल पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
76.	**सुश्री प्रिया मिश्रा**	एम0ए0 शिक्षाशास्त्र पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
77.	**सुश्री तनु मिश्रा**	एम0ए0 गृह विज्ञान पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
78.	**श्री अनामिका राय गौतम**	एम0ए0 इतिहास पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
79.	**सुश्री लारैब**	एम0ए0 अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
80.	**श्री मो0 शोएब**	एम0ए0–जे0एम0सी0 पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
81.	**सुश्री श्रेया वर्मा**	एम0कॉम0 पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
82.	**सुश्री सानिया ज़ैदी**	एम0बी0ए0 पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।

पदक धारकों की सूची

83.	**सुश्री प्रिया यादव**	एम0सी0ए0 पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
84.	**सुश्री नशरा अंसारी**	एल0एल0एम0 पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
85.	**श्री मयूर श्रीवास्वत**	एम0 टेक0–कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग (ए0आई0एम0एल0) पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
86.	**श्री विजय प्रताप**	एम0 टेक0–मेकाट्रोनिक्स पाठ्यक्रम में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु रजत पदक।
		कांस्य पदक प्राप्तकर्ता की सूची
87.	**सुश्री आमिना**	बी0ए0 उर्दू पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
88.	**श्री फहीम अहमद**	बी0ए0 अरबी पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
89.	**सुश्री वरीशा परवीन**	बी0ए0 अंग्रेज़ी पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
90.	**सुश्री पूजा राजपूत**	बी0ए0 भूगोल पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
91.	**सुश्री रोशनी यादव**	बी0ए0 शिक्षाशास्त्र पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
92.	**सुश्री शैफाली गुप्ता**	बी0ए0 अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
93.	**सुश्री पूजा सिंह**	बी0ए0 राजनीति शास्त्र पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
94.	**सुश्री अमृता**	बी0ए0 समाजशास्त्र पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
95.	**सुश्री तनु पाल**	बी0ए0 इतिहास पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
96.	**सुश्री रूपाली यादव**	बी0ए0 गृह विज्ञान पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
97.	**सुश्री अरमाना औसाफ़**	बी0एड0 पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
98.	**सुश्री कामिनी गौतम**	बी0ए0–जे0एम0सी0 पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
99.	**सुश्री मंतशा ख़ान**	बी0कॉम0 पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
100.	**श्री मो0 अयान**	बी0बी0ए0 पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
101.	**सुश्री साहिल आफ़रीदी**	बी0सी0ए0 पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
102.	**सुश्री रिदा सलमान सिद्दीक़ी**	बी0एस0सी0 बायोटेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
103.	**श्री सत्यम सिंह**	बी0एस0सी0 गणित पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
104.	**श्री दुश्यंत सिंह**	बी0एस0सी0 माइक्रोबायोलॉजी पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
105.	**सुश्री रुमैशा मुम्ताज़**	बी0एस0सी0 जूलॉजी पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
106.	**श्री मो0 राहिल**	बी0टेक0–कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
107.	**सुश्री अर्शी फ़तिमा**	बी0टेक0–बायोटेक्नोलाजी इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
108.	**श्री दिपांशु पाण्डेय**	बी0टेक0–सिविल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
109.	**श्री यश प्रताप सिंह बिष्ट**	बी0टेक0–मैकेनिकल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
110.	**सुश्री ख़दीजा ख़ातून**	बी0टेक0–कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग (ए0आई0एम0एल0) पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
111.	**श्री शुभ प्रकाश शुक्ला**	बी0टेक0–कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग (ए0आई0डी0एस0) पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
112.	**श्री मो0 जुनैद**	एम0ए0 उर्दू पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
113.	**सुश्री सफ़िया ख़ातून**	एम0ए0 अरबी पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
114.	**सुश्री नैन्सी**	एम0ए0 हिन्दी पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
115.	**सुश्री पूजा सिंह राजपूत**	एम0ए0 अंग्रेज़ी पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
116.	**श्री प्रखर वीर गुप्ता**	एम0ए0 भूगोल पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
117.	**सुश्री कुमकुम यादव**	एम0ए0 शिक्षाशास्त्र पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
118.	**सुश्री रशिका सोनकर**	एम0ए0 गृह विज्ञान पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
119.	**श्री राम बाबू पाण्डेय**	एम0ए0 इतिहास पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
120.	**कुमारी सोनम यादव**	एम0ए0 अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
121.	**श्री अभिषेक कुमार**	एम0ए0–जे0एम0सी0 पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
122.	**सुश्री सायमा आरा**	एम0कॉम0 पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
123.	**सुश्री आफ़िया सिद्दीक़ी**	एम0बी0ए0 पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
124.	**सुश्री उज़मा सिद्दीक़ी**	एम0सी0ए0 पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
125.	**सुश्री दिव्या हरिहरन**	एल0एल0एम0 पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
126.	**श्री अतीक़ अहमद**	एम0 टेक0–कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग (ए0आई0एम0एल0) पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।
127.	**श्री विक्रांत कुमार**	एम0 टेक0–मेकाट्रोनिक्स पाठ्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु कांस्य पदक।